सुप्रभात
रांची, सोमवार
22.07.2024
* * नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net सावन, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा, संवत् 2081 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 12

08 देवों के देव महादेव

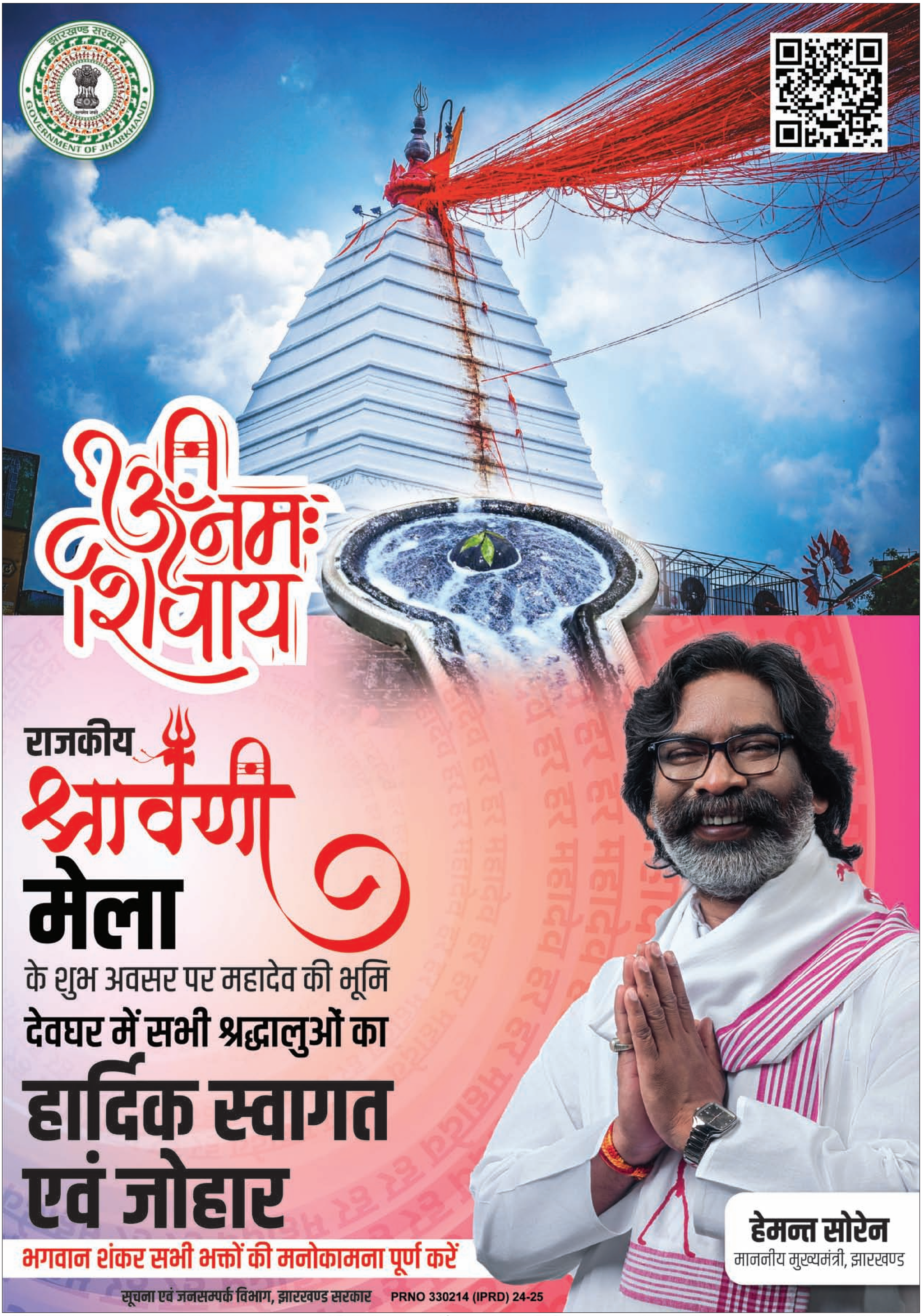

किसी भी देश का भविष्य युवाओं व शिक्षा पर ही निर्भर : अमर बाउरी

झारखंड छात्र परिषद की ओर से शिक्षा एवं रोजगार के विषयक परिचर्चा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड छात्र परिषद की ओर से रविवार को शिक्षा एवं रोजगार के विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। इसके मुख्य अतिथि के रूप में नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी एवं राजीव रंजन मिश्रा थे। अमर बाउरी ने परिचर्चा में छात्र प्रतिनिधियों से कहा कि झारखंड छात्र परिषद द्वारा शिक्षा एवं रोजगार विषय मे आए सुझाव को भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश अपने घोषणा पत्र में शामिल करेंगी एवं नेता प्रतिपक्ष के रूप में सदन में भी इस विषय को उठाया जाएगा। श्री बाउरी ने कहा कि किसी भी देश की आधारशिला युवा एवं शिक्षा में ही टिकी है। वर्तमान सरकार के द्वारा नई शिक्षा नीति से युवाओं को शिक्षा के साथ रोजगार में भी मदद मिलेगी। इससे पूर्व परिचर्चा में आए छात्र प्रतिनिधियों की बातों को श्री बाउरी ने ध्यानपूर्वक सुना और समस्याओं एवं उनके समाधानों पर विचार-विमर्श किया। परिचर्चा में शिक्षा में व्यापक सुधार एवं ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा का विस्तार तथा राज्य के युवाओं को रोजगार का अवसर कैसे मिले, इस पर परिचर्चा की गई।

इसमें युवाओं से जुड़े कई गंभीर मुद्दों पे चर्चा करते हुए झारखंड छात्र परिषद द्वारा छात्रों एवं युवाओं के सुझावों के आधार पर एजेंडा तय किया गया। परिचर्चा की अध्यक्षता पीयूष आनंद ने, संचालन राकेश सिंह ने की एवं धन्यवाद ज्ञापन ज्योति शंकर साहू ने किया।

राज्य के सभी जिला मुख्यालय में मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की पढ़ाई हो : मौके पर राजीव रंजन मिश्रा ने कहा कि राज्य में शिक्षा का विस्तार ग्रामीण क्षेत्र में हो एवं विधान सभा मे शिक्षा पर गंभीर चर्चा कर अलग से बजट का प्रावधान होना चाहिए। साथ ही राज्य के सभी जिला मुख्यालय में मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की पढ़ाई सुनिश्चित करें, ताकि छात्र-छात्राओं को बाहर न जाना पड़े। श्री मिश्रा ने कहा कि राज्य के युवाओं के रोजगार के लोए राज्य सरकार को योजना बनानी चाहिए। आज देश में जरूरत है छात्रों और युवाओं के मुद्दों को समझने की। इसकी पहल झारखंड छात्र परिषद कर रहा है। कार्यक्रम में वक्त के रूप में सुनील गुप्ता, उपेंद्र रजक, लंकेश सिंह , साहिल कुमार , प्रवीण उरांव , नवनीत पांडेय , राहुल सिन्हा चंकी मौजूद थे। परिचर्चा में करण नायक, निभांत सिंह , रोहित कुमार , प्रेम यादव , वेणु गोपाल , सौरव कुमार , अजित कुमार सिंह , राज तिर्की , अभिषेक कुमार , रवि कुमार , सुमित कुमार , गुड्डू कुमार , रितिक कुमार , आर्यमन कुमार , कृष्णा , नंदलाल सहित सैकड़ों छात्र प्रतिनिधियों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये ।

शिक्षा नीति में सुधार के लिए उठाए जानेवाले आवश्यक कदम : प्रखंड स्तर पर स्कूल व कॉलेज की व्यवस्था हो, ताकि गरीब बच्चों को शिक्षा के लिए शहर न जाना पड़े। प्रखंड स्तर पर एक हाईटेक लाइब्रेरी की व्यवस्था सुनिश्चित हो। राज्य के प्रमुख विश्वविद्यालयों में पढ़ाये जानेवाले पाठ्यक्रमों की वीडियो रिकार्डिंग कर यूट्यूब पर डाला जाये, ताकि सुदूर क्षेत्र के विद्यार्थियों को भी राज्य के बेहतरीन प्रोफेसरों की योग्यता एवं अनुभवों का लाभ मिल सके।

रोजगार नीति में सुधार के लिए उठाए जानेवाले आवश्यक कदम : प्रखंड स्तर पर रोजगार का सृजन एवं समन्वय, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिल सके। पेपरलीक एवं अवैध तरीके से नौकरियों की दलाली करनेवालों के खिलाफ कड़े कानून बनायें जायें एवं तय सीमा के भीतर सजा हो। बेरोजगारी भत्ता अनिवार्य किया जाये। ग्रामीण लोगों को व्यापार के ऑनलाइन प्लेटफार्म जैसे अमेजॉन, फ्लिपकार्ट आदि से अवगत कराना तथा इन प्लेटफॉर्म पर उनका रजिस्ट्रेशन प्रज्ञा केंद्र के माध्यम से कराया जाना, ताकि स्वरोजगार को विकसित किया जा सके।

शिक्षक समाज को सुधार कर एक नई दिशा प्रदान करते हैं : आलोक कुमार

रांची। शिक्षक समाज को सुधार कर एक नई दिशा प्रदान करते हैं और राष्ट्र के लिए योग्य नागरिक का निर्माण करते हैं। ये बातें रविवार को संत गेब्रियल एण्ड मोनिका स्कूल मोरहाबादी में आयोजित गुरुजनों को नमन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने कहीं। उन्होंने कहा कि वस्तुतः गुरु पूर्णिमा से शिक्षक के सम्मान समारोह की शुरूआत होती है और प्रत्येक वर्ष पासवा शिक्षकों का सम्मान करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर सुषमा केरकेप्ता ने किया। इस मौके पर एमएमके हाई स्कूल के डायरेक्टर डॉ तनवीर अहमद ,आर्य भप्त पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर मनोज कुमार भप्त, संत गेब्रियल एंड मोनिका स्कूल के डायरेक्टर डॉ सुषमा केरकेप्ता, डायरेक्टर प्रिया योगी, प्रीति सोनी,डेजी एम.केरकेप्ता,आयशा बसार,साइमन सारिक,राफिया अहमद,संजय कुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह, संजय तिर्की,अनिकेत कुमार, मोहम्मद शाहिद,शैफ अहमद,मो.जियारुइन को सम्मानित किया गया।

युवाओं के लिए सेना भर्ती रैली 27 से 10 अगस्त तक रांची में

निदेशक सेवा भर्ती मिले एसएसपी रांची से, मांगी सुरक्षा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखण्ड राज्य के लिए वर्ष-2024-25 के लिए सेना भर्ती रैली 27 जुलाई 2024 से 10 अगस्त 2024 तक रांची के खेल गांव में आयोजन होने को लेकर सेना भर्ती रैली की तैयारी जोर शोर से शुरू हो गई है। सेना भारती कार्यालय रांची और जिला प्रशासन के साथ मिलकर ग्राउंड और रेस्ट एरिया, मार्शलिंग, रन ट्रैक, डॉक्यूमेंटेशन, मेडिकल का चयन पूर्व में ही कर लिया गया है। इसी क्रम में रविवार को निदेशक सेना भर्ती, रांची, कर्नल विकास भोला द्वारा वरीय पुलिस अधीक्षक रांची, चन्दन कुमार सिन्हा से उनके आवासीय कार्यालय में मुलाकात कर खेल गांव स्पोर्ट काम्प्लेक्स में होने वाले रैली के दौरान सुरक्षा, भर्ती के दौरान दलालों की पहचान कर उन पर कानूनी कार्रवाई करने, रैली में शामिल अभ्यर्थी का पुलिस वेरिफिकेशन रैली स्थल पर करने की मांग की गई। जिसपर वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा आश्वासन देते कहा की उन्हें पुलिस प्रशासन से जो मदद की आवश्यकता होगी उसे पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे।

सेना भर्ती के दौरान दलालों के बहकावे में ना आए इनकी सूचना तुरंत पुलिस को दें : निदेशक सेना भर्ती, रांची, कर्नल विकास भोला द्वारा सभी अभ्यर्थी एवं उनके परिजनों को दलालों से सावधान रहने एवं उन दलालों से सावधान रहें जो इच्छुक रंगरूटों का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। भर्ती प्रक्रिया पर उनका कोई प्रभाव नहीं है, जो बिल्कुल स्वतंत्र, निष्पक्ष और योग्यता आधारित है। उनके झूठ और झूठे आश्वासनों में मत फंसिए। वे भर्ती की गारंटी देने का दावा कर सकते हैं, लेकिन इसकी सूचना तुरंत पुलिस या रैली अधिकारियों को दें। याद रखें, आपकी योग्यताएं और क्षमताएं ही आपके चयन का निर्धारण करेंगी। अयोग्य उम्मीदवारों को आगे बढ़ाने के लिए कोई भी कठोर और स्वचालित प्रक्रिया को नहीं बदल सकता।

भाजपा बताए, आदिवासियों से लूटी गई जमीन उन्हें कब और कैसे वापस होगी : बंधु

भाजपा का कुछ नहीं बोलना झारखंड के आदिवासियों-मूलवासियों के लिये खतरनाक संकेत

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य के पूर्व मंत्री और प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि झारखंड विशेष कर राजधानी रांची सहित शहरी क्षेत्रों में आदिवासियों एवं मूलवासियों से उनकी जमीन लूटी जा रही है। इस मामले में दुनिया की सबसे बड़ी और झारखंड के प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और इसके नेताओं का खामोश रहना दुर्भाग्य की बात है। रांची में भाजपा की विस्तृत कार्यसमिति की बैठक में भाजपा नेताओं ने अपनी नीति-रणनीति के अनुसार सभी मुद्दों पर तो बातचीत की, लेकिन वह राजधानी रांची सहित धनबाद, जमशेदपुर एवं अन्य शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आदिवासियों से अबतक व्यापक पैमाने पर लूटी गई जमीन के मुद्दे पर एक भी शब्द नहीं बोला जो झारखंड के आदिवासियों और मूलवासियों के लिये खतरनाक संकेत है।

बिहार और यूपी के लोग आदिवासियों की जमीन लूटी : तिर्की ने कहा कि आदिवासियों की जमीन की रक्षा के लिए सीएनटी एसपीटी एक्ट के प्रावधानों की धज्जियां उड़ाते हुए गैर आदिवासियों विशेष रूप से, बिहार एवं उत्तर प्रदेश से आये लोगों ने आदिवासियों से उनकी जमीन को लूटा जिससे लाखों आदिवासी परिवार विस्थापन एवं पलायन का शिकार हुए। भाजपा नेताओं को यह बताना चाहिए कि आदिवासियों की लूटी गई जमीन के मामले में वे क्या सोचते हैं और उन्हें उनकी जमीन कब और कैसे वापस मिलेगी। भाजपा नेताओं को अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए आदिवासियों की लूटी जा चुकी जमीन को वापस लौटाने के मामले में साफ-साफ बोलना चाहिए।

असम के आदिवासियों को कब मिलेगा एसटी का दर्जा : तिर्की ने कहा कि 2008 में असम में आदिवासियों के साथ हुई गंभीर हिंसा में अनेक आदिवासी मारे गये तथा हिंसा के शिकार हुए थे। उन्होंने कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सरमा ने अबतक असम में रह रहे जनजातीय समुदाय को आदिवासी अर्थात अनुसूचित जनजाति का दर्जा नहीं दिया है। अब भी वहां के आदिवासी एमओबीसी श्रेणी में ही माने जाते हैं जबकि यदि शर्मा और शाह आदिवासियों के हितैषी है तो उन्हें तत्काल इस दिशा में कदम उठाना चाहिए। तिर्की ने कहा कि सरना धर्म कोड सम्बंधित आदिवासियों की मांग बहुत पुरानी और न्यायोचित है।र 2019 में ही अमित शाह ने इसके संदर्भ में कदम उठाने की बात कही थी लेकिन अब भाजपा नेताओं की इस मुद्दे पर खामोशी भी आदिवासियों के प्रति उनकी मंशा को उजागर करती है।

मनरेगा का दूसरा गुट भी आज से हड़ताल पर जाने की दी है धमकी

चार दिन से हड़ताल पर हैं मनरेगा कर्मी, उधर मंत्री से मिला दूसरा गुट

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ प्रदेश कमिटी का एक प्रतिनिधिमण्डल रविवार को ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी के निमंत्रण पर उनके देवघर जिला स्थित मधुपुर में निजी आवास पर मिला। उन्हें पुष्प गुछ देकर ग्रामीण विकास मंत्री बनने की बधाई दी और उन्हें अपना मांग पत्र भी सौंपा। प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे प्रदेश सचिव डॉ राजेश कुमार दास एवं गणेश मेहरा के नेतृत्व में अन्य मनरेगाकर्मियों के साथ मंत्री की वार्ता हुई। इस क्रम में मंत्री ने सभी मनरेगा कर्मचारियों की मांगों पर विचार करते हुए आश्वस्त करते कहा कि आप सभी की मांगें जायज है। इसे लेकर राज्य सरकार गंभीर है। उनकी मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जायेगा।

झारखंड में भी मनरेगा कर्मी स्थाई होंगे : मंत्री ने कहा कि जब, अन्य राज्यों में मनरेगा कर्मी स्थाई हो सकते हैं तो झारखंड में भी मनरेगा कर्मी स्थाई होंगे। वार्ता के क्रम में उन्होंने कहा कि यदि आप लोग हड़ताल या रोड पर आंदोलन करेंगे तो हम कतई आपकी मांगों पर विचार नहीं कर सकेंगे। हम झारखंडी हैं और आप सभी हमारे झारखंड के बेटे-भाई हैं। इसलिए आपकी मांगों से हम सहमत हैं। आप सभी की वार्ता विभाग स्तर पर सचिव के साथ 8 जुलाई को हो चुकी है। आप अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ बगैर कोई आंदोलन और हड़ताल किए हमारे कार्यालय प्रकोष्ठ विभाग में आकर वार्ता करें।

मान ली जायेगी बाजिव मांगें : मंत्री ने आश्वासन देते हुए कहा कि आपकी वाजिब मांगों को जल्द ही कैबिनेट से मंजूरी दिलाने का काम किया जाएगा। परंतु किसी भी प्रकार का हड़ताल, आंदोलन करने और सरकार को बदनाम करने की कोशिश करने पर वे किसी भी मांग पर कतई विचार नहीं करेंगे। मंत्री ने वर्तमान में मनरेगा कर्मियों के संघ की ओर से जारी हड़ताल प्रदर्शन से नाराजगी जाहिर की। कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जो वादा आप लोगों से संविदा संवाद के माध्यम से किया है, निश्चित तौर पर यही सरकार आप लोगों से किए गए वादे को नियत समय के अंदर पूरा करने जा रही है। वार्ता में मुख्य रूप से मोहम्मद शाहिद अंसारी, संतोष मिर्धा, पुनीत तिवारी, संतोष बेसरा, दिलीप दास, सिकंदर सिंह, सूरज दुबे, गिरिडीह से केदार दास सहित अन्य कई मनरेगाकर्मी भी उपस्थित थे।

मोरहाबादी में सहायक पुलिसकर्मी और पुलिस दोनों ने डाला डेरा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मांगे पूरी नहीं होने के मामले में मोरहाबादी मैदान सहायक पुलिसकर्मियों ने टेंट लगा दिया है। सहायक पुलिसकर्मियों का कहना है कि जब तक सरकार उनकी मांगों को पूरा नहीं करती हैं, तबतक उनलोगों का आंदोलन जारी रहेगा। हजारों की संख्या में सहायक पुलिसकर्मी बारिश के मौसम में भी आंदोलन पर बैठे हैं। सहायक पुलिसकर्मियों का आक्रामक रूख देखकर रांची जिला पुलिस बल भी मैदान में उन पर नजर रख रहे हैं। इधर, सरकार ने आंदोलन कर रहे सहायक पुलिसकर्मियों का अनुबंध एक साल बढ़ाने, वेतन में 25% की वृद्धि और पुलिस बहाली में आरक्षण देने की बात कही है, लेकिन सहायक पुलिसकर्मियों को यह मंजूर नहीं है।

सहायक पुलिसकर्मियों ने मांगा स्थायी की मांग : सहायक पुलिसकर्मी अपने नौकरी को स्थायी करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि सहायक पुलिसकर्मियों को यह भी कहना है कि वह यह नहीं चाहते हैं कि उन्हें पुलिस के जितना वेतन मिले, लेकिन कम से कम इतना वेतन जरूर मिले जिससे उनका परिवार चल सके। सहायक पुलिसकर्मियों को फिलहाल 10,000 मासिक वेतन मिलता है। इसके अलावा उन्हें पुलिस की तरह कोई भी भत्ता नहीं मिलता है। गौरतलब हो कि सहायक पुलिस कर्मियों की बहाली ही अनुबंध पर हुई थी। इसी शर्त पर उन्हें पुलिस में बहाल किया गया था लेकिन अब सहायक पुलिसकर्मी यह चाहते हैं कि उन्हें अस्थाई किया जाए जो बेहद मुश्किल कार्य है।

84 हजार का कर्णधार बना ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते, झारखंड दूसरे नंबर पर

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की ओर ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत सात साल में 84, 119 बच्चों का कर्णधार बने। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चों को बचाने में झारखंड दूसरे नंबर पर है। यह मिशन विभिन्न भारतीय रेलवे जोनों में पीड़ित बच्चों को बचाने के लिए समर्पित है। पिछले सात वर्षों (2018-मई 2024) के दौरान आरपीएफ ने स्टेशनों और ट्रेनों में खतरे में पड़े या खतरे में पड़ने से 84,119 बच्चों को बचाया है। नन्हे फरिश्ते सिर्फ एक ऑपरेशन से कहीं अधिक है। यह उन हजारों बच्चों के लिए एक जीवन रेखा है जो खुद को अनिश्चित परिस्थितियों में पाते हैं। वर्ष, 2018 से 2024 तक का डेटा, अटूट समर्पण, अनुकूलनशीलता और संघर्ष क्षमता की कहानी दशार्ता है। प्रत्येक बचाव समाज के सबसे असुरक्षित सदस्यों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है।

वर्ष 2018 में हुई थी ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते की शुरूआत

वर्ष 2018 में ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते की महत्वपूर्ण शुरूआत हुई। इस वर्ष, आरपीएफ ने 17,112 पीड़ित बच्चों को बचाया। इनमें लड़के और लड़कियां दोनों शामिल हैं। बचाए गए 17,112 बच्चों में से 13,187 बच्चों की पहचान भागे हुए बच्चों के रूप में की गई।

2105 लापता पाए गए, 1091 बच्चे बिछड़े हुए, 400 बच्चे निराश्रित, 87 अपहृत, 78 मानसिक रूप से विक्षिप्त और 131 बेघर बच्चे पाए गए। वर्ष 2018 में इस तरह की पहल की तत्काल आवश्यकता को उजागर करते हुए ऑपरेशन के लिए एक मजबूत नींव रखी गई। इसमें झारखंड, बिहार, मध्यप्रदेश और बंगाल के अधिकतर बच्चे शामिल हैं।

कब-कब कितने बच्चों को बचाया गया

- वर्ष 2019 के दौरान आरपीएफ के प्रयास लगातार सफल रहे और लड़कों और लड़कियों दोनों सहित 15,932 बच्चों को बचाया गया। बचाए गए 15,932 बच्चों में से 12,708 भागे हुए, 1454 लापता, 1036 बिछड़े हुए, 350 निराश्रित, 56 अपहृत, 123 मानसिक रूप से विक्षिप्त और 171 बेघर बच्चों के रूप में पहचाने गए।
- वर्ष 2020 कोविड महामारी के कारण चुनौतीपूर्ण था, जिसने सामान्य जीवन को बाधित किया और परिचालन पर काफी प्रभाव डाला। इन चुनौतियों के बावजूद आरपीएफ 5,011 बच्चों को बचाने में कामयाब रही।
- वर्ष 2021 के दौरान, आरपीएफ ने अपने बचाव कार्यों में पुनरुत्थान देखा, जिससे 11,907 बच्चों को बचाया गया। इस वर्ष पाए गए और संरक्षित किए गए बच्चों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जिसमें 9601 बच्चों की पहचान भागे हुए के रूप में, 961 लापता के रूप में, 648 बिछड़े हुए, 370 निराश्रित, 78 अपहृत, 82 मानसिक रूप से विकलांग और 123 बेघर बच्चों के रूप में पहचाने गए।
- वर्ष 2023 के दौरान, आरपीएफ 11,794 बच्चों को बचाने में सफल रही। इनमें से 8916 बच्चे घर से भागे हुए थे, 986 लापता थे, 1055 बिछड़े हुए थे, 236 निराश्रित थे, 156 अपहृत थे, 112 मानसिक रूप से विकलांग थे और 237 बेघर बच्चे थे। आरपीएफ ने इन असुरक्षित बच्चों की सुरक्षा और उनकी अच्छी देखभाल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- साल, 2024 के पहले पांच महीनों में आरपीएफ ने 4,607 बच्चों को बचाया है। इसमें 3430 घर से भागे हुए बच्चों को बचाया गया है। शुरूआती रुझान ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण देते हैं। ये संख्या बच्चों के भागने की लगातार जारी समस्या तथा उन्हें अपने माता पिता के पास सुरक्षित पहुंचने के लिए आरपीएफ के किए गए प्रयासों दोनों को दशार्ती हैं।

खबर एक नजर में

भू-माफिया के खिलाफ जारी रहेगा भाजपा का संघर्ष : बाबूलाल

रांची। प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष एवं राज्य के पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भू-माफिया के खिलाफ भाजपा का संघर्ष जारी रहेगा। बाबूलाल ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि रांची के मोरहाबादी मैदान में आदिवासी संगठनों ने भू-माफिया द्वारा आदिवासियों की रैयती जमीनों की लूट के खिलाफ धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया था। उन्होंने बताया कि इस धरना प्रदर्शन में वो भी शामिल हुए। बाबूलाल ने लिखा कि विगत 5 वर्षों के दौरान जेएमएम-कांग्रेस सरकार के संरक्षण में भू माफियाओं और अधिकारियों की मिलीभगत से सीएनटी-एसपीटी एक्ट का उल्लंघन कर सैकड़ों एकड़ आदिवासी जमीन पर कब्जा किया गया है। गरीब आदिवासियों की जमीनों को भू-माफिया के चंगुल से मुक्त कराने तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा। हेमंत सोरेन परिवार ने हाईकोर्ट में 108 जमीन की डीड जमा की है। कांग्रेस शासनकाल में अपनी जमीन से विस्थापित लोगों का पुनर्वास भी हेमंत सोरेन की सरकार नहीं करा पायी है। झूठ और भ्रष्टाचार जेएमएम-कांग्रेस सरकार की पहचान बन चुकी है। ये सरकार सिर्फ अपने परिवार का विकास करने में व्यस्त है। आज झारखंड की जनता खुद को ठगा सा महसूस कर रही है।

सहायक पुसिकर्मियों पर लाठी चार्ज की जदयू ने की निंदा

रांची। सहायक पुलिस कर्मियों की शांतिपूर्वक आंदोलन पर पुलिस प्रसासन ने बर्बरतापूर्वक लाठी चार्ज कर अपनी नियत का खुलासा कर दिया है। इसकी घोर निन्दा करते हुए जदयू के प्रदेश महासचिव संतोष कुमार सोनी ने कहा की एक तो झारखंड में रोजगार नही मिल रहे हैं और बेरोजगार बेहाल हैं। वहीं, ठेका पर कार्यरत सहायक पुलिसकर्मियों की जायज मांगों को मानने के बजाये उन पर झारखंड पुलिस फोर्स द्वारा बर्बर लाठीचार्ज करवा कर पुलिस को पुलिस के खिलाफ सरकार ने खड़ा कर दिया। श्री सोनी ने कहा कि आज की महंगाई में मात्र दस हजार की सैलरी में सहायक पुलिस कर्मी कैसे अपने परिवार सहित गुजारा करते होंगे, उसे समझना कठिन नहीं है। श्री सन्तोष कुमार सोनी ने राज्य के मुखिया हेमन्त सोरेन पर हमला करते हुए उन्हें इंडिया गठबन्धन का कठपुतली मुख्यमंत्री बताया और कहा कि उनके साशन में झारखंडी जनता त्रस्त हो कर पलायन करने को मजबूर हैं और सोरेन राज्य में बालू बेचने में मशगूल है। श्री सोनी ने कहा कि बालू के आभाव में पूरा विकाश कार्य ठप पड़ा है और मजदूर भी भुखमरी के शिकार है। श्री सोनी ने सहायक पुलिसकर्मियों की मांगों का समर्थन करते हुए पुलिस द्वारा पुलिस कर्मियों की पिटाई की घटना को आठवां अजूबा बताते हुए कहा की ऐसी बातें सिर्फ झारखंड राज्य में ही सम्भव हो सकता है।

बिहार के उद्योग मंत्री से मिले रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ

रांची। रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने रविवार को पटना में बिहार सरकार के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा से मुलाकात की। उनसे बिहार झारखंड के कई मुद्दों पर बातचीत हुई। प्रमुख रूप से नामकुम में भारत सरकार द्वारा बनाकर तैयार कराए गए ईएसआईसी अस्पताल के भूमि हस्तांतरण पर चर्चा हुई। नामकुम में 100 करोड़ की लागत से ईएसआईसी का बड़ा अस्पताल भवन बनकर तैयार है। जमीन का हस्तांतरण नहीं हो पाने की वजह से यह अस्पताल चालू नहीं हो पा रहा है। इस अस्पताल के चालू होने से लोगों को स्वास्थ्य से संबंधित कई बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। अस्पताल आरंभ नहीं होने की वजह जमीन का हस्तांतरण नहीं हो पाना है। मूल रूप से अस्पताल के आसपास की जमीन बिहार उद्योग निगम लिमिटेड की है। उक्त जमीन के हस्तांतरण का मामला और इसका समाधान बिहार सरकार के माध्यम से ही होना है। इस निमित्त बिहार सरकार के उद्योग मंत्री श्री नीतीश मिश्रा से रक्षा राज्य मंत्री ने बातचीत किया। बातचीत के बाद केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उनसे जमीन हस्तांतरण करने के लिए आवश्यक कार्रवाई और निर्देश देने से संबंधित सकारात्मक बातचीत हुई। बिहार के उद्योग मंत्री ने कहा कि बहुत जल्द हस्तांतरण का यह कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। जमीन का हस्तांतरण होने के साथ ही रांची के लोगों के लिए एक और अस्पताल तैयार हो जाएगा। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

चौकीदार-दफादार 29 को विधानसभा का करेंगे घेराव

रांची। झारखंड राज्य दफादार-चौकीदार पंचायत का राजभवन के पास बेमियादी धरना कार्यक्रम रविवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। धरनास्थल पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए संगठन के अध्यक्ष कृष्ण दयाल सिंह ने कहा कि राज्य सरकार से सेवा विमुक्त किए गए चौकीदारों का फिर से योगदान लेने एवं परिजनों को अनुकंपा के आधार पर काम देने की मांग की जा रही है। इसके बावजूद सरकार की ओर से दफादार एवं चौकीदार की जायज मांग पर सरकार के स्तर से विचार नहीं किया गया है। इसी मसले को लेकर 29 जुलाई को झारखंड विधानसभा का घेराव कर प्रदर्शन किया जाएगा। संगठन की ओर से सरकार से वर्ष 1989 में रिटायर चौकीदार-दफादार के परिवार वालों एवं आश्रित को नियुक्त करने, 13 माह का वेतन देने, रिक्त पदों पर निकाले गए विज्ञापन को रद्द करने, सौ से 120 आवासीय घर पर बीट सृजित करने, अनुकंपा के आधार पर आश्रित में पोता-नाती को जोड़ने एवं बाल पुलिस की तरह ही बाल चौकीदार की नियुक्ति की मांग की जा रही है।

मुक्ति संस्था ने 34 लावारिस शवों का किया सामूहिक दाह संस्कार

रांची। मुक्ति संस्था ने रविवार को जुमार नदी तट पर 34 लावारिस शवों का सामूहिक रूप से अंतिम संस्कार किया। संस्था के सदस्यों ने दाह संस्कार से पूर्व मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। फिर सभी शवों को मुखाग्नि दी। इस बीच बारिश भी जोरदार हुई। नौ सालों से लवारिश शवों का अंतिम संस्कार कर रही संस्था कई दिनों से इन शवों के दाह संस्कार की तैयारी कर रही थी। रिम्स में कानूनी औपचारिकता पूरी करने के बाद मोर्चरी में पड़े सभी शवों को ट्रैक्टर से जुमार नदी तट पर लाया गया। इनमें से कई शव गल गये थे।

आज से अनिश्तिकालीन हड़ताल पर रहेंगे राज्य के समाहरणालयकर्मी

रांची। राज्य के विविभन्न समाहरणालय में कार्यरत कर्मियों की सेवा निवृत्ति उम्र सीमा 60 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष की जाए समेत विभिन्न मांगों को लेकर राज्यभर के समाहरणालयकर्मी सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे। यह जानकारी अभिषेक कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि समाहरणालय कर्मी अपनी नौ सूत्री मांगों को लेकर बीते कई दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। आंदोलन के क्रम में उन्होंने काला बिल्ला लगाकर विरोध जताया और पेन डाउन विरोध भी किया। इसके बाद कैंडल मार्च निकालक हड़ताल पर जाने की घोषणा क दी।

उन्होंने बताया कि समाहरणालय संवर्ग के कर्मियों को झारखंड प्रशासनिक सेवा की 25 प्रतिशत मूल कोटि के लिए उपसमाहर्ता सीमित प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल होने के लिए निर्धारित शर्त यथा-4200 का ग्रेड वेतन तथा समय/उम्र सीमा आदि को समाप्त करते हुए समाहरणालय संवर्ग के सभी लिपिकीय कर्मियों के लिए अनुमान्य किया जाये। उपसमाहर्ता सीमित प्रतियोगिता परीक्षा में समाहरणालय संवर्ग के लिपिकों के लिए 50 प्रतिशत सीट सुरक्षित की जाये। आंदोलन में अभय प्रभाकर तिर्की (जिला अध्यक्ष), जसीम अख्तर, मेरी ग्रेस टोप्पो, शिलवन्ति शान्ति एक्का, धर्मेन्द्र उरांव, प्रणेश मिंज, अमित कुमार गुप्ता, विकास दुबे आदि प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं।

झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ की मांगें : निम्नवर्गीय लिपिक के ग्रेड वेतन को 1900 से बढ़ाकर 2400, उच्चवगीय लिपिक का ग्रेड वेतन-4200, प्रधान लिपिक का ग्रेड वेतन-4600, कार्यालय अधीक्षक का ग्रेड वेतन-4800 व प्रशासी अधिकारी का ग्रेड वेतन-5400 किया जाये। अविलंब पद सृजन की कार्रवाई की जाये। निम्नवर्गीय लिपिक से उच्चवर्गीय लिपिक के लिए प्रोन्नति निर्धारित कालावधि 08 वर्ष से घटाकर 04 वर्ष किया जाए और अन्य उच्चतर पदों के लिए प्रोन्नति के मामले में कालावधि में पचास प्रतिशत की छूट दी जाये। पद रिक्त नहीं रहने की स्थिति में एमएसीपी के माध्यम से पदक्रम के अनुसार वेतनमान का लाभ दिया जाये।

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक
खबर मन्त्र
रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net सावन, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा, संवत् 2081 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 12

गणेश वंदना के साथ श्रावणी महोत्सव शुरू

तड़के 3 बजे से सरकारी पूजा के बाद सबके लिए पट खोल दिया जायेगा पहाड़ी बाबा का पट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पहाड़ी मंदिर विकाश समिति के तत्वावधान में रविवार को श्रावणी महोत्सव की शुरूआत गणेश वंदना से की गई। जहाँ शिव-पार्वती के जीवंत स्वरूप को दशार्या गया, डांस झारखंड के कलाकारों के द्वारा शिव तांडव किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राँची उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा, राँची नगर निगम प्रशाशक अमित कुमार, राँची एसएसपी चंदन सिन्हा, सदर अनुमण्डल प्राधिकारी उत्कर्ष कुमार, महाधिवक्ता झारखंड राजीव रंजन, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री सुबोधकांत सहाय, प्रदेश कॉंग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड अध्यक्ष जय शंकर पाठक, राँची विधायक सी पी सिंह, गौ सेवा आयोग अध्यक्ष राजीव रंजन, नमन ठाकुर मौजूद थे। सावन महोत्सव की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष एनएन पांडेय ने किया और संचालन सचिव राकेश सिन्हा के द्वारा किया गया। आयोजन में मुख्य रूप से समिति के उपाध्यक्ष कुमार राजा, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार, वित्त प्रभारी राजेश साहू, प्रवक्ता बादल सिंह, अरुण वर्मा, रंजीत विहारी, अजय श्रीवास्तव, अजय सिंह, राजेंद्र सिंह, गगन कुमार, प्रेम वर्मा, राज कुमार तलेजा, दीपक नन्दा, अमन सिंह, मंदिर के पुजारी पिंटू बाबा, मनोज मिश्रा का योगदान रहा।

समिति के प्रवक्ता बादल सिंह ने बतया कि 75 वर्ष बाद ऐसा संयोग बन रहा हैं जब सावन की शुरूआत और अंत सोमवार को होगा। प्रातः 3 बजे सरकारी पुजा के उपरांत भक्तो के लिए पट खोल दिया जाएगा । सुबह सरकारी पूजा में मुख्य रूप से राँची उपायुक्त राहुल सिन्हा ,डीडीसी दिनेश यादव, उत्कर्ष कुमार, समिति के अध्यक्ष एन एन पांडेय , प्रवक्ता बादल सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे ।

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा से 10 बंदी हुए रिहा

रांची। बिरसा मुण्डा केन्द्रीय कारा होटवार में रविवार को जेल अदालत-सह-विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन कमलेश बेहरा डालसा सचिव की अध्यक्षता में किया गया। विभिन्न माननीय न्यायालयों में लंबित वाद निष्पादन के निमित बिरसा मुण्डा केन्द्रीय कारा में संसीमित 10 बंदियों का आवेदन जेल अदालत हेतु समर्पित किया गया था। 8 वादो का निस्पादन करते हुए 10 बंदियों को दोष स्वीकार के उपरांत जेल अदालत का लाभ देते हुए कारा से मुक्त किया गया । इस अवसर पर मनोज कुमार इंदरवार, न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, राँची, विजय कुमार यादव, रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी, रांची, कविता खती एवं स्वीकृति विनया एलएडीसी अधिवक्ता-सह-जेल भिजिटर अधिवक्ता, न्यायालयकर्मी तथा बंदीगण उपस्थित थें।

तपोमय व ज्ञाननिष्ठ भारतीय संस्कृति का सशक्त और पुरातन प्रतीक है भगवा ध्वज : डॉ बिरेंद्र

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बाल्मीकि नगर इकाई ने गुरु पूर्णिमा के मौके पर श्री श्री पंचदेव मंदिर बड़गाई के प्रांगण में गुरु पूजन कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। इस अवसर पर डॉ बिरेन्द्र साहू ने कहा कि महर्षि वेदव्यास का जन्म के दिन अर्थात आषाढ़ पूर्णिमा में हुआ था, जिन्होंने वेद एवं पुराणों का रचना की थी। इसे हम महर्षि वेदव्यास जयंती के साथ गुरु पूर्णिमा के रूप में मानते हैं। उन्होंने कहा कि भारतभूमि के कण-कण में चैतन्य स्पंदन विद्यमान है। सनातनी पर्वों, त्योहारों और संस्कारों की जीवंत परम्पराएं इसको प्राणवान बनाती हैं। भारत की सनातन संस्कृति में गुरु को चैतन्य भाव जागरण का केंद्र माना गया है। गुरु को व्यक्ति नहीं अपितु विचार की संज्ञा दी गई है।

गुरु स्वयं में पूर्ण होते हैं जो अपने शिष्यों को पूर्णता का बोध करवाते हैं। गुरु ही हमारे अंतकरण में संस्कारों का परिशोधन, गुणों का संवर्द्धन एवं दुर्भावनाओं का विनाश करके हमारे जीवन को सुमार्ग पर ले जाते हैं। जो ज्ञानी हो, ब्रश का ज्ञाता हो, आचरण से श्रेष्ठ हो तथा अपनी शरण में आये शिष्य को स्वयं के समान सामर्थ्यवान बनाने की क्षमता रखता हो, वही गुरु है। साथ ही उन्होंने कहा कि तपोमय व ज्ञाननिष्ठ भारतीय संस्कृति का सशक्त व पुरातन प्रतीक है भगवा ध्वज। इस अवसर पर हनुमान क्लब, बड़ागाईं के अध्यक्ष राजेश साहु, मनीष साहू, सतीश कुमार, प्रेम कुमार, प्रकाश साहू, गुड्डु कुमार, मनीष कुमार, प्रिंस कुमार,रिशु कुमार सहित कई स्वयंसेवक उपस्थित थे।

सीट शेयरिंग पर स्वाभिमान से कोई समझौता नहीं करेगा राजद

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड में लालू प्रसाद की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल, झामुमो और कांग्रेस के साथ महागठबंधन में है। हेमंत सोरेन सरकार 3.0 में भी पार्टी के एकमात्र विधायक सत्यानंद भोक्ता बतौर श्रम मंत्री शामिल हैं। इसके बावजूद गाहे-बगाहे राजद के नेता ऐसे बयान दे देते हैं। जिससे विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में इंडिया ब्लॉक और महागठबंधन के बिखरने के कयास लगने लगते हैं। मामला राष्ट्रीय युवा जनता दल के झारखंड प्रदेश प्रभारी राजीव झा के उस बयान का है। जिसमें उन्होंने कहा है कि सीट शेयरिंग का क्या फॉमूर्ला होगा यह हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद और नेता प्रतिपक्ष बिहार तेजस्वी यादव तय करेंगे लेकिन इतना भरोसा हम दिलाते हैं कि इस बार राष्ट्रीय जनता दल अपने सेल्फ रेस्पेक्ट (स्वाभिमान) से समझौता नहीं करेगा। युवा राजद के झारखंड प्रदेश प्रभारी राजीव झा ने कहा कि हमारे वरिष्ठ नेता झारखंड विधानसभा चुनाव में सीट को लेकर उचित प्लेटफार्म पर बात कर रहे हैं। युवा राजद के प्रदेश प्रभारी ने कहा कि सिर्फ सत्ता पाना राजद के लक्ष्य नहीं है। यही वजह है कि मणिपुर, उत्तर प्रदेश में भी हमने फिरकापरस्त ताकतों को रोकने के लिए चुनाव नहीं लड़ा। लेकिन झारखंड में वह फिर एक बार कह रहे हैं कि राजद सेल्फ रिस्पेक्ट से समझौता नहीं करेगा, नहीं करेगा, नहीं करेगा। उत्तर प्रदेश में दुकानदार का नाम उजागर करने के आदेश और मंत्री गिरिराज सिंह के बयान को राजीव झा ने मूल मुद्दा से भटकाने वाला बयान करार दिया।

हर बूथ पर 10 यूथ उतारें : रंजन यादव : युवा राजद के प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में युवा राजद के सभी जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी, नगर और महानगर के युवा राजद पदाधिकारी ने शिरकत की। कार्यकारिणी की बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव के बेहद नजदीक आ जाने का जिक्र करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव ने कहा कि हर बूथ तक अपनी पहुंच बनाएं और यह सुनिश्चित करें कि हर बूथ पर कम से कम 10 यूथ जरूर हों। रंजन यादव ने प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में भाग लेने आये पदाधिकरियों से कहा कि जनसरोकार के मुद्दे पर वह जनता से जुड़ें, उनकी समस्याओं को दूर करने की कोशिश करें, अगर प्रखंड और जिला स्तर पर समस्याएं नहीं दूर होती है।

दिव्यांग बच्चों एवं बुजुर्गों के बीच केक काट कर जन्मदिन मनाया

खबर मन्त्र संवाददात

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के जन्मदिन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर एवं प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने रांची के चेशायर होम में दिव्यांग बच्चों एवं बुजुर्गों के बीच केक काट कर जन्मदिन मनाया। मल्लिकार्जुन खड़गे के लंबी उम्र की कामना की। इस अवसर पर राजेश ठाकुर ने कहा कि खड़गे एक मिल मजूदर के पुत्र थे, जो छात्र जीवन में दीवारों पर गांधी और अंबेडकर के विचार लिखते थे।

आज वो देश की राजनीति के रोल मॉडल है। आज कांग्रेस पार्टी उनके दीर्घकालिक राजनीतिक अनुभवों का लाभ लेकर निरंतर आगे बढ़ रही है। ठाकुर ने कहा मल्लिकार्जुन खरगे जी इतना शांत और सुलझे हुए क्यों है,तो इन्हीं के अतीत से इसका उत्तर मिल जाता है। खड़गे का पूरा बचपन बेहद दर्द और पीड़ा में गुजरा है, उनकी जवानी अभाव और संघर्षों में रही, मगर खरगे जी ने कभी हार नहीं मानी, परिस्थितियां चाहे जैसी हो, उन्होंने साहसपूर्वक लड़ा। साल 1947 में एक तरफ देश आजादी का जश्न मना रहा था, दूसरी तरफ 5 साल के खरगे जी का बचपन तबाह हो रहा था। निजाम के सैनिकों ने खरगे जी की मां और बहन को उनकी आंखो के सामने जला दिया था। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मार्केटिंग बोर्ड के अध्यक्ष रविंद्र सिंह, प्रदेश कांग्रेस महासचिव विनय सिन्हा दीपू, झारखंड धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष जयशंकर पाठक, रांची महानगर कांग्रेस अध्यक्ष कुमार राजा, जिला अध्यक्ष राकेश किरण महतो, प्रदेश कांग्रेस सचिव रमाकांत आनंद, सूर्यकांत शुक्ला, युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ अग्रवाल, रांची महानगर युवा कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव सिंह एवं अंकित उपस्थित थे।

रिम्स मेडिसिन ओपीडी में आज डॉ विद्यापति देंगे परामर्श

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रिम्स के मेडिसिन वार्ड में सोमवार को डॉ विद्यापति मरीजों को परामर्श देंगे। वहीं सर्जरी में डॉ शीतल मलुआ, ऑर्थो में डॉ विनय प्रभात, न्यूरो सर्जरी में डॉ आनंद प्रकाश, ईएनटी में डॉ आरके चौधरी, आई में डॉ आरके गुप्ता और न्यूरोलॉजी में डॉ सुरेंद्र मरीजों को परामर्श देंगे।

भाकपा माओवादी नक्सलियों ने 25 जुलाई को झारखंड-बिहार बंद बुलाया

रांची। भाकपा माओवादी नक्सलियों ने 25 जुलाई को झारखंड-बिहार बंद बुलाया है। एक करोड़ के इनामी नक्सली नेता विवेक की पत्नी जया की गिरफ्तारी के विरोध में नक्लसियों ने बंद का ऐलान किया है। भाकपा माओवादियों के बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी के प्रवक्ता आजाद ने बंद की घोषणा की है। गौरतलब है कि बीते दिनों में गिरिडीह पुलिस ने धनबाद में कैंसर का इलाज करवा रही महिला नक्सली जया समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया था।

गुरु पूर्णिमा उत्सव श्रद्धा एवम भक्ति के साथ आयोजित किया गया

रांची। अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मन्दिर में रविवार को गुरु पूर्णिमा उत्सव श्रद्धा एवम भक्ति के साथ आयोजित किया गया । मन्दिर में रजत सिंहासन पर विराजमान सदगुरु काशीराम शर्मा की प्रतिमा का भव्य श्रृंगार किया गया। प्रातः 8:30 बजे श्री श्याम मण्डल के सदस्यों द्वारा गणेश वन्दना किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ओम जोशी, रमेश सारस्वत, अभिषेक डालमिया का सहयोग रहा।

खबर एक नजर में

हरिमती मंदिर दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बने सुप्रियो भप्ताचार्य

रांची। लालपुर वर्दवान कंपाउंड स्थित हरिमति मंदिर दुर्गोत्सव कमेटी की बैठक रविवार को हुई। बैठक में पिछले एक साल का आय-व्यय प्रस्तुत किया गया। बैठक में इस साल की दुर्गा पूजा को भव्य रूप से मानने का प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही बैठक में नई कमेटी का गठन किया गया, जिसमें सुप्रियो भप्ताचार्य को सर्वसम्मति से अध्यक्ष बनाया गया। सचिव के लिए दो प्रत्याशी बिरेन चक्रवर्ती और मानव घोष दस्तीदार के बीच चुनाव हुआ, जिसमें बिरेन चक्रवर्ती को जीत हासिल हुई। साथ ही उपाध्यक्ष विजय चौधरी, केपी साहू, अनिल जायसवाल और प्रदीप विश्वास को बनाया गया। संयुक्त सचिव अतुल दोलाई, नवीन अग्रवाल, चिरंजीत पाल, सहायक सचिव विशाल अग्रवाल, विशाल चौधरी, विश्वजीत बिस्वास, आर्को बोस, कोषाध्यक्ष गौरव घोष दस्तीदार और सह कोषाध्यक्ष संजीव बोस के साथ 11 कार्यकारिणी सदस्य का गठन किया गया।

जीवन को साधने का स्वर्णिम समय चातुर्मास होता है- लय स्मिता श्रीजी

रांची। डोरंडा श्वेतांबर जैन मंदिर में चार माह तक चलने वाले कार्यक्रम की शुरूआत रविवार को की गई। इस अवसर पर पूज्य लय स्मिता श्रीजी ने कहा कि सावन, भाद्रपद और कार्तिक इन चार माह में चातुर्मास होता है। हिन्दु कलैण्डर के अनुसार ये माह वर्षा काल के माने जाते है। इन दिनो अधिक वर्षा होने से जीव की उत्पत्ती अधिक होती है,ऐसे में उन जीवो की हिंसा न हो जाए, इस भाव से चातुर्मास इन चार माह मे ही होता है। चार्तु ?मास दो किनारो को जोडने का काम करता है। धर्म रूपी रथ को चलाने के लिए दो पहिए है, एक श्रावक और दुसरा संत । इन दोनो को एक दुसरे से जोडने का काम करता है । जीवन को साधने का स्वर्णिम समय चातुर्मास होता है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संपत लाल रामपुरिया ,धर्मचंद भंसाली सुभाष चंद्र बोथरा ,पूनम चंद्र भंसाली विनय नाहटा ,राजकुमार रामपुरिया बालवीर जैन,राकेश बछावत,आनंद गोठी सहित अन्य सदस्यों ने अपना योगदान दिया। यह जानकारी रोहित शारदा ने दी।

गुरु -शिष्य परंपरा के अनुसार गुरू पूजन का आयोजन

रांची। रविवार को श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर(तिरुपति बालाजी) मंदिर में आषाढ़ शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा के मौके पर धार्मिक अनुष्ठान हुआ। प्रथम चरण में पुराण पुरुषोत्तम भगवान् श्रीमन्नारायण का प्रातः वन्दन ,नित्याराधन , षोडषोपचार पूजा हुआ। फिर छत्र,चंवर, दर्पण, तिरूमाल बप्तम आदि उपचार के बाद नैवेद्य,महाआरती और महास्तुति की गयी। इसके बाद प्रातः से सद्गुरूदेव की भावनात्मक रूप से मानसिक पूजा फिर मंदिर संचालन समिति की कार्यकारी अध्यक्ष राम अवतार नारसरिया के हाथो संकल्प कराकर वाचिक और कायिक पूजा की गई। मौके पर पंडित श्यामानंद झा, सत्यनारायण गौतम ,गोपेश आचार्य और नारायण दास ने गुरु पूजन कराया।

विधि-व्यवस्था संधारण के लिए डीसी-एसएसपी ने जारी किये आदेश

रांची। श्रावणी मेला के दौरान पहाड़ी मंदिर रांची में विधि व्यवस्था-संधारण को लेकर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची का संयुक्तादेश जारी किया गया है। पूरे श्रावण माह के लिए (19.8.2024 तक) विधि-व्यवस्था संधारण करे लेकर दंडाधिकारी/पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की पालीवार प्रतिनियुक्ति की गई है। पहाड़ी मंदिर परिसर में श्रावणी मेला के सभी दिवस के लिए कुल 44 स्थानों पर प्रातः 3:00 से भीड़ समाप्ति के लिए दंडाधिकारी/पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके अलावा श्रावण माह के प्रत्येक रविवार की रात्रि से सोमवार तक एवं श्रावण पूर्णिमा के लिए (दिनांक 22 एवं 29 जुलाई, 5, 12 और 19 अगस्त 2024) मंदिर परिसर एवं शहर के महत्वपूर्ण स्थानों पर भी पालीवार दंडाधिकारी/पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है।

ट्रेन से 20 लाख का गांजा बरामद, दो तस्कर भी गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड में गांजा तस्करी पर लगाम लगाने के लिये पुलिस ने कमर कस ली है। ऐसे में अब तस्कर रेल मार्ग से गांजा तस्करी कर रहे हैं। गांजा तस्करों पर लगाम लगाने के लिए रेलवे स्टेशन पर जीआरपी और आरपीएफ की टीमें भी पूरी तरह सतर्क हैं। सतर्कता के चलते रांची के हटिया रेलवे स्टेशन से 20 लाख रुपये का गांजा बरामद करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

20 लाख रुपये का गांजा बरामद : रांची डिवीजन के सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर आरपीएफ स्टेशनों और ट्रेनों में विशेष सतर्कता बरत रही है। इसी क्रम में रविवार को आरपीएफ हटिया सब इंस्पेक्टर सूरज राजबंशी अपने अन्य बल के साथ चेकिंग कर रहे थे, इसी दौरान प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर दो व्यक्ति भारी बैग के साथ संदिग्ध हालत में बैठे मिले। फिर ऑपरेशन नार्कोस के तहत दोनों से पूछताछ शुरू की गई. शक होने पर जब दोनों के पास मौजूद बैग की तलाशी ली गई तो उसमें से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। गांजा बरामद होने के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों का नाम विनोद राम और दशरथ है, दोनों बिहार के चंपारण के रहने वाले हैं।

ओड़िशा से यूपी-बिहार ले जाते थे गांजा : आरपीएफ द्वारा पूछताछ के दौरान दोनों तस्करों ने खुलासा किया है कि वे ओड़िशा से गांजा खरीदकर यूपी और बिहार ले जाते थे। वे गांजे के छोटे-छोटे पैकेट बनाकर बिहार और यूपी में बेचा करते थे।

आइवा ने गोंदा डैम परिसर में लगाये 200 पौधे

रांची। गोंदा जलाशय को प्रदूषण से बचाने और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन (आइवा) के रांची चैप्टर ने जलाशय के निकट 200 पौधे लगाये। साथ ही पौधों की सुरक्षा का संकल्प भी लिया। यह जानकारी आइवा के मानद सचिव अभियंता प्रमोद भप्त ने दी है। उन्होंने बताया कि वृक्षारोपण पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पूर्व अभियंता प्रमुख शरदेंदु नारायण के नेतृत्व मे वृक्ष लगाया गया। उमेश मेहता अध्यक्ष, प्रमोद कुमार सचिव, शारदेदु नारायण, पी सी चौधरी, नविन परमार, रामाधिन प्रसाद, हिरा लाल प्रसाद, सतीश प्रसाद, प्रभु शंकर राम, पी एन सिंह, उमेश सिंह शंकर दास, अनिल जहां अजय यादव एवं डीडी शर्मा द्वारा वृक्ष लगाया गया।

जेल अधीक्षक के घर गोलीबारी की साजिश के बाद अपराधी अमन साहू चाईबासा जेल शिफ्ट

रांची। गिरिडीह जेल में बंद अमन साहू को रविवार को चाईबासा जेल में शिफ्ट किया गया। अमन साहू को बीते 20 जून को पलामू जेल से गिरिडीह जेल में शिफ्ट किया गया था। जिसके बाद अमन साहू ने जेल में विशेष सुविधा नहीं मिलने को लेकर जेल अधीक्षक के घर पर गोलीबारी की साजिश रची थी। हालांकि इस मामले में घटना को अंजाम देने से पहले एटीएस ने अमन साहू गिरोह के चार अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। गोपनीय तरीके से रविवार सुबह 4 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच अमन साहू को चाईबासा जेल में शिफ्ट किया गया। जेल में बंद अपराधी अमन साहू को पिछले ढाई साल में नौ बार एक जेल से दूसरे जेल में शिफ्ट किया गया। इसके बाद भी उसका आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है। अमन साहू जेल से ही अलग-अलग जिलों के कारोबारियों को लगातार धमकी देने और रंगदारी वसूलने का काम करता रहा है। दो महीने पहले अमन साहू ने हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को बंदी पत्र लिखकर दावा किया था कि उसकी हत्या की साजिश रची जा रही है।

मुस्लिम समाज के विकास को लेकर परिचर्चा का आयोजन, 35 सुत्री प्रस्ताव पारित

रांची। मुस्लिम समुदाय के न्याय, अधिकार, शिक्षा, रोजगार, उर्दू एवं मदरसों से जुड़े मामलों को लेकर रविवार को संयुक्त मुस्लिम संगठन के बैनर तले राज्य स्तरीय परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें झारखंड के विभिन्न जिलों से समाजिक एवं धार्मिक संगठन के प्रतिनिधि शामिल हुए। परिचर्चा की अध्यक्षता इदार ए शरिया के नाजिम ए आला कुतुबुद्दीन रिजवी ने सरकार को आखिरी आगाह करते कहां कि मुस्लिम समुदाय के मसलों को जल्द से जल्द निदान हो। हाईकोर्ट के महाधिवक्ता मोख्तार खान ने कहा कि सरकार के लिए शर्म कि बात है कि झारखंड आंदोलन में शामिल मुस्लिम समुदाय 24 वर्षों से हक अधिकार के लिए संघर्ष कर रहा है। कार्यक्रम में आमया संगठन के अध्यक्ष एस अली ने कहा कि मॉबलींचिग विधेयक में संशोधन कर लागू किया जाए एवं पीड़ित परिवार को मुवाआज दिये जाए।

आरपीएफ जवान ने बचाई युवक की जान, चलती ट्रेन से उतरने के दौरान गिरा

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवान की सतर्कता से एक युवक की जान बच गई है। युवक चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश कर रहा था। इसी क्रम में वह गेट पर फंस गिर गया। उसका शरीर का हिस्सा प्लेटफॉर्म पर था। युवक को देखते ही रांची रेलवे स्टेशन पर तैनात आरपीएफ जवान ने उसकी तरफ दौड़ लगाई और काफी हिम्मत के साथ उसकी जान बचाई। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। यह घटना शनिवार की रात हुई है। जब संख्या 18602 हटिया टाटानगर पैसेंजर के रांची स्टेशन से खुलते ही एक युवक ट्रेन से उतरने की कोशिश में प्लेटफॉर्म पर गिर पड़ा, उसी वक़्त ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ के जवान शशि कुमार ने ऑपरेशन जीवन रक्षा के अनुसार उस युवक को अपनी ओर खींचकर उसकी जान बचायी।

अमरावती कॉलोनी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

रांची। राजधानी रांची के अमरावती कॉलोनी में रविवार के दिन झारखंड स्वास्थ्य मिशन संस्था के बैनर तले समाजसेवी प्रशांत गौरव, रांची महानगर कांग्रेस के मंडल अध्यक्ष मोहम्मद मुजीब एवं संतोष सोनी द्वारा साझा रूप से आम जनों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। उद्घाटन झारखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि भूषण राय ने किया। स्वास्थ शिविर में ब्लड शुगर, बीपी ,नेत्र , वजन जांच,स्पीच एवं श्रव्यता की जांच की गई। जिसका लाभ क्षेत्र के 200 से अधिक आमजनों ने लिया। इस दौरान सर्वप्रथम इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर उद्घाटन करते हुए श्री राय ने आयोजनकर्ता समाजसेवी प्रशांत गौरव, संतोष सोनी, मोहम्मद मुजीब और पारस हॉस्पिटल से आए डॉक्टरों की टीम को बधाई दी।

गुरु समाज का पथ प्रदर्शक होता है : डॉ शैलेश मिश्र

डीएसपीएमयू के संस्कृत विभाग में गुरु पूर्णिमा-सह-व्यास जयन्ती समारोह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजकीय संस्कृत महाविद्यालय के वरीय शिक्षक डॉ शैलेश कुमार मिश्र ने रविवार को कहा कि गुरु पूर्णिमा-सह-व्यास पूर्णिमा भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो हमें गुरु के महत्त्व और उनके प्रति सम्मान की याद दिलाता है। यह पर्व हमें शिक्षा, ज्ञान और नैतिकता के महत्व को भी समझाता है। गुरु का स्थान समाज में सर्वोपरि है और उनके प्रति सम्मान और श्रद्धा प्रकट करना हमारा कर्तव्य है। डॉ मिश्र रविवार को डीएसपीएमयू के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित गुरु पूर्णिमा-सह-व्यास जयन्ती के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। डॉ मिश्र ने कहा कि गुरु समाज का पथ प्रदर्शक होता है । महर्षि वेद व्यास के योगदान की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की साधना वेदव्यास के बताए गये मार्ग पर ही चलकर हो सकती है। उन्होंने बताया कि अर्थ और काम की साधना धर्मपूर्वक करने की शिक्षा महर्षि वेदव्यास ने दी है। महर्षि वेदव्यास भारतीय संस्कृति के प्रवक्ता हैं। उनके द्वारा रचित महाभारत और पुराण भारतीय संस्कृति के धरोहर हैं। शिक्षा के उद्देश्य की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा का सबसे महत्त्वपूर्ण उद्देश्य चरित्र निर्माण है। गुरु की यह कामना होती है की शिष्य प्रगति के चरमोत्कर्ष पर पहुंचे। विद्यार्थियों की पाणि व वाणी में पौरुष होना चाहिए। व्यावहारिक ज्ञान की प्राप्ति में गुरु का महत्त्वपूर्ण योग\दान है। डॉ मिश्र ने कहा कि भारतीय जीवन मूल्यों, परम्पराओं और संस्कारों का आश्रय लेकर संकटों से छुटकारा पाया जा सकता है।

गुरु में गुरुत्व होना चाहिए : द्विवेदी

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीएसपीएमयू के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ धनंजय वासुदेव द्विवेदी ने संस्कृत वाङ्मय के विकास में महर्षि वेदव्यास के योगदान के पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरु में गुरुत्व होना चाहिए। समाज और राष्ट्र के निर्माण में गुरु और शिष्य की महती भूमिका है, इसलिए उन्हें अपने दायित्व का निर्वहन सम्यक रूप से करना चाहिए।

सेंट जेवियर्स कॉलेज में एक पेड़ मां के नाम थीम के तहत किया गया पौधारोपण

रांची। गुरु पूर्णिमा और चल रहे वन महोत्सव के मौके पर, इको टास्क फोर्स, जूलॉजी विभाग, सेमेस्टर 2 के छात्र, सेंट जेवियर्स कॉलेज ने भारतीय सेना 2/5, गोरखा राइफल के सहयोग से प्रधानमंत्री की पहल 'एक पेड़ मां के नाम' बैनर तले वृक्षारोपण अभियान रविवार को चलाया गया। इस कार्यक्रम को नामकुम छावनी के ओटीएम आवास क्षेत्र में पौधारोपण किया गया । गोरखा राइफल के सदस्यों ने अपने परिवारों के साथ इस अभियान में बड़े उत्साह और भावना के साथ भाग लिया। फलदार एवं फूलदार पौधों के कुल 100 पौधे लगाए गए।

जूनियर ईस्ट जोन हॉकी चैंपियनशिप में झारखंड की महिला टीम चैंपियन

रांची। 14 से 21 जुलाई 2024 तक पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आयोजित दूसरी हॉकी इंडिया ईस्ट जोन जूनियर राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में झारखंड महिला टीम चैंपियन बनी। वहीं झारखंड पुरुष टीम उपविजेता बनी. झारखंड महिला टीम रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में मेजबान प्त्रिम बंगाल को पेनाल्टी शूटआउट में 4-3 से मात देकर चैंपियन बनी। मैदानी खेल में निर्धारित समय तक दोनों टीम 1- 1 गोल की बराबरी पर रही, जिसके बाद पेनाल्टी शूटआउट में झारखंड टीम ने बाजी मार ली। वहीं झारखंड पुरुष टीम का फाइनल मुकाबला ओड़िशा के साथ हुआ।

सुप्रभात
रांची, सोमवार
22.07.2024
नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक
खबर मन्त्र
रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net सावन, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा, संवत् 2081 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 12
08 देवों के देव महादेव

विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला शुरू
एक माह तक गूंजेगा बोलबम-बोलबम, उदघाटन कर मंत्रियों ने कहा- ऐसी व्यवस्था करें, झारखंड की अच्छी बनी रहे

खबर मन्त्र टीम

देवघर, दुमका। एक माह तक चलनेवाला विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला की औपचारिक शुरूआत हो गयी। प्रदेश के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथलेश ठाकुर और मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने दुम्मा गेट पर रविवार को संयुक्त रूप से गुरु पूर्णिमा के अवसर पर रविवार को राजकीय श्रावणी मेला 2024 का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अन्य धार्मिक जगह की तरह बाबा बैद्यनाथ में भी कॉरिडोर बनाने की योजना बनायी है। वहीं बाबा धाम के बाद दुमका स्थित बासुकीनाथ धाम में राजकीय श्रावणी मेले मिथिलेश ठाकुर ने उद्घाटन किया। उदघाटन के बाद श्री ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से कांवरियों की सुविधा और सुरक्षा की सभी तैयारी पूरी कर ली गयी है। उन्होंने कहा कि पिछले साल करीब 55 लाख श्रद्धालु जलाभिषेक करने पहुंचे थे। इस बार की तैयारियों के अनुसार करीब 75 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। दोनों मंत्रियों ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन के निर्देश का मेला ड्यूटी में लगे अधिकारी अक्षरशः पालन करते हुए भक्तों की सेवा में तत्पर रहें। जो भी भक्त श्रावणी मेले में जलार्पण करने आयें, उन्हें किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं हो, उन्हें पर्याप्त सुविधा मिले, वे शांतिपूर्वक और सुगम तरीके से गंगाजल शिवलिंग पर चढ़ाकर एक अच्छे अनुभव के साथ अपने घर लौटे, हमारी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है।

कांवरियों को हर सुविधा दें : दीपिका सिंह पांडेय ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि लाखों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को बाबा धाम में किसी तरह की परेशानी न हो इसका विशेष ध्यान रखें। अधिकारी जिस तरह से श्रद्धालुओं के साथ व्यवहार करेंगे, वैसी ही छवि पूरे झारखंड की बनेगी। झारखंड ही नहीं बल्कि बिहार, पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों तथा नेपाल भी लोग जलाभिषेक करने आते हैं। ऐसे में जरूरी है कि जिला प्रशासन के लोग श्रद्धालुओं के साथ अच्छा व्यवहार करें ताकि पूरे देश में झारखंड की छवि अच्छी बन सके।

(शेष पेज 11 पर)

इस बार पांच सोमवार

22 जुलाई से शुरू श्रावणी मेला 19 अगस्त तक चलेगा। खास बात ये है कि इस बार के सावन में पांच सोमवार पड़ रहे हैं। ज्योतिष के दृष्टिकोण से यह काफी शुभ माना जाता है।

स्पर्श-पूजा को उमड़े श्रद्धालु

बाबा मंदिर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर स्पर्श-पूजा के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़े। सोमवार से बाबा मंदिर में आम भक्तों के लिए स्पर्श पूजा बंद हो जायेगी। पूरे सावन भर बाबा मंदिर में कांवरिये अरघा से जलार्पण करेंगे। मंदिर परिसर को फूलों से सजा दिया गया है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हैं। बड़ी संख्या में पुलिस के जवानों की भी तैनाती की गई है। बीमार, बुजुर्ग के लिए बाह्य जलार्पण की भी व्यवस्था की गयी है।

आज आर्थिक सर्वेक्षण, कल आम बजट पेश करेंगी वित्त मंत्री

एजेंसी

नयी दिल ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 पेश करेंगी। अगले दिन 23 जुलाई को वित्त मंत्री आम बजट पेश करेंगी। हर साल बजट से एक दिन पहले आर्थिक सर्वेक्षण पेश करने की परंपरा रही है। आर्थिक सर्वेक्षण 31 मार्च को खत्म होने वाले वर्ष के दौरान सरकार के वित्तीय कामकाज का लेखा जोखा होता है। एक तरह से यह सरकार की ओर से एक साल में किये गये कामों का रिपोर्ट कार्ड होता है। साथ ही इससे यह भी जाहिर होता है कि सरकार आने वाले साल में किन चीजों पर ज्यादा फोकस करने वाली है।

एक साल के कामकाज का रिपोर्ट कार्ड

आर्थिक सर्वेक्षण सरकार के एक साल के कामकाज का रिपोर्ट कार्ड होता है। इसे वित्त मंत्रालय की ओर से जारी किया जाता है। आर्थिक सर्वेक्षण से यह पता चलता है कि किस मद पर देश को फायदा हुआ है। किन सेक्टर में सरकार को नुकसान उठाना पड़ा है, आर्थिक सर्वेक्षण में यह साफ होता है। इसके अलावा इससे सरकार के आगे के नजरिये की भी जानकारी मिलती है। आर्थिक सर्वे के जरिये देश की इकोनॉमी की जानकारी मिल जाती है। सर्वे में अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति, विकास की संभावना के साथ-साथ चुनौतियों का पूरा लेखा जोखा होता है। इस सर्वे में बीते वित्त वर्ष में जीडीपी, प्रति व्यक्ति आय, रोजगार, मुद्रास्फीति-मुद्रा संकुचन, घाटे का बजट समेत कई और आंकड़े होते हैं, जो पूरी अर्थव्यवस्था की तस्वीर पेश करता है। संसद का मानसून सत्र कल यानी सोमवार से शुरू हो रहा है।

झारखंड में खुलेगा कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से रविवार को कांके रोड स्थित सीएम आवासीय कार्यालय में देश के प्रसिद्ध शिक्षाविद एवं केआइआइटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक डॉ अच्युत सामंत ने मुलाकात की। सब ठीक रहा तो झारखंड में जल्द ही कलिंगा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस (किस्स) की स्थापना होगी। दोनों के बीच राज्य में शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार, वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम एवं अन्य विकासात्मक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री के पास ही राज्य की उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग है। मुख्यमंत्री श्री सोरेन ने राज्य में किस्स की शाखा के स्थापना को लेकर डॉ अच्युत सामंत से विचार-विमर्श किया। सीएम ने डॉ अच्युत सामंत से कहा कि विगत दिनों उनके ओडिशा दौरे के क्रम में कलिंगा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस द्वारा आयोजित समारोह में शामिल होने का अवसर मिला था।

(शेष पेज 11 पर)

सीएम हेमंत के साथ मिलकर ग्रुप संस्थापक ने बनायी कार्ययोजना

सीएम हेमंत सोरेन आज देंगे साहिबगंज को बड़ी सौगात

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को साहिबगंज की जनता को बिजली की सौरात देंगे। सीएम जिले के बरहेट में ग्रिड सब-स्टेशन का उद्घाटन करेंगे। बरहेट, साहेबगंज के बरहेट में 70 .64 करोड़ रुपये की लागत से ग्रिड सब स्टेशन का निर्माण किया जाना है। 2 गुणा 50 एमबीए (कुल 100 एमबीए) क्षमता का 132/33 केवी ग्रिड सब-स्टेशन की स्थापना की जायेगी। बरहेट एवं 132 केवी द्विषध लिलो संचरण लाइन की कुल लम्बाई 27 .414 किलोमीटर होगी। राज्य के मुख्यमंत्री सोमवार की सुबह बरहेट जायेंगे और दोपहर एक बजे ग्रिड सब-स्टेशन का उद्घाटन कर राज्य की जनता को सौगात देंगे।

केंद्र की मोदी सरकार लंबी नहीं टिकेगी : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने दावा किया कि केंद्र में मोदी के नेतृत्ववाली एनडीए की सरकार अधिक दिनों तक नहीं टिकेगी। वह रविवार को तृणमूल की शहीद दिवस रैली में बोल रहीं थीं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने एजेंसी और चुनाव आयोग को लगाकर जो सरकार बनायी है, वह सरकार स्थिर नहीं है। वह सरकार कभी भी जा सकती है। ममता बनर्जी रविवार को तृणमूल शहीदी दिवस पर बोल रहीं थी। समारोह में सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी मौजूद थे। कोलकाता के धर्मतल्ला में शहीद दिवस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सुबह से ही काफी भीड़ उमड़ पड़ी थी। ममता ने कहा, उन्होंने कई लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ना है। जब तक जिंदा हूं तब तक लड़ूंगी...। जिन सीटों पर हम जीते हैं वहां जाकर आप लोगों का धन्यवाद करें और जहां भी हम नहीं जीते हैं वहां पर लोगों के घर जाकर उनसे माफी मांगे और हमसे क्या गलती हुई यह पूछे और उस गलती को सुधारें। राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी को 2024 के लोकसभा चुनाव और चार निर्वाचन क्षेत्रों में विधानसभा उपचुनाव में सफलता मिली है। उसके बाद यह तृणमूल की पहली बड़ी जनसभा है। उन्होंने बांग्लादेश में हिंसा पर चिंता भी व्यक्त की। असम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उदाहरण के तौर पर असम में गड़बड़ी हुई।

(शेष पेज 11 पर)

पहली सोमवारी को लेकर शिवालयों की सुरक्षा कड़ी

रांची। सावन की पहली सोमवारी को लेकर राजधानी रांची समेत पूरा झारखंड अलर्ट मोड में है। सभी शिवालयों की सुरक्षा कड़ी कर दी गयी है। यात्रियों की सुविधाओं की सभी तैयारी पूरी कर ली गयी है। प्रमुख मंदिरों में भक्तों की भीड़ को देखते हुए पुलिस को विशेष निर्देश जारी किये गये हैं। ट्रैफिक रूट में भी बदलाव किया गया है। रांची के ऐतिहासिक पहाड़ी मंदिर सहित सभी शिवायलयों में उमड़ने वाली भीड़ के मद्देनजर रविवार की रात से ही बड़ी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती कर दी गयी है। सावन की पहली सोमवारी को लेकर राजधानी में 500 अतिरिक्त जवान लगाये गये हैं। शिव भक्तों की सुरक्षा के मद्देनजर नामकुम स्वर्णरेखा घाट से लेकर पहाड़ी मंदिर तक जाने वाले मार्ग में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात है। पहाड़ी मंदिर को सुरक्षा और ट्रैफिक प्लान पर विशेष फोकस किया गया है। सभी शिवालयों और मंदिरों में अत्याधिक भीड़ होगी, ऐसे में चोर - उच्चके पॉकेटमारी के साथ साथ चेन और मोबाइल की स्नैचिंग कर लेते हैं।

विश्व धरोहर समिति में बोले पीएम मोदी- पृथ्वी हमारी मां
भारत पहलीबार कर रहा समिति की मेजवानी

एजेंसी

नयी दिल्ली। पीएम मोदी ने कहा, पृथ्वी हमारी मां है और हम उसके बच्चे हैं। इसी विचार के साथ भारत अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और मिशन लाइफ जैसे समाधान दे रहा है। उन्होंने कहा कि हमने देखा है कि दुनिया में विरासत के अलग-अलग केंद्र हैं, लेकिन भारत इतना प्राचीन है कि वर्तमान का हर बिंदु किसी गौरवशाली अतीत की कहानी कहता है। वह रविवार को विश्व धरोहर समिति (डब्लूएचसी) के 46वें सत्र के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे। समिति की सालाना बैठक होती है और यह विश्व धरोहर से संबंधित सभी मामलों के प्रबंधन को देखती है। यह विश्व धरोहर सूची में शामिल किये जाने वाले स्थलों पर निर्णय लेती है।

भारत की विरासत सिर्फ इतिहास नहीं : पीएम मोदी ने कहा कि यहां आपको हर कदम पर ऐतिहासिक विरासत देखने को मिलेगी। यहां से करीब 15 किलोमीटर दूर कई टन वजनी लोहे का एक स्तंभ है। एक ऐसा स्तंभ जो 2000 सालों से खुले में खड़ा है, फिर भी उसमें आज तक जंग नहीं लगी है। इससे पता चलता है कि उस समय भी भारत का धातु विज्ञान कितना उन्नत था।

(शेष पेज 11 पर)

ऑल पार्टी मीटिंग में विपक्ष ने उठाया नीट का मुद्दा, डिप्टी स्पीकर पद मांगा
संसद के बजट सत्र में हंगामे के आसार

एजेंसी

नयी दिल्ली। संसद का मानसून सत्र शुरू होने से ठीक एक दिन पहले रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्ष हुई सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस ने विपक्ष के लिए लोकसभा उपाध्यक्ष का पद मांगा और प्रतिष्ठित नीट सहित पेपर लीक से जुड़े अन्य मुद्दे उठाये। विपक्ष ने सीबीआइ और इडी जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का मुद्दा भी उठाया। वहीं जदयू ने बिहार को विशेष राज्य का दर्ज देने का मुद्दा उठाया। बैठक में कांवड़ यात्रा मार्ग पर भोजनालयों के लिए यूपी सरकार के आदेश का मुद्दा भी उठा। सरकार के सहयोगी और महत्वपूर्ण मौकों पर उसका साथ देने वाले अन्य दलों ने भी अपने-अपने राज्यों के विशेष दर्जे का मुद्दा उठाते हुए केंद्र को अपनी प्राथमिकताओं से अवगत कराया और अपने भावी रुख का मुजाहिरा किया। कांग्रेस समेत विपक्ष ने स्पष्ट संकेत दिया कि वह इस सत्र को हंगामेदार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ने वाली है। वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने जोर देकर कहा कि यह नियमों के अनुसार होनी चाहिए। उन्होंने संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी दलों से सहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि यह सामूहिक जिम्मेदारी है। बैठक में 44 दलों के 55 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी बैठक में शामिल नहीं हुई।

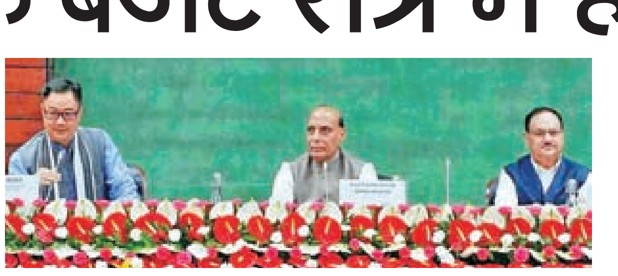

सरकार बहस को तैयार, विपक्ष सहयोग करे : सरकार ने अपनी ओर से विपक्षी दलों से लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही बाधित नहीं करने को कहा है और संसद को सुचारू रूप से चलाने में उनका सहयोग मांगा है। श्री रिजिजू ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेताओं के साथ व्यापक और सार्थक चर्चा हुई। कई अच्छे सुझाव रखे गये। उन्होंने कहा कि सरकार कार्य मंत्रणा समिति की बैठक के एजेन्डे तथा नियमों के आधार पर बहस के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, हमारे सामूहिक प्रयास और समर्पण से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि राष्ट्र की जरूरतों को प्रभावशाली ढंग से पूरा किया जा सके। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी कहा है कि सरकार लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री सिंह ने विपक्षी सदस्यों से अपील की कि जब सदन में कोई सदस्य अपनी बात रखता है तो अन्य सदस्यों को बीच में व्यवधान पैदा नहीं करना चाहिए।

(शेष पेज 11 पर)

प्रेम प्रसंग में दो पुरुषों की हत्या, दो महिला गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

गिरिडीह। भेलवाघाटी थाना इलाके के दो गांव में रविवार की सुबह प्रेम प्रसंग मामले में दो हत्या का मामला प्रकाश में आया। प्रेम प्रसंग में हत्या का पहला मामला भेलवाघाटी थाना इलाके के अमजो गांव में हुआ। यहां तेज धारदार हथियार कुल्हाड़ी से पत्नी गुलशन बीबी ने अपने शौहर रहमत अंसारी (40) की हत्या कर दी। पुलिस पूछताछ में उसने अपना अपराध भी कबूल किया। पति रहमत अंसारी की हत्या के बारे में उसने कहा कि उसका पति शराब के नसे में उसे हर रोज पिटता था। तंग आ कर उसने हत्या कर दी। दूसरी घटना इसी थाना इलाके के डुमरबागी गांव में हुई, जहां चार बच्चों के पिता की हत्या उसकी प्रेमिका रिंकू देवी ने कर दी। गुलशन बीबी ने बताया कि शनिवार की देर रात जब उसका पति खाना खा सो गया, तो उसने गुस्से में अपने पति पर कुल्हाड़ी से वारकर उसकी हत्या कर दी। घटना के वक्त घर में मृतक के बेटा और बेटी भी मौजूद थे। दोनों को भनक तक नहीं लगी। रविवार की सुबह जब दोनों बेटा बेटी उठे, तो पिता के कमरे से खून निकलता देख ग्रामीणों को मामले की जानकारी दिया। वैसे ग्रामीणों ने गुलशन बीबी पर किसी के साथ अवैध संबंध होने का आरोप लगाया है और पुलिस जांच में भी फिलहाल यही सामने आ रहा है।

न्यूज डायरी

केदारनाथ मार्ग पर पत्थर गिरने से तीन की मौत

रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड)। केदारनाथ पैदल मार्ग पर बड़ा हादसा हुआ है। पहाड़ी से पत्थर और मलबा गिरने से कई लोग दब गये। इस हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गयी, जबकि, पांच यात्री घायल हुए हैं। यह हादसा केदारनाथ पैदल मार्ग के चीरबासा में हुआ। घायल यात्रियों को रेस्क्यू कर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। सूचना मिलते ही यात्रा मार्ग में तैनात सुरक्षाकर्मी जिनमें एनडीआरएफ, डीडीआरफ, वाईएमएफ और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया।

निपाह वायरस से केरल में एक की मौत

नयी दिल ली। केरल में मलप्पुरम के 14 वर्षीय एक लड़के की निपाह वायरस से रविवार को मौत हो गयी। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया, बच्चे ने मौत इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जॉर्ज ने बताया कि पांडिक्कड़ निवासी लड़के को रविवार सुबह 10 .50 बजे दिल का दौरा पड़ा और उसे बचाया नहीं जा सका। उसे वेंटिलेटर पर रखा गया था। दिल का दौरा पड़ने के बाद उसे बचाने का बहुत प्रयास किया गया लेकिन सभी प्रयास विफल रह। वहीं केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को निपाह वायरस को ले कर सतर्कता के निर्देश दिये है।

रांची पुलिस का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, 4 घायल

सिमडेगा। सिमडेगा जिले के ठेठईटांगर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह छत्तीसगढ़ से आरोपित को गिरफ्तार कर रांची आ रही पुलिस गाड़ी की ट्रक के साथ जोरदार टक्कर हो गयी। दुर्घटना में रांची पुलिस के तीन जवान और गिरफ्तार आरोपित घायल हो गया। घायल पुलिसकर्मी तुपुदाना ओपी के हैं। सिमडेगा पुलिस ने घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस की गाड़ी अनियंत्रित हो गयी और ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे गाड़ी में सवार सभी चार लोग घायल हो गये।

25 को नक्सलियों का झारखंड-बिहार बंद

रांची। प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के एक करोड़ के इनामी नक्सली नेता विवेक की पत्नी जया की गिरफ्तारी के विरोध में नक्सलियों ने झारखंड-बिहार बंद का ऐलान किया है। इस संबंध में बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी के प्रवक्ता आजाद ने 25 जुलाई को बिहार-झारखंड बंद का ऐलान किया है। प्रवक्ता आजाद ने झारखंड पुलिस पर कई आरोप भी लगाये हैं। गिरफ्तारी के बाद जया दीदी को पुलिस अपने हिरासत में रखकर मानसिक और शारीरिक यातनाएं दे रही है।

सड़क हादसे में एक की मौत, दो घायल

लातेहार । जिला मुख्यालय के करकट मोहल्ले के पास रविवार को रांची -डालटेनगंज मुख्य मार्ग पर पिकअप वाहन और ट्रक में टक्कर पिकअप पर सवार एक व्यक्ति की मौत हो गयी। दो अन्य लोग घायल हो गये। मृतक की पहचान पलामू के बारीडूबा गांव निवासी गोल्डन खान (40) के रूप में हुई है। जबकि घायलों में पलामू निवासी नीरज कुमार और चंदन कुमार शामिल है। पिकअप वाहन पर मछली लेकर वाहन चालक रांची से डालटेनगंज की ओर आ रहा था। वहीं इसी दौरान लातेहार के करकट के पास सामने से आ रहे एक ट्रक से पिकअप की सीधी टक्कर हो गयी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि पिकअप का अगला भाग बुरी

खबर मन्त्र

रांची . सोमवार . 22 जुलाई 2024

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

विकास और रोजगार

सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग ने अपने ताजा सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) भारत सूचकांक में एक उम्मीद भरी तस्वीर पेश की है। सूचकांक में भारत को 100 में से समग्र रूप से 71 अंक मिले हैं जबकि 2021 में उसे 66 तथा आधार वर्ष 2018 में 57 अंक प्राप्त हुए थे। यह रिपोर्ट 113 अलग-अलग संकेतक पर आधारित होती है जो संयुक्त राष्ट्र के राष्ट्रीय संकेतक फ्रेमवर्क के तहत निर्धारित हैं और ये दिखाते हैं कि सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एसडीजी में सुधार हुआ है तथा उनके अंक 57 से 79 के बीच हैं। इन्हें 2018 में 42 से 69 के बीच अंक मिले थे। व्यापक राष्ट्रीय रैंकिंग की बात करें तो 32 राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों ने 65 से 95 तक अंक हासिल किए और इनमें 10 राज्य पहली बार शामिल हुए। अगर किसी राज्य को 49 से कम अंक नहीं मिले हैं तो अधिकतम अंक यानी 100 भी किसी राज्य को नहीं मिले। 16 में से 12 लक्ष्यों पर उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली है। सबसे चिंताजनक मुद्दा महिला-पुरुष समानता का है जहां 2019-20 से अब तक हालात में शायद ही कोई सुधार हुआ है। भारत एसडीजी में अभी भी मजबूती राज्यों की श्रेणी में है। रिपोर्ट में बेहतर समग्र अंकों को सरकार की कल्याण योजनाओं तथा पहलों से जोड़ा गया है। अगर ऐसा है तो आंकड़ों को अलग-अलग करके देखने पर पता चलता है कि यह सहायता सभी को बांटी गई है। भूख के मामलों को समाप्त करना इसका उदाहरण है। हालांकि कुल अंक 48 से सुधरकर 52 हुए हैं लेकिन आकांक्षी राज्य पश्चिम में गुजरात से लेकर बिहार और उत्तर पूर्व के कुछ इलाकों तक बंटे हुए हैं। देश में गिग ईकोनॉमी की आहट सभी आर्थिक विशेषज्ञों को आहत कर रही है वहीं देश की वैश्विक प्रगति दिखाकर भ्रम की स्थिति पैदा की जा रही है।

बचत पर नजर

छोटी बचतें बुजुर्गों व सेवानिवृत्त लोगों की जीवन रेखा हैं। सरकार ने पिछले दिनों छोटी बचत योजनाओं के ब्याज पर बड़ी कटौती की घोषणा की, लेकिन लोगों के गुस्से के बाद गुरुवार को घोषणा को वापस ले लिया। लोगों ने राहत की सांस तो ली है लेकिन आशंका बनी है कि सरकार की मंशा उनकी बचत पर चपत लगाने की है। विपक्ष के अनुसार सरकार ने पश्चिम बंगाल-असम के मतदान वाले दिन नुकसान की आशंका से यू-टर्न लिया। दरअसल, मुद्दे पर संवेदनशील व्यवहार दिखाने की जरूरत है क्योंकि यह करोड़ों लोगों की जीविका-आकांक्षाओं से जुड़ा मुद्दा है। फैसले की वापसी पर जो दलील सरकार ने दी वह सहज गले से नहीं उतरती। कहीं न कहीं सरकार की ऐसा करने की मंशा तो थी। सेवानिवृत्त लोग जीवन भर की जमापूंजी को इन योजनाओं में निवेश करते हैं। उनका धन सुरक्षित रहता है और दूसरे बाजार के मुकाबले कुछ ज्यादा ब्याज मिल जाता है। संयुक्त परिवारों के बिखराव के बीच जब बच्चे जिम्मेदारी नहीं निभाते तो इन बचतों के जरिये ही वे जीवनयापन करते हैं। सरकार को विकसित देशों में छोटी बचतों पर कम ब्याज दर तो नजर आती है, लेकिन उन देशों में बुजुर्गों की सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं पर भी ध्यान देना चाहिए। ऐसे में जिन बचतों के जरिये बड़े तबके द्वारा गुजारा किया जाता है, उसे कम करना आक्रोश का मुद्दा बन सकता था। संभव है शेयर बाजार में रिटर्न ज्यादा मिल सकता है लेकिन हर कोई बाजार के उतार-चढ़ाव में अपनी जमा पूंजी दांव पर नहीं लगा सकता। ऐसे में बचत खातों, पीपीएफ, आरडी, टर्म डिपॉजिट, एन.एस.सी. तथा साठ साल से अधिक उम्र के लोगों की बचत योजनाओं पर ब्याज में कटौती करना अच्छा संदेश नहीं देता। फिर चुनाव के समय यह निर्णय मोदी सरकार की लोकप्रियता कम कर सकता था।

हारती भाजपा के लिये आत्ममंथन का समय

हालिया लोकसभा चुनावों में प्रभावशाली प्रदर्शन के कुछ ही समय बाद सात राज्यों में हुए विधानसभा उपचुनावों में इंडिया ब्लॉक अपनी कामयाबी से खासा उत्साहित है। विपक्षी गठबंधन में शामिल दलों ने तेरह में से दस सीटें जीत ली हैं। जहां कांग्रेस ने चार सीटें जीती हैं, वहीं पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने भी चार सीटें जीती हैं। पंजाब में आम आदमी पार्टी ने जालंधर पश्चिम सीट जीती है तो डीएमके ने तमिलनाडु में विक्रवंडी निर्वाचन क्षेत्र में जीत दर्ज की है। भाजपा को हिमाचल प्रदेश व मध्यप्रदेश में एक-एक सीट मिली है तो बिहार में एक निर्दलीय जीता है। हालांकि, यह एक हकीकत है कि देश में लोकसभा व विधानसभा चुनावों में मतदाता अलग-अलग पैटर्न से वोट देता है। तमाम स्थानीय मुद्दे भी विधानसभा चुनाव में असर डालते हैं। लेकिन फिर भी चुनाव परिणामों की स्थिति को देखते हुए भाजपा आत्ममंथन के लिये मजबूर जरूर होगी। इसकी एक वजह यह भी है कि इस साल के अंत तक जहां हरियाणा, महाराष्ट्र व झारखंड में विधानसभा चुनाव होने हैं, वहीं उत्तर प्रदेश में भी दस विधानसभा क्षेत्रों में भी उपचुनाव होने हैं। भाजपा के लिये चिंता की बात यह भी होगी कि जिस उत्तराखंड में उसकी सरकार है और हालिया लोकसभा चुनाव में पार्टी ने शानदार प्रदर्शन किया था, वहां दो विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनावों में वह क्यों हारी। वहीं दूसरी ओर उत्तराखंड व हिमाचल की जीत कांग्रेस का मनोबल बढ़ाने वाली है क्योंकि लोकसभा चुनाव में उसे दोनों राज्यों में भाजपा के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। पंजाब में आम आदमी पार्टी राज्य में सरकार होने के बावजूद लोकसभा चुनाव में तेरह में सिर्फ तीन सीटें जीत पायी थी। मुख्यमंत्री भगवंत मान के लिये यह राहत की बात होगी कि उनकी पार्टी ने उपचुनाव में सफलता हासिल की है। दूसरी ओर हिमाचल में भी मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू राहत की सांस ले सकते हैं कि चुनाव परिणामों के बाद उनकी सरकार सुरक्षित हो गयी है।

बहरहाल, पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों ने बता दिया कि पश्चिम बंगाल में दीदी का ही एकछत्र राज्य चलेगा। राज्य में टीएमसी ने चार सीटें जीती हैं और तीन सीटें भाजपा से छीनी हैं। वहीं तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके ने भी अपनी स्थिति को मजबूत कर लिया है। बहरहाल, केंद्र में गठबंधन सरकार बनाने के तुरंत बाद आए उपचुनावों के नतीजे निस्संदेह भाजपा को असहज करने वाले ही हैं। वहीं संसद के हालिया सत्र में दमदार उपस्थिति दर्ज कराने वाले पुनर्जीवित विपक्ष के लिये उपचुनाव के नतीजे शुभ संकेत ही कहे जा सकते हैं। हालांकि, विपक्षी खेमे के लिये यहां आत्मसंतुष्टि की गुंजाइश ज्यादा नहीं है क्योंकि भाजपा भारी बाधाओं के बावजूद चुनाव जीतने का दमखम जरूर रखती है। बहरहाल, यह भाजपा के लिये भी ईमानदारी से आत्ममंथन करने का वक्त है ताकि उसे पता हो सके कि पार्टी की नीतियों में कहां चूक हो रही है। साथ ही यह भी कि उसमें कैसे सुधार किया जा सकता है। बहरहाल, इन चुनाव परिणामों का एक पहलू यह भी है कि मतदाताओं ने उत्तराखंड, हिमाचल व पंजाब में दलबदल करने वाले नेताओं को सबक भी सिखाया है। उत्तराखंड की चर्चित बद्रीनाथ सीट को कांग्रेस बचाने में कामयाब रही है। उसके सिटिंग एमएलए ने पाला बदलकर भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन इस बार जनता ने उन्हें नकार दिया। हिमाचल प्रदेश में रोचक परिदृश्य उभरा है जहां देहरा सीट पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू की पत्नी चुनाव जीत गई हैं। प्रदेश में यह पहली बार होगा कि मुख्यमंत्री व उनकी पत्नी सदन में एक साथ होंगे। वहीं अब चालीस विधायक होने से सुक्खू सरकार पर बना वह संकट टल गया, जो कुछ माह पूर्व राज्यसभा चुनाव के वक्त पैदा हो गया था। हां, इतना जरूर है कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस के दिग्गज नेता का गढ़ माने जाने वाले छिंदवाड़ा की अमरवाड़ा सीट भाजपा ने छीन ली है। बहरहाल, हरियाणा, महाराष्ट्र व झारखंड के आसन्न विधानसभा चुनाव व यूपी के उपचुनावों के दृष्टिगत हालिया उपचुनाव परिणाम भाजपा को विचलित करने वाले जरूर हैं। 2014-19 एवं 2019-24 के अपने पिछले दो कार्यकाल के बाद मोदी जिस प्रकार से खुद के बलबूते बहुमत पाने के ध्वस्त स्वप्नों के साथ तीसरी बार पीएम बनकर लौटे, उससे आशा यह थी कि वे नयी शुरूआत करेंगे। एक ऐसा आगाज जिससे पुराना सारा कसैलापन धुल जाये तथा ऐसा सकारात्मक व्यवहार जो समावेशी राजनीति का नूतन सवेरा देखे। सरकार के दो क्षेत्रीय पार्टियों के सहारे टिके होने के बावजूद मोदी ने अभिभाषण पर अपना जवाब देते हुए जैसे भाषण किये, उससे जाहिर हो गया कि उनका रवैया बदलने वाला नहीं है।

- एन के धर

संसद का सत्र प्रारम्भ हो, उसके पहले मोदी ने मीडिया के समक्ष जब अपने विचार रखे थे, तभी यह एहसास हो गया था कि मोदी बहुत नहीं बदले हैं। तो भी एक आशा बनी हुई थी कि जब वे सदन के भीतर जायेंगे तो अपनी कमजोर स्थिति को वे जरूर महसूस करेंगे। तब शायद उनका रवैया बदलेगा। हालांकि भाजपा ने स्पीकर पद के लिये सहमति की बजाये टकराव का मार्ग चुना तब संकेत मिला कि मोदी समावेशी राजनीति की अवधारणा से अभी भी दूर हैं।

सवाल यह भी है कि जब इस सत्र में ही यह साबित हो चुका है कि अल्पमत में होने के बाद भी मोदी अपनी भारतीय जनता पार्टी की कट्टरता को नहीं छोड़ने जा रहे हैं, तो उनके दोनों प्रमुख समर्थक दल- आंध्रप्रदेश की तेलुगु देसम पार्टी और बिहार की जनता दल (यूनाइटेड) के आगे क्या रास्ता रह जाता है? यह भी कि, इन दोनों दलों के प्रमुख- चंद्रबाबू नायडू तथा नीतीश कुमार भाजपा के चिर-परिचित हिन्दुत्ववादी विमर्श के बीच अपनी क्रमशः धर्मनिरपेक्षता व सामाजिक न्याय की नीति को कैसे बचाएंगे?

संसद का सत्र प्रारम्भ हो, उसके पहले मोदी ने मीडिया के समक्ष जब अपने विचार रखे थे, तभी यह एहसास हो गया था कि मोदी बहुत नहीं बदले हैं। तो भी एक आशा बनी हुई थी कि जब वे सदन के भीतर जायेंगे तो अपनी कमजोर स्थिति को वे जरूर महसूस करेंगे। तब शायद उनका रवैया बदलेगा। हालांकि भाजपा ने स्पीकर पद के लिये सहमति की बजाये टकराव का मार्ग चुना तभी से यह धारणा बनती चली गयी कि मोदी समावेशी राजनीति की अवधारणा से अभी भी दूर हैं।

अलबत्ता राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान जब विपक्षी नेताओं के हमले हो रहे थे, तब पहली बार प्रधानमंत्री को इतने लम्बे समय तक सदन में बैठे देखा गया। बीच में कुछ मर्तबा वे उठे, अपनी टिप्पणियां भी दीं।

(लेखक खबर मन्त्र से जुड़ें हैं।)

खास बात

ओरछा का किला

सुधांशु कुमार

मध्यप्रदेश के ओरछा में ताजमहल से भी पहले बनी एक भव्य इमारत है, जिसे जहांगीर महल के नाम से जाना जाता है। लेकिन इस महल का निर्माण जहांगीर ने नहीं, अपने समय के सबसे यशस्वी बुंदेला राजा ने कराया था। दुनिया में जिस तरह ताजमहल मोहब्बत की निशानी है, उसी तरह से जहांगीर महल एक मुगल शहजादे और बुंदेला राजकुमार की दोस्ती की मिसाल है। मुगल शहजादे सलीम यानी जहांगीर और बुंदेला राजकुमार वीर सिंह देव।

अद्भुत शिल्पकला और नायाब नक्काशी से सजे जहांगीर महल को ओरछा की सभी ऐतिहासिक इमारतों में सबसे सुंदर माना जाता है। ऐतिहासिक दस्तावेज बताते हैं कि सन 1592 में ओरछा के राजा मधुकर शाह की मृत्यु के बाद उनके बड़े बेटे राम चंद को ओरछा का राजसिंहासन मिला। उस समय मधुकर शाह के छोटे बेटे वीर सिंह देव की ख्याति अपने शौर्य और वीरता के लिए चारों तरफ थी। असाधारण योद्धा थे वीरसिंह। राजा मधुकर शाह की मृत्यु के बाद वीर सिंह को दतिया में बरौनी की जागीर दी गई, जो उन्हें अपनी योग्यता के मुताबिक नहीं लगी। इसीलिए वीर सिंह ने भाई रामचंद के खिलाफ बगावत कर दी।

यह वही समय था जब मुगलिया सल्तनत में शहंशाह अकबर और उनके बेटे जहांगीर के बीच दूरियां बढ़ रही थीं। जहांगीर ने बाद में अपने संस्मरण में इसकी वजह अकबर के बेहद करीबी और नवरत्नों में एक अबुल फजल को बताया। अबुल फजल जाने-माने विद्वान और अकबर के खास सलाहकार थे। जहांगीर और अकबर के बीच एक समय दूरी इतनी बढ़ गई कि जहांगीर ने बगावत कर दी और इलाहाबाद में अपना अलग दरबार बना लिया। इसी बीच सन 1599 में जहांगीर की मुलाकात वीर सिंह बुंदेला से हुई। इससे पहले राम चंद सन 1592 से 1599 के बीच कई बार मुगल सेना की मदद लेकर वीर सिंह पर हमला कर चुके थे लेकिन वीर सिंह को पकड़ने में वह कभी कामयाब नहीं हो पाए। अबुल फजल को जहांगीर अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानते थे। अबुल फजल की वजह से उनके आगरा लौटने के सारे रास्ते बंद होते जा रहे थे।

जल प्रलय

धर्म-प्रवाह

आनंद

राजा को घोर आश्चर्य हुआ। तब राजा ने कहा, तुम तो फिर बड़ी हो गईं। तुम हर बर्तन में बड़ी हो जाती हो। मछली ने कहा, लेकिन राजन तुम्हारा राजमहल तो बड़ा है। तुमने कहा था राजमहल में मेरे लिए स्थान होगा। राजा ने कहा, बड़ा था, मगर तुमने छोटा कर दिया।

राजा ने उस मछली के सामने हाथ जोड़े और कहा, मैं जान गया हूं कि निश्चय ही आप कोई महान आत्मा हैं। मैंने आपको क्षुद्र कहा, इसलिए मेरे अहंकार को खत्म करने के लिए आपने यह रूप धरा है। अब मुझे राजमहल का जरा भी अभिमान नहीं है। कृपा करके बताइए कि आपने मत्स्य का रूप क्यों धारण किया है?

प्रभु विष्णु प्रसन्न हो गए। तब राजर्षि सत्यव्रत के समक्ष भगवान ने प्रकट होकर कहा कि हे राजन! हयग्रीव नामक दैत्य ने वेदों को चुरा लिया है। जगत में चारों ओर अज्ञान और अधर्म का अंधकार फैला हुआ है। मैंने हयग्रीव को मारने के लिए ही मत्स्य का रूप धारण किया है। आज से सातवें दिन धरती जल प्रलय से समुद्र में डूब जाएगी। तब तक तुम एक नौका बनवा लो और सभी प्राणियों के सूक्ष्म शरीर और सब तरह के बीज लेकर सप्तर्षियों के साथ उस नौका पर चढ़ जाना। प्रचंड आंधी के कारण जब नाव डगमगाने लगेगी, तब मैं मत्स्य रूप में तुम सबको बचाऊंगा। तुम लोग नाव को मेरे सींग से बांध देना। तब प्रलय के अंत तक मैं तुम्हारी नाव खींचता रहूंगा। उस समय भगवान मत्स्य ने नौका को हिमालय की चोटी से बांध दिया। उसे चोटी को नौकाबंध कहा जाता है।

बड़ा खूबसूरत रिश्ता है
हमारे और उपर वाले के बीच,
ज्यादा मैं मांगता नहीं
कम वो देता नहीं।
–अनुपम खेर, अभिनेता

आपके ट्वीट

अपने केंद्रीय कार्यालय, रांची में एकल अभियान परिवार और विद्या भारती परिवार से जुड़े वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात हुई। झारखंड में शैक्षणिक व्यवस्था व जनजातीय बहुल क्षेत्रों में उनके उत्थान से जुड़े कई महत्त्वपूर्ण विषयों पर सार्थक बातचीत हुई। **– संजय सेठ**

जम्मू कश्मीर में फिर से एक आतंकी मुठभेड़ में हमारे जवान शहीद हो गए। शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिजनों को गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। एक के बाद एक ऐसी भयानक घटनाएं बेहद दुखद और चिंताजनक है। **– राहुल गांधी**

पहली बार एथनॉल का उपयोग रिकार्ड स्तर पर पहुंचा

आर्थिक

नागेन्द्र सिंह

भारत में पहली बार पेट्रोल में एथनाल मिश्रण 7,2 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गया है। आपूर्ति वर्ष 2020-21 (दिसंबर से नवंबर) के पहले 4 महीनों के दौरान यह किया जा सका है। इससे देश 2022 तक 10 प्रतिशत एथनाल मिश्रण के लक्ष्य की ओर बढ़ा है।

उद्योग जगत के सूत्रों का कहना है कि अगर तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) अगले कुछ महीने के दौरान पूरी मात्रा में एथनाल ले लेती हैं तो मिश्रण का अखिल भारतीय स्तर नवंबर 2021 में सीजन के अंत तक 8 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। अब तक पेट्रोल में एथनाल मिलाने का अखिल भारतीय स्तर पर सबसे बेहतर अनुपात करीब 5.2 प्रतिशत रहा है।

दरअसल महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, बिहार, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, गोवा, दमन और दीव में करीब 9.5 से 10 प्रतिशत एथनाल मिलाया गया है। इसका मतलब यह है कि ये राज्य 2022 के मिश्रण के 10 प्रतिशत लक्ष्य के करीब हैं। हालांकि यह आसान नहीं रहा है।

चीनी उद्योग का कनहा है कि 2020-21 सत्र के पहले चार महीने में मिश्रण और ज्यादा हो सकता था, लेकिन तेल विपणन कंपनियों की ओर से प्रत्येक डिपो में एथनाल भंडारण क्षमता के अनुमान में कुछ रणनीतिक त्रुटियां हुईं। इसकी वजह से मिलों को डिपो में एथनाल की आपूर्ति करनी पड़ी, जो उनकी उत्पादन इकाइयों से दूर थे। उद्योग जगत के सूत्रों के आंकड़ों के मुताबिक 29 मार्च तक ओएमसी ने 2020-21 के लिए 4.57 अरब लीटर एथनाल की जरूरत बताई ती, जिसमें से 3.25 अरब लीटर के लिए कंपनियों की बोली को अंतिम रूप दिया गया। वहीं करीब 2.98 अरब लीटर एथनाल के लिए पहले ही अनुबंध हो चुका है, जिसमें से 1 अरब लीटर की आपूर्ति हो गई, जबकि शेष की डिलिवरी होनी है।

इसमें से करीब 77 प्रतिशत या 0.77 अरब लीटर एथनाल बी-हैवी मोलैसिस और गन्ने के रस से बनाया गया है, जिसकी वजह से 8 लाख टन अधिशेष चीनी में कमी आएगी। कुल मिलाकर उद्योग जगत का मानना है कि 2020-21 में करीब 20 लाख टन टीनी का उत्पादन कम होगा क्योंकि गन्ने का इस्तेमाल एथनाल के लिए हो रहा है।

चीनी कंपनियों का आरोप है कि ओएमसी ढुलाई की लागत वास्तविक दरों की तुलना में बहुत कम वापस कर रही हैं, क्योंकि आधार दर अक्टूबर 2020 में तय की गई थी (ईंधन के दाम बढ ? के पहले)। इसकी वजह से चीनी कंपनियों के ऊपर 3 से 5 रुपये प्रति लीटर अतिरिक्त बोझ अपनी जेब से भरना पड़ रहा है।

डीजल की दर अक्टूबर 2020 के बाद 25 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (आईएसएमए) सहित चीनी कंपनियों ने सुझाव दिया है कि अगर ओएमसी को लगता है कि ढुलाई की लागत में बदलाव नहीं हो सकता है तो ओएमसी को खुद ट्रांसपोर्ट कांट्रैक्ट करना चाहिए (जैसा कि पेट्रोल आपूर्ति के मामले में वे करती हैं) और उनका नाम चीनी कंपनियों को दिया जाना चाहिए।अधिकारी ने कहा, 'इस तरह से चीनी कंपनियों को ढुलाई का शुल्क वापस नहीं लेना होगा, जबकि डीजल की आपूर्ति भी बहाल हो सकेगी।'

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन के महानिदेशक अविनाश वर्मा ने कहा, 'हम आसानी से ज्यादा एथनाल की आपूर्ति कर सकते थे, अगर ओएमसी द्वारा कुछ डिपो के अनुमान लगाने में त्रुटि नहीं होती।'

कार्टून वर्ल्ड

युद्ध काल की आजादी

साभार कार्टून मूववेंट

लेटर टू एडीटर

रोकें भ्रमजाल

चुनाव का बिगुल बजते ही लुभावने वादों के साथ जन प्रतिनिधि जनता के दरबार में सेवक की भांति पेश होते दिखाई देते हैं। गरीबी उन्मूलन, बेरोजगारी दूर करना, मुफ्त बिजली-पानी, मकान, मुफ्त शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाएं, किसानों का कर्ज माफ व उनकी आय दोगुनी करना ये ऐसे कुछ वादे हैं जिन्हें अपने चुनाव घोषणा-पत्र में शामिल कर राजनीतिक पार्टियां सालों से अपनी रोटियां सेंकती आ रही हैं। **– निशीकांत, रांची**

अन्न का संरक्षण

समर्थन मूल्य पर गेहूं जैसी उपज की सरकारी खरीद जारी है। खबरों के मुताबिक कई केंद्रों पर उपज को सुरक्षित रखने के माकूल इंतजाम नहीं हैं। पिछले वर्ष भी जब सरकारी खरीदी की गई और बेतरतीब मौसम की बेरुखी के चलते पानी गिरने से बेशकीमती गेहूं पानी में भीगने से सड़-गल गया था। ऐसे में सरकार पिछले साल के कटु अनुभव को ध्यान में रखते हुए अभी से उचित उपाय करने चाहिए। **– ममता यादव, रांची**

कभी दिल की सुनें तो कभी दिमाग की

मोटिवेशन

कीर्तिशेखर

विज्ञान कहता है, सच्चाई का आधार तर्क है। बिना तर्क किसी बात का कोई अर्थ नहीं है। लेकिन जीवन के अनुभव कहते हैं, सिर्फ तर्क से जीवन नहीं चलता। भले आज की पीढ़ी ज्यादा तार्किक और लॉजिकल हो, इसलिए वह दिल की सुनने की बजाय दिमाग से ज्यादा सुनती हो। लेकिन क्या वाकई दिमाग की सुनना ही साइंटिफिक है? साइंस ऐसा भी नहीं मानती। साइंस नहीं मानती कि हमारे मन में उभरने वाले आभास साइंटिफिक नहीं होते या दिल की आवाज का अपना कोई आधार नहीं होता। मन में उभरने वाले आभासों पर भी विज्ञान मुहर लगाता है। संवेदना के विज्ञान को समझें तो जज्बात साइंटिफिक होते हैं। भले वे तर्क की कसौटी पर थोड़े धुंधले नजर आते हों। जरा इन दो स्थितियों पर गौर करिये : दिमाग सोचता है मां से झूठ बोल देता हूं, उसे क्या पता चलेगा? लेकिन दिल कहता है मां सब कुछ जानती है। वह बिना कहे ही हमारा मन पढ़ लेती है। इसलिए बेहतर है मां को सब-कुछ साफ साफ बता दिया जाए।

गलती छिपाने की ऊहापोह

अब इन दोनों बातों को अपने अपने हिसाब से कोई भी सही साबित कर सकता है। दिमाग का कोई पक्षधर यह साबित कर सकता है कि मां से अपनी कोई गलती बताने से बेहतर है, उसे छुपा लिया जाए ताकि उसका मन न दुखे और सबक लिया जाए कि अगली बार से उसकी जरूरत न पड़े। इस तरह से देखें तो दिमाग की सुनना वाकई यहां सही लग रहा है। लेकिन अगर निश्छलता की कसौटी पर देखें तो जब कोई बच्चा अपनी किसी छोटी सी गलती को मां से छुपाता है तो वह झूठ बोलने की नींव रख रहा होता है, यह झूठ जब मां को या किसी को भी पता चलता है तब मन बहुत खराब होता है। तो छोटी सी बात छिपाना भी सही नहीं है।

दिल की बात पर भी विज्ञान की मुहर

मतलब यह कि चरम पर दोनों स्थितियों का अपनी तरह से फायदा और अपनी तरह से नुकसान है। लेकिन दोनों में कोई भी एक स्थिति ऐसी नहीं है, जिसके साथ हुआ जाए और जिसके लिए दूसरी स्थिति को छोड़ा जाए। विज्ञान कहता है कि भले दिल की बातों का ठोस तर्क और रूप न होता हो, लेकिन दिल में उठने वाली बातें बेवजह या अवैज्ञानिक कतई नहीं होतीं। दरअसल हमारी सोच, हमारे व्यापक अनुभवों का नतीजा होती है। हमारा मस्तिष्क कंप्यूटर के सॉफ्टवेयर की तरह काम करता है।

परिस्थितियों के भी मायने

दरअसल दिल हो या दिमाग दोनों ही अपने स्तर पर हमें अपने-अपने तरीके से करेक्ट करने की कोशिश करते हैं। मसलन हम अंधेरे में बीच सड़क से चल रहे हों तो मन से आवाज आती है, यह सही नहीं है। दुर्घटना हो सकती है और हम अचानक किनारे से चलने लगते हैं, तभी देखते हैं कि यकायक बड़ी तेजी से कोई वाहन गुजर जाता है और हमारे मन में झुरझुरी सी फैल जाती है। हम सोचते हैं अगर हम किनारे न चल रहे होते तो पता नहीं क्या होता? कई बार दिल की सुनना तब और राहत देता है, जब हम पानी भरी सड़क में कार से चल रहे हों और सड़क में बीच में चलने से अचानक कार का पहिया गड्ढे में चला जाए। ऐसे में हम अपने को बार-बार यही कोसेंगे कि दिल कहता था किनारे चलो, हमने दिल की नहीं सुनी, अब भुगतो। दरअसल दिल और दिमाग दोनों ही साइंटिफिक होते हैं और हमारी जिंदगी की सफलताओं या असफलताओं दोनों की ही भूमिका होती है। सच तो यह है कि अलग-अलग मौकों पर परिस्थितियों के हिसाब से कभी दिल की सुननी जरूरी होती है, तो कभी दिमाग की।

दिमाग की मानें, लेकिन

जिन निर्णयों से हमें लंबे समय तक प्रभावित होना होता है, उन्हें बहुत सोच-समझकर और मन की बजाय मस्तिष्क से सोचने के बाद लेना चाहिए। दिमाग ऐसे दांव पर सवाल खड़ा करता है, जैसे दावों के अतीत में पूरा उतारने पर संदेह रहा हो। यह 100 में 99 बार सही भी होता है। लेकिन यह भी सही है कि जो पहले कभी न हुआ हो, जरूरी नहीं है कि वह बाद में भी कभी न हो।

स्पीड न्यूज

खतियानी संघर्ष समिति ने निकाला मसाला जुलूस, सीएम का फूंका पुतला

सिमरिया। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति ने सिमरिया सुभाष चौक पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया है। पुतला दहन के पूर्व कार्यकर्ताओं ने किसान भवन से मशाल जुलूस निकालकर सिमरिया सुभाष चौक पंहुचकर हेमंत सोरेन हाय हाय टाइगर जयराम महतो जिंदाबाद,कैसे लिया झारखंड,लड़ के लिया झारखंड के नारा लगाते हुए विभिन्न मार्गो का भ्रमण किया। जेबीकेएसएस नेता कैलाश महतो ने कहा कि अपनी मांग को लेकर आंदोलन कर रहे राज्य के सहायक पुलिस कर्मियों पर वर्तमान सरकार हेमंत सरकार ने लाठीचार्ज कराया है यह अनुचित और निंदनीय है।

ट्रेन चढ़ने के दौरान एक यात्री गिरकर घायल

झुमरीतिलैया (कोडरमा)। कोडरमा स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या तीन पर ट्रेन चढ़ने के दौरान एक यात्री गिरकर घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन नंबर 12802 प्लेटफार्म संख्या तीन पर पहुंची। इसी दौरान हडबडी में वह यात्री गिरकर घायल हो गया। घायल की पहचान नितिन मित्तल पानी टंकी रोड झुमरीतिलैया निवासी के रूप में की गयी है। मिली जानकारी के अनुसार उसे गया जाना था और वह गलती से दूसरे ट्रेन में चढ़ गया और उतरने के दौरान गिरकर घायल हो गया।

फरार प्राथमिकी अभियुक्त की गिरफ्तारी को लेकर चिपकाया इश्तेहार

जयनगर (कोडरमा)। पुलिस ने थाना कांड संख्या 57/24 के फरार प्राथमिकी अभियुक्त अशोक यादव पिता स्व.अलख महतो निवासी खरपोका की गिरफ्तारी को लेकर खरियोडीह चौक तक इश्तेहार चिपकाया। इस संबंध में इश्तेहार चिपकाने गए पुअनि जयप्रकाश सिंह ने बताया कि उक्त आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा है। उसकी गिरफ्तारी को लेकर यह कार्रवाई की गयी है।

रेलवे ने वसूला चार लाख दस हजार रूपये का जुर्माना

कोडरमा। धनवाद रेल मंडल अंतर्गत गोमो, चंद्रपुरा, धनवाद, कोडरमा, डालटनगंज, चोपन, बरकाकाना, सिंगरौली स्टेशनों पर गहन टिकट चेकिंग अभियान चलाकर चार लाख दस हजार 665 रूपये का जुर्माना वसूला है। चेकिंग अभियान में 159 कर्मियों को लगाया गया था। कर्मियों ने विभिन्न मेल व एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग की।

लाठी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बरही। बरही प्रखंड के चांद क्लब रसोईया धमना के सौजन्य से शनिवार को रात्रि लाठी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे बतौर मुख्य अतिथि बरही विधायक उमाशंकर अकेला एवं विशिष्ट अल्पसंख्यक महासमिति समिति के अध्यक्ष मो वयुम, 20 सूत्री अध्यक्ष इकबाल रजा, प्रमुख मनोज रजक, विधायक प्रतिनिधि मो तौकीर रजा, जेबीकेएसएस युवा नेता कृष्णा यादव, सामाजिक कार्यकर्ता बद्री यादव, युवा नेता केदार यादव, मो वारिस अंसारी आदि उपस्थित रहे।

मुखिया संघ का प्रखंड कार्यालय के समक्ष अनिश्चित कालीन धरना 22 से

इचाक। सात सूत्री मांगों को लेकर मुखिया संघ इचाक के द्वारा प्रखंड सह अंचल कार्यालय इचाक के समक्ष 22 जुलाई से अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा। इसकी जानकारी संघ के अध्यक्ष सकेंद्र प्रसाद मेहता ने दी। उन्होंने कहा कि बीडीओ की मनमानी से तंग होकर मुखिया संघ ने धरना देने पर मजबूर हुआ।

सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचे चालक और मुंशी

चरही। थाना क्षेत्र के चरही घाटी के यूपी मोड़ में रविवार सुबह 10:30 बजे को एक पिकअप वाहन को पलट जाने के क्रम में चालक और उस पर सवार मुंशी बाल-बाल बच गए। पिकअप वाहन नंबर बीआर 07 जीसी/1387 सिलीगुडी से अनानस लोडकर रांची जा रहा था।

चौपारण में पत्रकारों पर हुए प्राथमिकी दर्ज को लेकर बरही में

पत्रकारों को आरोपमुक्त करने के लिए डीएसपी को सौंपा ज्ञापन

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। चौपारण में पत्रकारों पर हुए प्राथमिकी दर्ज मामले को लेकर बरही पूर्वी पंचायत भवन में प्रेस क्लब हजारीबाग प्रखंड इकाई बरही, चौपारण, पदमा और बरकट्ठा के पत्रकारों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रेस क्लब बरही के अध्यक्ष अनुज यादव व संचालन चौपारण प्रेस क्लब के अध्यक्ष शंकर यादव ने किया। बैठक में पत्रकारों ने चौपारण में हुए पत्रकारों पर मामला दर्ज को लेकर निंदा किया। कहा कि पत्रकार भीड़ का हिस्सा नही है।

बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव लिया गया कि पत्रकारों के खिलाफ दर्ज कराए गए फर्जी मामले की प्रेस क्लब बरही, चौपारण, बरकट्ठा और पदमा कड़ी भर्त्सना करता है। साथ ही मामले का तत्काल पर्यवेक्षण कर पत्रकारों को आरोप मुक्त किया जाये। प्रेस क्लब, हजारीबाग के तत्वाधान में एक प्रतिनिधिमंडल एसपी से मिलकर ज्ञापन सौंपेगा।

प्रेस क्लब के सदस्य

साथ ही निर्णय लिया गया कि पत्रकारों को सम्मान और सुरक्षा नहीं मिला तो सड़क पर उतरकर संगठन इसका प्रतिकार करेगा। इसके अलावा पत्रकारों के खिलाफ झूठी प्राथमिकी दर्ज कराने वालों का पत्रकार समाज बहिष्कार करेगा। इसके बाद पत्रकारों ने सामूहिक रूप से बरही डीएसपी सुरजीत कुमार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से डीएसपी से मिलकर पत्रकारों ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि पत्रकार भीड़ का हिस्सा नही है। ज्ञापन में कहा गया है कि राजनीतिक दलों के प्रतिद्वंद्विता के क्रम में दर्ज कराए गए चौपारण थाना में चार पत्रकार उमेश पासवान, शशि शेखर, किशोर राणा व संजय यादव को दुर्भावना से वशीभूत होकर आरोपी बनाया दिया गया है। यह पत्रकारों के लोकतांत्रिक अधिकार पर कुठाराघात है।

उपरोक्त नामजद पत्रकार निर्दोष है। पत्रकारों ने उपरोक्त कांड के सूचक के विरुद्ध किसी प्रकार के आपराधिक कृत नहीं किया है, न ही इसमे किसी प्रकार से संलग्न रहे है। ज्ञापन में मांग की गई है कि उचित छानबीन कर उपरोक्त पत्रकारों को न्याय देते हुए आरोपमुक्त किया जाए। डीएसपी ने प्रतिनिधिमंडल को सकारात्मक आश्वासन दिया है। मौके पर चौपारण प्रेस क्लब अध्यक्ष शंकर यादव, प्रेस क्लब बरही के अध्यक्ष अनुज कुमार यादव, प्रेस क्लब बरकट्ठा के अध्यक्ष गोपाल यादव, अजय ठाकुर, उमेश पासवान, अनुज कुमार सिंह, सुजीत प्रधान, विजेंद्र कुमार शर्मा, अभिमन्यु कुमार सिंह, केशव कुमार सिंह, विशाल सिन्हा, अजित कुमार वर्णवाल, चंदन सिंह, अजीत कुमार सिंह, अरविंद कुमार सिंह, विजय मधेशिया, कृष्णा कुमार पासवान, दुर्गेश पांडेय, शशि शेखर, परुषोत्तम पांडेय, गौतम कुमार मेहता, अब्दुल मनान वारसी, रितेश कुमार, राकेश रोशन, सजल पाठक, धीरज कुमार पांडेय, शिशुपाल राणा, रंजन कुमार, गोपाल प्रसाद, अजीत कुमार शर्मा, संतोष कुमार, मिथुन कुमार, पंकज कुमार, अनिल कुमार, गन्नू कुमार सहित अनुमंडल के पत्रकार शामिल थे।

तीजा खेल प्रतियोगिता का आयोजन

मरकच्चो (कोडरमा)। यादे हुसैन मोहर्रम कमेटी कर्बलानगर, दरगाह मुहल्ला, चौक मुहल्ला, शाहगंज के संयुक्त तत्वाधान में तीजा खेल प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को कर्बलानगर स्थित रैनीटांड़ में किया गया। जिसका उद्घाटन प्रखंड प्रमुख विजय कुमार सिंह, थाना प्रभारी सौरभ कुमार, मुखिया रंजीत कुमार सिंह, समाजसेवी मो. खलील ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया गया। प्रतियोगिता में जज की भूमिका तौहिद आवेसी, खुर्शीद अंसारी, हैदर अंसारी ने निभाया। कार्यक्रम में आये अतिथियों का स्वागत कमिटी के द्वारा गुलदस्ता देकर व माला पहनाकर किया गया। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले टीम को शील्ड व कप देकर सम्मानित किया गया।

वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। बरही टाउन हॉल में निजी विद्यालय संघ द्वारा वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मिथिलेश यादव एवं संचालन डॉ सुनील कुमार दत्ता ने किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एसडीपीओ सह एएसपी सुरजीत कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम में मैट्रिक परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले तीन-तीन विद्यार्थियों को मैडल पहनाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने देशभक्ति, बेटी समृद्धि व कई सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन किया। बतौर मुख्य अतिथि एसडीपीओ सुरजीत कुमार ने बच्चों एवं शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि बच्चे का भविष्य शिक्षकों के हाथ में है। माता-पिता शिक्षक-शिक्षिका प्रबुद्ध नागरिक गुरु के आशीर्वाद से बच्चे अथक प्रयास से अच्छा परिणाम लाते हैं। शिक्षकों के मार्गदर्शन व आशीर्वाद से विद्यार्थियों में काफी निखार आता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य निर्धारित कर राष्ट्र की उन्नति और आदर्श समाज के निर्माण में भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

मौके पर उपस्थित लोग

शव मिलने से सनसनी, हत्या या दुर्घटना पुलिस जांच में जुटी

हजारीबाग। कोर्रा थाना क्षेत्र के मटवारी गाँधी नगर पश्चिम गली न. ०४ में एक युवक के शव मिलने से सनसनी फैल गयी। घर के पोटिको में युवक लहूलुहान मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। मृतक की उम्र लगभग ३५ वर्ष बताई जा रही है। वह हाफ पैंट और काले रंग का गंजी पहने हुए था। सबेरे जब घर के अन्य लोगो ने शव को देखा तो पुलिस को इसकी सूचना दी जिसके बाद पुलिस शव को अपने साथ सदर अस्पताल ले गयी जहां से युवक के घरवालों को सूचना दी गयी और शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। घटना के बारे में जो अभी तक की जो जानकारी है वो ये है की युवक का नाम अभिषेक कुमार पांडेय है।

ज्ञान रत्न प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

कोडरमा। अखिल भारतीय धोबी महासंघ जिला इकाई के तत्वाधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ज्ञान रत्न प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन कुशवाहा भवन चंदवारा में किया गया।

कार्यक्रम के पूर्व संविधान रचयिता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, संत गाडगे जी महाराज एवं समाज को सिचने वाले स्व. मथुरा राम के चित्र पर लोगों ने बारी-बारी से माला अर्पण कर पुष्पांजलि अर्पित किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय चिकित्सालय नवादा बिहार के डॉ. संजय कुमार व अध्यक्षता अखिल भारतीय धोबी महासंघ के जिलाध्यक्ष खगेंद्र राम व संचालन जिला सचिव मिथिलेश कुमार रजक ने किया। कार्यक्रम में

एसकेबाई भीव इन्टरनेशनल स्कूल के बच्चियों के द्वारा स्वागतगाण एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष एवं पलामू के पूर्व सांसद ब्रजमोहन राम ने कहा कि यह कार्यक्रम राज्य एवं जिले को शिक्षित बनाने का है। जिसमें हम सभी की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने कहा कि बिना शिक्षा के किसी भी मुकाम को हासिल करना आज के समय में संभव नहीं है। इसलिए अभियान के जरिए सभी छूटे हुए बच्चों को विद्यालय में नामांकन करवाया जा सके, इसके लिए सभी मिलकर संकल्प लें।

निश्रौल के करममोड़ में ट्रांसफार्मर जला, ग्रामीण परेशान

खबर मन्त्र संवाददाता

टंडवा (चतरा)। मिश्रौल के करममोड़ स्थित ट्रांसफार्मर पिछले एक महीने से जलने के कारण ग्रामीण अंधेरे में जीवन बिताने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि 25 केवीए क्षमता वाली ट्रांसफार्मर पर लोड अधिक होने के कारण उन्हें पर्याप्त बिजली नहीं मिल पाती है पूर्व सांसद सुनिल कुमार सिंह ने मार्च माह में ही 100 केवीए क्षमता वाली ट्रांसफार्मर लगाने की मांग को लेकर अनुशंसित पत्र भेजा था, लेकिन विभाग ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। ट्रांसफार्मर खराब होने से निश्रौल उच्च विद्यालय के छात्रों

स्वयं पेड़ लगाएं और लोगों को भी करें प्रोत्साहित : शैलेंद्र

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में किया गया पौधरोपण

खबर मन्त्र संवाददाता

कोडरमा। मॉडर्न पब्लिक स्कूल में जिले के डीएफओ सौमित्र शुक्ला ने स्वयं विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर प्रकृति को संरक्षित एवं स्वच्छ रखने का संदेश दिया। वहीं मॉडर्न विद्यालय परिसर में विद्यालय के प्राचार्य शैलेंद्र कुमार, निर्देशिका संगीता शर्मा एवं विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ पौधरोपण कर स्वच्छ एवं संरक्षित पर्यावरण का संदेश दिया। वहीं उन्होंने कहा आज जितनी तेजी से वनों की कटाई हो रही है, इसके कारण भविष्य में हमें भयावह स्थिति का सामना करना पड़ सकता है, न केवल वनों की कटाई से बल्कि पर्यावरण के लगातार बढ़ते प्रदूषण भी पौधों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। हमें प्रत्येक व्यक्तियों को जागरूक होना होगा, ताकि पर्यावरण को संतुलित बनाए रख सके।

नदी में नहीं है पूल, जान जोखिम में डालकर जाते है स्कूल

मामला कटकमसांडी प्रखंड के हटकोना गांव का : हनुमान चालीसा पढ़कर नदी पार करते है बच्चे

समाजसेवी किशोरी राणा ने लिया जायजा, कहा -पूल निर्माण के लिए जिला प्रशासन से करेंगे बात

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग/ कटकमसांडी। शिक्षा पाने का अधिकार सभी को है, लेकिन नदी पर पुल नहीं होने की वजह से ग्रामीण स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे स्कूल तक नहीं जा पा रहे है। यह आलम है हजारीबाग जिले के कटकमसांडी प्रखंड के बंझा पंचायत अंतर्गत ग्राम हटकोना का। कहने को तो राज्य सरकार बच्चों की शिक्षा पर करोड़ों रुपए खर्च करने का दावा करती है। लेकिन, जमीनी हकीकत इससे कोसों दूर है। बच्चे आज भी कई कारणों से स्कूल नहीं जा पा रहे। काटकमसांडी प्रखण्ड के बंझा पंचायत के हटकोना गांव के बच्चों को कैसे स्कूल जाना पड़ता है इसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते। गांव के बच्चो को स्कूल जाने के लिए नदी पार करना पड़ता है। उस नदी पर पुल नहीं है। बारिश के दिनों में नदी उफान मारती है ऐसे में या तो बच्चे स्कूल नहीं जाते या फिर जान जोखिम में डालकर स्कूल जाते है। बच्चों ने कहा कि नदी पहुंचकर पहले वो हनुमान चालीसा का पाठ करते है उसके बाद ही नदी को पार करते है। जानकारी लेने पहुंचे किशोरी राणा

किशोरी राणा ग्रामीणों की बात सुनते

जब उक्त परेशानी के बारे में नव झारखण्ड फाउंडेशन के केंद्रीय अध्यक्ष समाजसेवी किशोरी राणा को ग्रामीणों ने दी तो वे मामले की जानकारी के लिए हटकोना गांव पहुंचे। समाजसेवी किशोरी राणा ने बैठक कर उनकी समस्याओं को सुना। बात करने पर उन्होंने बताया कि यहाँ की ग्रामीण कई सालों से इस नदी पर पूल बनाने की मांग कर रहे हैं। लेकिन, अभी तक इस नदी पर पुल नहीं बन पाया है। ग्रामीण त्रस्त है। ग्रामीण इस बात से आशंकित है की बारिश का समय है, यदि कभी नदी उफान पर रही और बच्चे फस गए तब क्या होगा। किशोरी राणा ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया की वे इस मामले पर जिला प्रशासन से बात करेंगे और यहाँ से काम नहीं हुवा तो वे सम्बंधित विभाग के मंत्री से बात कर पूल बनाने की गुजारिश करेंगे। मौके पर रोहन सिंह, जानकी सिंह, रामकिशुन राजकुमार सिंह, महादेव, अनुज यादव, जगदेव राणा, सतीश पांडेय, सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

एक नजर में

शिक्षा के बिना विकसित समाज की परिकल्पना नहीं की जा सकती है: मुखिया

खबर मन्त्र संवाददाता

कुंदा (चतरा)। सुदूरवर्ती क्षेत्रों के बच्चों को बेहतर प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से सुमित्रा स्मारक सेवा संस्थान द्वारा बालवाड़ी केंद्र की स्थापना की जा रही है।

रविवार को पचरुखिया और मोहनपुर में बालवाड़ी केंद्र का उद्घाटन मुखिया मनोज कुमार साहू और संस्था के निदेशक रामजन्म कुमार ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया और केंद्र की शिक्षिका को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।मुखिया मनोज कुमार साहू ने संस्था के कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि सुदूरवर्ती क्षेत्रों में बालवाड़ी केंद्र की शुरूआत करके संस्था ने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। निदेशक रामजन्म कुमार ने बताया कि सुमित्रा सेवा संस्थान सुदूरवर्ती क्षेत्रों में शिक्षा का प्रसार करने के लिए प्रतिबद्ध है और उनका उद्देश्य शिक्षा से वंचित हर घर के बच्चों को बालवाड़ी केंद्र के माध्यम से शिक्षित करना है।

उन्होंने दो से छह वर्ष के बच्चों के अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को बालवाड़ी केंद्र भेजें। केंद्र में नामांकित सभी बच्चों को निःशुल्क किताबें, कॉपी, ड्रेस और बैग वितरित किए गए।यह कार्यक्रम राष्ट्रीय ग्रामीण/शहरी शिक्षा एवं रोजगार मिशन द्वारा संचालित किया जा रहा है और वर्तमान में भारत सरकार से अनुदान के लिए प्रस्तावित है। संस्था द्वारा बच्चों को निःशुल्क दो से छह वर्ष तक की शिक्षा प्रदान की जाती है। उद्घाटन समारोह में केंद्र की शिक्षिकाएँ, समाजसेवी और वार्ड सदस्य सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने अस्तित्व एवं अस्मिता की रक्षा के लिए संघर्ष करेंगे झारखंड आंदोलनकारी : पुष्कर

बैठक में उपस्थित मोर्चा के लोग

खबर मन्त्र संवादाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा भुरकुंडा-पतरातु के झारखंड आंदोलनकारियों ने राजकीय मान सम्मान, अलग पहचान, रोजी रोजगार की गारंटी एवं सम्मान पेंशन राशि 50-50 हजार रुपया देने की मांग को ले रविवार को भुरकुंडा पंचायत भवन में बैठक का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय उपाध्यक्ष दर्शन गंझू व संचालन संजय मिश्रा ने किया। बताया गया कि आगामी 28 जुलाई को बारीडीह स्थित विजय गार्डन जमशेदपुर में झारखंडी राष्ट्रीयता पहचान के सवाल को लेकर विचार-विमर्श सभा का आयोजन किया जाएगा। वहीं 6 सितंबर 2024 को रांची के मोरहाबादी में आंदोलनकारी अधिकारों के लिए रांची कूच करो कार्यक्रम में हजारों की संख्या में जुटेंगे।

बैठक से पूर्व झारखंड आंदोलनकारी के अमर पुरोधा एके राय की पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। मौके पर झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक व प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों को अपने अस्तित्व एवं अस्मिता की रक्षा के लिए संघर्ष करना जरूरी है। संघर्ष ही हमारा इतिहास रहा है।

जल के बिना हम जीवित नही रह सकते है: विद्यालय प्रबंधन

कार्यक्रम में शामिल बच्चे

खबर मन्त्र संवादाता

कुजू। परवरिश एजुकेटेड स्कूल कुंदरियाबांध में शनिवार को ब्लू डे मनाने के साथ-साथ बच्चों को जल संरक्षण के महत्व पर ध्यान केंद्रित करवाया गया।कार्यक्रम में नर्सरी से यूकेजी के नन्हे छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय निदेशक शैलेंद्र कुमार और प्रबंध निदेशक विकास कुमार सिंह ने कार्यक्रम की बधाई देते हुए कहा की जल के बिना हम न तो जीवित रह सकते हैं और न ही कोई जीवनरूपी रचना अस्तित्व में आ सकती है। इसके साथ ही, जल हमें स्वच्छता, संपन्नता और समृद्धि की ओर ले जाता है। यह समुद्रों, नदियों, झीलों और तालाबों के रूप में प्रकृति में विद्यमान है और हमें इसे बचाएं, और संरक्षित रखने की जरूरत हैं।

परिजनों का आरोप कोशिला का प्रेम प्रसंग में गई जान, जांच की मांग

खबर मन्त्र संवाददाता

कुंदा (चतरा)। कोशीला मौत मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ है, परिजनों का आरोप है कि इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की जा रही है। धनंजय यादव नामक युवक ने फोन करके पैसे का प्रलोभन देकर बुलाया और फिर युवती बेहोशी की हालत में सड़क किनारे मिली। उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुंदा ले जाया गया, लेकिन वहां सिर्फ खानापूर्ति की गई। नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे प्रतापपुर स्वास्थ्य केंद्र रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। चिकित्सक ने बताया कि रास्ते में ही मौत हो गई थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या प्रतीत होती है, लेकिन मामले की छानबीन की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

देवों के देव महादेव

शिव मंत्र का प्रभाव

सभी देवी देवताओं में सबसे लोकप्रिय देवता भगवान शिव को माना जाता है। भगवान शिव को कल्याणकारी माना जाता है। माना जाता है कि भगवान शिव अपने भक्तों पर आने वाले कष्टों हरण कर लेतें। जब-जब देवताओं, ऋषि-मुनियों या फिर ब्रह्मांड में कहीं भी जीवन पर संकट आया है तमाम कष्टों के विष को भगवान शिव ने धारण किया है। भगवान शिव की आराधना बहुत ही सरल एवं बहुत ही फलदायी मानी गयी है। सोमवार को भगवान शिव की पूजा का दिन माना जाता है। यहां आपको बता रहे हैं भगवान शिव के कुछ लोकप्रिय मंत्र जिनसे आप भगवान शिव की आराधना कर उन्हें प्रसन्न कर सकते हैं और उनकी कृपा पा सकते हैं। शिव मूल मंत्र

ॐ नमः शिवाय॥

यह भगवान शिव का मूल मंत्र हैं। मंत्रों में सबसे लोकप्रिय मंत्र भी है जिसे हिंदू धर्म में आस्था रखने वाला हर शिव उपासक जपता है। इस मंत्र की खास बात यह है कि यह बहुत ही सरल मंत्र है जिसके द्वारा कोई भी भगवान शिव की उपासना कर सकता है। इस मंत्र में भगवान शिव को नमन करते हुए उनसे स्वयं के साथ-साथ जगत के कल्याण की कामना की जाती है।

बासुकीनाथ पाण्डेय

शास्त्रों में श्रावण मास को महत्त्वपूर्ण मास बताया गया है। इस माह में की गयी शिव की आराधना विशेष पुण्यदायी मानी गई है। श्रावण का तात्पर्य सुनने योग्य होता है। श्रावण का अर्थ सुनना है तो श्रावण का अर्थ सुने जाने योग्य होगा।

सुना क्या जाना चाहिए?

वेद ज्ञान की बातें। इसे सुनने के कारण ही इसका नाम श्रुति पड़ा है। आषाढ़ पूर्णिमा के बाद श्रावण की शुरूआत होती है। आषाढ़ पूर्णिमा को गुरुपूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। गुरुपूर्णिमा में गुरु से दीक्षा ली जाती है। शिष्य को दीक्षा देकर गुरु उन्हें आत्मकल्याणकारी वेद-ज्ञान का उपदेश देते हैं और शिष्यों से उनका नियमित श्रवण, पठन, चिन्तन-मनन व उनके अनुसार आचरण की आज्ञा देते हैं। गुरु से प्राप्त वेदज्ञान का श्रवण श्रावण से ही शुरू होता है। अर्थात कल्याणकारी यात्रा का शुभारम्भ होता है श्रावण से। यानि प्राप्त गुरुज्ञान का श्रवण के साथ आचरण शिष्यों का शिव अर्थात कल्याण करने वाला होता है। इसीलिए भी श्रावण महत्त्वपूर्ण हो जाता है।

शिव है कल्याण के देवता

शिवजी को शुभ और कल्याण का देवता माना गया है। श्रावण में शिवजी का महाभिषेक करने का फल अनन्त गुना बताया गया है। इस समय स्वयं प्रकृति देवी भी अपनी रिमझिम बारिश की बून्दों से महाकाल महारुद्र का महारुद्राभिषेक करती नजर आती है। मनुष्य यदि निष्ठापूर्वक शिव-आराधना करे तो उसे कई तरह के लाभ होंगे, इसमें कोई सन्देह नहीं।

असाध्य को साध्य बनाता है श्रावण माह

शिव की साधना-अराधना का पूरे साल असीम पुण्यलाभ मिलता है लेकिन आस्थावान, विवेकी एवं विचारशील लोग श्रावण महीने का उपयोग विशेष तप के लिए करते हैं। तपस्वियों एवं साधकों का अनुभव है कि इस महीने तप करके असाध्य को साध्य बनाया जा सकता है।

पूर्व जन्म के पापों का होता है शमन

गुरुपूर्णिमा से श्रावण पूर्णिमा तक का प्रत्येक दिन साधना के लिए विलक्षण मुहूर्त है। इसे किसी भी तरह नहीं गंवाना चाहिए। श्रावण मास में की गई शिव साधना से दुष्कर प्रारब्ध एवं संचित कुसंस्कारों का दहन-शमन होता है। जिनके भीतर इसे करने के लिए अपेक्षित शारीरिक सामर्थ्य एवं मनोबल हो, उन्हें इस पवित्र मास में यह साधना-पुरुषार्थ अवश्य करना चाहिए।

श्रेष्ठ मन्त्र, शिव मंन्त्र

शिव से जुड़ी हुई कई पौराणिक कथाएं भी काफी प्रचलित हैं। एक ऐसी ही प्रेरणादायक कथा है चित्रभानु की। चित्रभानु नाम का एक शिकारी था। वह जंगल के जानवरों का शिकार कर अपना भरण-पोषण करता था। उसने एक सेठ से कर्ज ले रखा था लेकिन चुका नहीं पा रहा था एक दिन सेठ ने उसे शिव मठ में बंदी बना लिया संयोगवश उस दिन महाशिवरात्रि थी लेकिन इसका चित्रभानु को जरा भी भान न था। वह तल्लीनता से शिवकथा, भजन सुनता रहा। उसके बाद सेठ ने मोहलत देकर उसे छोड़ दिया। उसके बाद वह शिकार की खोज में जंगल में निकल पड़ा। उसने एक तालाब के किनारे बिल्व वृक्ष पर अपना पड़ाव डाल दिया। उसी वृक्ष के नीचे बिल्व पत्रों से ढका हुआ एक शिवलिंग भी था। शिकार के इंतजार में वह बिल्व पत्रों को तोड़कर नीचे फेंकता रहा जो शिवलिंग पर गिरते। कुछ

शिवकथा का असर कुछ अंजाने में महाशिवरात्रि के दिन वह भूखा प्यासा रहा तो उसका उपवास भी हो गया, बिल्व पत्रों के अर्पण से अंजानें में ही उससे भगवान शिव की पूजा भी हो गई इस सबसे उसका हृद्य परिवर्तन हो गया व एक के बाद एक अलग-अलग कारणों से मृगों पर उसने दया दिखलाई। इसके बाद वह शिकारी जीवन भी छोड़ देता है और अंत समय उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। कहानी का निष्कर्ष है कि भगवान शिव शंकर इतने दयालु हैं कि उनकी दया से एक हिंसक शिकारी भी हिंसा का त्याग कर करुणा की साक्षात मूर्ति हो जाता है।

महामृत्युंजय मंत्र

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धि पुष्टिवर्धनम
उर्वारुकमिव बन्धनात मृत्योर्मुक्षीय मामृतात॥

यह माना जाता है कि इस महामृत्युंजय मंत्र के जाप से भगवान शिव को प्रसन्न कर उनकी असीम कृपा तो प्राप्त होती ही है साथ ही यदि साधक इस मंत्र का सवा लाख बार निरंतर जप कर ले तो वर्तमान अथवा भविष्य की समस्त शारीरिक व्याधियां एवं अनिष्टकारी ग्रहों के दुष्प्रभाव समाप्त किये जा सकते हैं। यह भी माना जाता है कि इस मंत्र की साधना से अटल मृत्यु को भी टाला जा सकता है। इस मंत्र का उल्लेख ऋग्वेद में हुआ है। मंत्र में कहा गया है कि जो त्रिनेत्र हैं एवं हर सांस में जो प्राण शक्ति का संचार करने वाले हैं जिसकी शक्ति समस्त जगत का पालन-पोषण कर रही है हम उन भगवान शंकर की पूजा करते हैं। उनसे प्रार्थना करते हैं कि हमें मृत्यु के बंधनों से मुक्ति दें ताकि मोक्ष प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त हो। जिस प्रकार ककड़ी पक जाने पर बेल के बंधन से मुक्त हो जाती है उसी प्रकार हमें भी ककड़ी की तरह इस बेल रुपी संसार से सदा के लिए मुक्त मिले एवं आपके चरणामृत का पान करते हुए देहत्याग कर आप में ही लीन हो जाएं।

इस महामृत्युंजय मंत्र के 33 अक्षर हैं। महर्षि वशिष्ठ के अनुसार ये 33 अक्षर 33 देवताओं के प्रतीक हैं जिनमें 8 वसु, 11 रुद्र, 12 आदित्यठ, 1 प्रजापति एवं 1 षटकार हैं। इसलिए माना जाता है कि इस मंत्र सभी देवताओं की संपूर्ण शक्तियां विद्यमान होती हैं जिससे इसका पाठ करने वाले को दीर्घायु के साथ-साथ निरोगी एवं समृद्ध जीवन प्राप्त होता है। कुछ साधक इस महामृत्युंजय मंत्र में संपुट लगाकर भी इसका उच्चारण करते हैं जो निम्न है:

रुद्र गायत्री मंत्र

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि
तन्नो रुद्रः प्रचोदयात॥

भगवान रुद्र अर्थात शिव साक्षात महाकाल हैं। सृष्टि के अंत का कार्य इन्हीं के हाथों है। उन्हें सृष्टि का संहारकर्ता माना जाता है। सभी देवताओं सहित तमाम दानव, मानव, किन्नर सब भगवान शिव की आराधना करते हैं। लेकिन मानसिक रुप से विचलित रहने वालों को मन की शांति के लिए रुद्र गायत्री मंत्र से भगवान शिव की आराधना करनी चाहिए। जिन जातकों की जन्म पत्रिका अर्थात कुंडली में कालसर्प, पितृदोष एवं राहु-केतु अथवा शनि का कोप है इस मंत्र के नियमित जाप एवं नित्य शिव की आराधना से सारे दोष दूर हो जाते हैं। इस मंत्र का कोई विशेष विधि-विधान भी नहीं है। इस मंत्र को किसी भी सोमवार से प्रारंभ किया जा सकता हैं। अगर उपासक सोमवार का व्रत करें तो श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

स्वंय में शिवतत्व को पाना ही शिव की पूजा

निधि सिंह

श्रीमद् भागवत में एक प्रसंग है कि एक बार देवताओं और दैत्यों ने मिल कर भगवान के निर्देशानुसार समुद्र मंथन की योजना बनाई ताकि अमृत प्राप्त किया जा सके। परंतु उस समुद्र मंथन के समय सबसे पहले हलाहल विष निकला था। वह विष इतना विषैला था कि उससे समस्त जगत भीषण ताप से पीड़ित हो गया था। देव-दैत्य बिना पिए उसको सूंघते ही बेसुध से हो गए।

तब भगवान ने अपनी शक्ति से उनको ठीक किया। देवों ने जब इस विष से बचने का उपाय पूछा तो भगवान ने कहा कि शिवजी से अगर आप सब लोग प्रार्थना करें तो वे इसका हल निकाल लेंगे। श्रीशिव जी महाराज ने देवताओं की प्रार्थना पर भगवान की प्रसन्नता के लिए उस हलाहल विष को पीने का निर्णय लिया। आपने अपने हाथों में उस विष को लिया व पी गए। किंतु उसको निगला नहीं। आपने विचार किया कि मेरे हृदय में रहने वाले भगवान को यह रुचेगा नहीं। इसलिए आपने वह विष अपने गले में ही रोक लिया। जिसके प्रभाव से आपका गला नीला हो गया और आप नीलकंठ कहलाए। आपकी ऐसी अद्भुत व अलौकिक चेष्टा की याद में ही श्री शिवरात्री मनाई जाती है।हम सबों का ईशारा किया है कि जो भी धन संपदा और शक्ति मनुष्यों को प्राप्त हुई है, शिव की कृपा से हुई है। इस अमृत रूपी संपदा और शक्ति को जगत के कल्याण में लगा दो यही शिवत्व है। हलाहल आपके विरूद्ध अनर्गल प्रलाप विष है, अपने ज्ञान, भक्ति, योग और सेवा से कंठ के अन्दर ही दबाकर रखें, इसे कदापि कंठ के नीचे न जाने दें।शिव को समझने के लिए उन कथाओं का भी सहारा लेना पड़ेगा जिसकी एक प्रचलित कथा है कि ब्रह्मा जन्मदाता, विष्णु पालनकर्त्ता और शिव संहारकर्त्ता है। इस कथा के भाव से प्रतीत होता है कि शिव बहुत भंयकर और निष्ठुर है किन्तु बात ऐसी नहीं है। इस कथा का ऊपरी भाव जैसा दिख रहा है, वास्तव में वैसा नहीं है। यह सभी जानते है कि जिसका जन्म हुआ है, उसका एक न एक दिन मृत्यु होना है। श्वांस का आना-जाना ही जीवित होने की पहचान है। श्वांस का रूकना जीवन का अन्त है। सृष्टि की रचना ईश्वर की अनुपम कृति है। सृष्टि में आना एक अवसर है। मेरे पूर्व भी सृष्टि थी, और आगे भी रहेगी। शिव ने संहार को एक सुअवसर बताया है। इस संसार के विविध रूप है, जो अनादि काल से अनन्त काल की लगातार बढ़ता ही चला जा रहा है। एक क्षण के लिए भी रूक जाना, न जाने कितने अवसरों को कष्ट पहुँचाने के समान है। शिव कहते हैं, संहार सृष्टि का शाश्वत नियम है। यह गतिमान है। इसे रोका नहीं जा सकता। यही सत्य है, शिव है और सुन्दर है।

'शिव' एक जीवन पद्धति है, विचार धारा है, जीवन जीने की कला का मार्ग प्रशस्त करता है। नीलकंठ भगवान शिव जटाधारी, समाधिस्थ सर्पधारी, माथे पर चन्द्रमा, जटा के मध्य निकलती गंगा, विभूति लपेटे रूप, डमरू और त्रिशूल के माध्यम से हम संसार वासियों से क्या कहना चाहते हैं ?.. जटा, त्याग, वैराग्य और अपरिग्रह का संदेश देता है। संसार नाशवान और चलायमान है। इससे ज्यादा मोह दुःख का कारण है। त्याग, वैराग्य और अपरिग्रह का मार्ग ही श्रेयस्कर है। समाधि की अवस्था अर्थात अपने मन मंदिर में शिवतत्व का जागरण तथा स्वंय के

अन्दर विद्यमान शिव को जानना। जब मनुष्य शिवभक्ति में लिन होता है, उसकी रक्षा सर्परूप में स्वंय शिव करते हैं तथा संसार के सभी सभी जीवों से प्रेम करने का भी सीख दते है। चन्द्रमा शीतलता और विवेक का प्रतीक है, विषम परिस्थितियों में भी हम सबों को अपने अन्दर विद्यमान शान्ति व शीतलता को नहीं खोना है। गंगा का स्थूल अर्थ जल है। जल सृस्टि को चलाने के लिए ईश्वर की अनुपम निधि है, इसका सदुपयोग और संर्वधन अर्थात शिव की ही पूजा के समान है। बाह्य सौन्दर्य पर राख का लेप अर्थात विभूति मन की पवित्रता की सीख देती है। डमरू आनन्द का प्रतिक है। शिव की उपासना और दूसरों की भलाई-सेवा ही सच्चा आनन्द है। त्रिशूल शिव के बताये मार्ग पर चलने वालों के लिए अभय प्रदान करता और प्रतिकुलगामियों नाश। भगवान शिव वह शाश्वत तत्व है, जो इस सृष्टि का सार है। इस तत्व से ही सब कुछ उपजा है। इसमें ही सब कुछ विलीन हो जाना है। शिव रात्रि का शुभ काल शिव-तत्व को जगाने के लिए है, जो चेतना का सबसे अच्छा पहलू है। अर्थात स्वंय मे शिवतत्व को पाना ही शिवरात्रि।

विश्व के आठ पवित्र स्थलों में एक है पशुपतिनाथ

भारत के अमरनाथ व केदारनाथ से किसी भी प्रकार कम नहीं है। पशुपतिनाथ मंदिर नेपाल की राजधानी काठमांडू से तीन किलोमीटर उत्तर-पश्चिम देवपाटन गांव में बागमती नदी के तट पर स्थित है। यह मंदिर भगवान शिव के पशुपति स्वरूप को समर्पित है। यूनेस्को विश्व सांस्कृतिक विरासत स्थल की सूची में शामिल भगवान पशुपतिनाथ का मंदिर नेपाल में शिव का सबसे पवित्र मंदिर माना जाता है। यह मंदिर हिन्दू धर्म के आठ सबसे पवित्र स्थलों में से एक है। नेपाल में यह भगवान शिव का सबसे पवित्र मंदिर है। इस अंतर्राष्ट्रीय तीर्थ के दर्शन के लिए भारत के ही नहीं, अपितु विदेशों के भी असंख्य यात्री और पर्यटक काठमांडू पहुंचते हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार भगवान शिव यहां पर चिंकारे का रूप धारण कर निद्रा में चले बैठे थे। जब देवताओं ने उन्हें खोजा और उन्हें वाराणसी वापस लाने का प्रयास किया तो उन्होंने नदी के दूसरे किनारे पर छलांग लगा दी। कहा जाता हैं इस दौरान उनका सींग चार टुकडों में टूट गया था। इसके बाद भगवान पशुपति चतुर्मुख लिंग के रूप में यहां प्रकट हुए थे।

पशुपतिनाथ लिंग विग्रह में चार दिशाओं में चार मुख और ऊपरी भाग में पांचवां मुख है। प्रत्येक मुखाकृति के दाएं हाथ में रुद्राक्ष की माला और बाएं हाथ में कमंडल है। प्रत्येक मुख अलग-अलग गुण प्रकट करता है। पहला मुख 'अघोर' मुख है, जो दक्षिण की ओर है। पूर्व मुख को 'तत्पुरुष' कहते हैं। उत्तर मुख 'अर्धनारीश्वर' रूप है। पश्चिमी मुख को 'सद्योजात' कहा जाता है। ऊपरी भाग 'ईशान' मुख के नाम से पुकारा जाता है। यह निराकार मुख है। यही भगवान पशुपतिनाथ का श्रेष्ठतम मुख माना जाता है।

1747 से ही नेपाल के राजाओं ने भारतीय ब्राह्मणों को आमंत्रित किया है। इसके पीछे यह तथ्य बताये जाते हैं कि भारतीय ब्राह्माण हिन्दू धर्मशास्त्रों और रीतियों में ज्यादा पारंगत होते हैं। बाद में 'माल्ला राजवंश' के एक राजा ने दक्षिण भारतीय ब्राह्मण को 'पशुपतिनाथ मंदिर' का प्रधान पुरोहित नियुक्त किया। दक्षिण भारतीय भट्ट ब्राह्मण ही इस मंदिर के प्रधान पुजारी नियुक्त होते रहे हैं।

मंदिर के निर्माण का कोई प्रमाणित इतिहास तो नहीं है किन्तु कुछ जगह पर यह जरुर लिखा गया है कि मंदिर का निर्माण सोमदेव राजवंश के पशुप्रेक्ष ने तीसरी सदी ईसा पूर्व में कराया था।

स्पीड न्यूज

फुटकलटोली में खुला नेचुरल सुपर मार्ट

रातू। फुटकलटोली स्थित अयूब कॉम्प्लेक्स में नेचुरल सुपर मार्ट का शुभारंभ किया गया। इसका उद्घघाटन पूर्व जिप सदस्य अकलिमा खातून और प्रखंड अंजुमन के अध्यक्ष अताउल्लाह अंसारी ने फीता काटकर किया। मौके पर अरशद अयूब, अंजुम खान, सिन्दबाज खान, शहनवाज खान, प्रो रेहान अंसारी, मोजाहिद अंसारी, जहीर अब्बास, पप्पू अंसारी व महमूद राय आदि दर्जनों लोग मौजूद थे।

महिला के साथ मारपीट और छेड़छाड़ चार पर केस

- पुलिस कर रही जांच
- सभी आरोपी हैं फरार

रातू। थाना क्षेत्र में जमीन विवाद गहराता जा रहा है। इससे खूनी संघर्ष की आशंकाएं अब सच साबित होने लगी है। किसी की निजी भू-खंड पर कब्जा करने में असफल होने पर लोग घर की महिलाओं के अस्मत की आड़ में जंग जीतने की कोशिश कर रहे हैं। ताकि, उनका पक्ष मजबूत हो सके। इसका उदाहरण है फुटकलटोली। शुक्रवार की रात 8:30 बजे एक ही परिवार के दो पक्षो के बीच जमीन की स्वामित्व को लेकर ऊपजे विवाद में जमकर मारपीट हुयी थी। इसमें शरफराज अंसारी व साकिब अंसारी जख्मी हो गये थे। घायल साकिब अंसारी के ब्यान पर रातू थाने में मुस्ताक अंसारी व मुस्तफा अंसारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। इधर, आरोपियों ने अपनी सगी बहन फातमा खातून को आगे कर रफीक अंसारी,सरफराज अंसारी, सफीक अंसारी और साकिब अंसारी पर केस करा दिया। इन पर पीड़िता और उसकी भाभी फरजाना खातून को गाली-गलौज, मारपीट और उसके कपड़े फाड़ छेड़खानी करने का आरोप है। घटना 19 जुलाई शाम 6 बजे की बतायी जा रही है। पुलिस इसकी तफ्तीश में जुट गयी है।

रातू : चोरी की चार मोबाइल के साथ युवक धराया

रातू। पुलिस ने काठीटांड़ निवासी रंजीत कुमार की लिखित शिकायत पर पंडरा ओपी क्षेत्र के नोवा नगर से सौरभ कुमार नामक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से श्री कुमार का आई फोन समेत चोरी की तीन अन्य मोबाइल बरामद किये गये हैं। इसकी जांच की जा रही है। थानेदार एसवी चौधरी ने बताया कि सोमवार को उसे जेल भेज दिया जायेगा।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

सावन की पहली सोमवारी आज : बोल बम के जयकारे से गूंजा कांवरिया मार्ग

गिरधारी लाल जोशी

कांवरिया मार्ग से। सावन में सुलतानगंज से देवघर 105 किलोमीटर का रास्ता गेरुआ वस्त्रधारी कांवड़ियों से गुलजार है। दिन - रात बोलबम के नारों से गुंजायमान है। कहीं भी तिल रखने की जगह नहीं है। कल सावन की पहली सोमवारी है। 22 जुलाई से 19 अगस्त तक सावन है। सावन की तैयारियों का जायजा शनिवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गांडेय की विधायक व अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ देवघर पहुंच लिया। बिहार सरकार के छह मंत्री भागलपुर के सुलतानगंज का दौरा कर चुके है। बिहार सरकार ने इसे राजकीय मेला का दर्जा दिए हुए है। इसलिए किसी तरह की चूक न हो जाए, इस बात का ध्यान भागलपुर के डीएम डा. नवल किशोर चौधरी खुद रखे है। गंगा नदी में जालियों के साथ बैरिकेटिंग की गई है। ताकि कोई कांवड़िया डूब न जाएं। इसके लिए सरकारी तौर पर नाव व तैराक तैनात किए है। जगह - जगह पुलिस के जवान तैनात है। सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम का दावा किया गया है। केवल देवघर में बारह हजार जवान तैनात किए गए है। वहीं वासुकीनाथ में तीन हजार कांस्टेबल सुरक्षा का जिम्मा संभाल रहे है। बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक करने के बाद बाबा वासुकीनाथ पूजा करने श्रद्धालु जाते है। कांवड़ियों की मान्यता है कि बाबा बैद्यनाथ सिविल कोर्ट है तो बाबा वासुकीनाथ फौजदारी अदालत है। जहां तुरंत सुनवाई होती है। यह इनकी अटूट आस्था का मामला है। दरअसल सुलतानगंज में गंगा नदी आकर उत्तरवाहिनी हुई है। पुराणों में उल्लेख है कि जाह्नवी ऋषि तपस्या में लीन थे। और भागीरथ अपने तप से गंगा को धरती पर ला रहे थे। इसी दौरान खलखल करती गंगा की धारा के शोर से ऋषि का ध्यान टूटा गया। और गुस्से में आचमन कर पूरी गंगा को पी गए। यह देख भागीरथ स्तब्ध रह गए। और उनके सामने हाथ जोड़कर विनती की। तब ऋषि ने जांघ चीरकर गंगा की धारा निकाली। गंगा की धारा सुलतानगंज में उसी दिन से उत्तरवाहिनी हुई। तब से ही श्रद्धालुओं के लिए यहां की गंगा नदी विशेष महत्व रखती है। और यह श्रद्धा का केंद्र बन गया। शिवभक्त कांवड़ में जल भरकर देवघर ज्योर्तिलिंग का जलाभिषेक करते है। सावन के महीने में लाखों कांवड़िए पहाड़ों, जंगलों, और नदी नालों से होकर गुजरते है। इस दुर्गम यात्रा को छोटे - बड़े - बच्चे और महिलाएं गेरुआ बाना पहने बोल बम के नारे लगाते हुए नंगे पांव पैदल तय करते है। यह सिलसिला अनवरत शुरू हो चुका है। लोगों की मान्यता है कि सावन में उत्तरवाहिनी गंगा नदी का जल बाबा के शिवलिंग पर चढ़ाने से लोगों की मनोकामनाएं पूरी होती है। देवघर बाबा मंदिर पहुंचकर श्रद्धालु 22 मंदिरों में पूजा - अर्चना करते है। सुलतानगंज से देवघर 105 किलोमीटर का रास्ता कांवर में बंधे घंटियों से टुनटुन की आवाज से गूंज रहा है। हरेक साल सावन के मेले में देश ही नहीं नेपाल, भूटान, सूरीनाम जैसे विदेशों से भी तीर्थ यात्री आते है। एक अनुमान के मुताबिक बीते साल 50 लाख श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जलार्पण किया था। अबकी दफा प्रशासन का अंदाजा बीस फीसदी बढ़ोतरी का है। झारखंड और बिहार सरकार ने मेले के दौरान व्यापक इंतजाम करने का दावा किया है। रेलवे ने भी छह विशेष ट्रेनें चलाने और सुलतानगंज स्टेशन पर हरेक ट्रेन का ठहराव की घोषणा की है। सुल्तानगंज और देवघर मंदिर प्रांगण में भीड़ पर कड़ी निगाह रखने के लिए सीसीटीवी लगाए गए है। गंगा घाटों पर हाईमास्क लाइट लगाई गई है।

.... और चल पड़ीं 'माता बम'

सावन महीने की पहली सोमवारी को बाबा बैद्यनाथ को जलाभिषेक करने के लिए मुजफ्फरपुर की कृष्णा बम सुल्तानगंज के पवित्र उत्तर वाहिनी गंगा तट पहुंची। जहां गंगा स्नान करने के बाद गंगाजल भरकर डाक कावरिया के रूप में पैदल बाबाधाम के लिए रवाना हुई। 'माता बम' के नाम से मशहूर कृष्णा बम ने बताया कि वह 40 वर्षों से लगातार सावन के प्रत्येक सोमवार को सुल्तानगंज से 105 किलोमीटर की दूरी 16 से 18 घंटे में तयकर बाबा बैद्यनाथ को जलाभिषेक करते आई हैं। स्वास्थ्य कारणों से पिछले वर्ष वह बाबा को जलाभिषेक नहीं कर पाई थी। लेकिन इस वर्ष फिर से वह डाक बम के रूप में बाबा को जलाभिषेक करने जा रही है। जबकि उनकी उम्र 72 साल की हो चुकी है। फिर भी बाबा भोलेनाथ की प्रेरणा से जलाभिषेक करने जा रही है। साथ ही कृष्णा बम ने बताया कि वह विश्व के सभी तीर्थ स्थलों का पैदल और साइकिल से दर्शन कर चुकी है। साथ ही कृष्णा बम ने बताया कि गुरु पूर्णिमा को जो व्यवस्था जिला प्रशासन और राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष देखने को मिलता था, वह व्यवस्था इस बार नदारद दिख रही है। उत्साह से लबरेज उन्होंने कहा कि बाबा बैद्यनाथ को जलाभिषेक करना ही मेरा मुख्य केंद्र हैं।

सीएमडी ने किया अग्नि प्रभावित क्षेत्र का दौरा

- कोयला मंत्री के कार्यक्रम को लेकर रेस हुआ बीसीसीएल
- झरिया मास्टर प्लान के मंजूरी के आसार बढ़े

रामपूर्ति पाठक

धनबाद। कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी के आगम को लेकर धनबाद में बीसीसीएल की गतिविधि अचानक तेज हो गई है। उच्च अधिकारियों को टास्क दिया जा रहा है। वही सीएमडी समीरन दत्ता कोल एरिया के दौरे पर निकल निरीक्षण में लगे हुए है।बीसीसीएल के अधिकारियों की टीम उन स्थानों पर ज्यादा फोक्स कर रही है, जहा कोयला मंत्री की पहुंचने की संभावना है। केंद्र में एनडीए की सरकार बनने के बाद कोयला मंत्री का यह पहला धनबाद दौरा है। बीसीसीएल सीएमडी समीरन दत्ता रविवार को बाँसजोड़ा निरीक्षण करने पहुंचे।सीएमडी बांसजोड़ा 12 नंबर फायर व बांसजोड़ा का बंद उत्खनन परियोजना के पास गए।। उन्होंने यहांन भूमिगत आग व गैस रिसाव को करीब से देखा।कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी का देश की कोयला राजधानी धनबाद में 24 जुलाई को प्रस्तावित दौरा है। सीएमडी श्री दत्ता ने अधिकारियों से मंथन करते हुए कहा कि आग,भूधसान एंव गैस रिसाव के बीच किस तरह से लोग रह रहे,कैसे कोयले का खनन होता है।इस पर फोकस होगा।कोयला मंत्री को आग व गैस रिसाव से उत्पन्न स्थिति और उसके बचाव के उपाय पर ध्यानाकृष्ट कराना है।

जदयू ने धनबाद झरिया और टुण्डी पर ठोकी दावेदारी

धनबाद। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए में अभी से बगावत के सुर निकलने शुरू हो गए है। एनडीए के सहयोगियों के साथ बिना विचार विमर्श के जदयू ने जिले के तीन विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। पार्टी के जिला अध्यक्ष पिन्टू सिंह ने रविवार को सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता के दौरान यह यह खुलेआम एलान कर भाजपा की परेशानी बढ़ा दी है। उन्होंने बताया कि आज जिला कार्य समिति की बैठक में धनबाद, झरिया और टूण्डी विधानसभा क्षेत्र से अपना प्रत्याशी उतारने का निर्णय लिया गया है। इसकी सूची प्रदेश अध्यक्ष खिरू महतो ने पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार को पूर्व में ही सौंप दी है।

पूजा-अर्चना कर बेड़ो से 46 कांवरियों का जत्था रवाना

संवाददाता

बेड़ो। कांवरिया संघ बेड़ो के बैनर तले 46 कांवरियों का पहला जत्था रविवार की सुबह दस बजे ध्रीनेश्वर ज्योर्तिलिंग, भीमशंकर ज्योर्तिलिंग, त्र्यम्बकेश्वर ज्योर्तिलिंग, सोमनाथ ज्योर्तिलिंग, नागेश्वर ज्योर्तिलिंग व द्वारिका धीश बाबा के दर्शन व जलाभिषेक करने के लिए रवाना हो गया। इसके पूर्व कांवरियों ने महादानी बाबा की पूजा अर्चना व आराधना कर दरबार में मत्था टेका। साथ ही क्षेत्र में सुख समृद्धि की कामना किया। इस दौरान बोल बम व महादानी बाबा के जयघोषों से मंदिर का परिसर आह्लादित व गुंजित रहा। जत्थे का नेतृत्व कर रहे जितेंद्र पाठक ने बताया कि पूरा जत्था एक साथ यहां से सीधे झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात के छह ज्योर्तिलिंग में जलाभिषेक करेंगे। इसके बाद वापसी करंगे। कांवरियों में महानंद सिंह, देवानंद सिंह, सीताराम सिंह, दुबराज सिंह, रामनारायण सिंह, हेमाचल सिंह, दुबराज सिंह, सुदामा गोप,गंदुर, मनु, रौशन, अनुज सहित अन्य शामिल है।

सफलता का कोई शॉटकट रास्ता नहीं इसके लिए कड़ी मेहनत जरूरी : डॉ लम्बोदर

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा । जेडी नेशनल बीएड कालेज अनगड़ा में झारखंड कुरमी महासभा अनगड़ा के तत्वावधान में रविवार को10वीं जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित गोमिया विधायक लम्बोदर महतो ने छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि सकारात्मक सोच के साथ लक्ष्य प्राप्ती की ओर आगे बढ़ना है। सफलता का कोई शॉर्टकट रास्ता नहीं है। इसके लिए कड़ी मेहनत इमानदारी और लगन के साथ ही लक्ष्य को प्राप्त करने की लगन जरूरी है। उन्होंने समय प्रबंधन पर छात्र छात्राओं को विशेष ध्यान देने की अपील की । शिक्षा से ही प्रगति संभवः विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने कहा कि शिक्षा के बिना समाज प्रगति नहीं कर सकता हैं इसलिए शिक्षा प्राप्त करना समाज के बच्चे बच्चियों जरूरी है। समारोह मे छात्र छात्राओं के द्वारा रंगारग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए 10वीं और 12वीं की वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुरमी समाज के करीब पचास छात्र छात्राओं को प्रतिभा सम्मान प्रसस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया । समारोह मेंविशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद रामटहल चौधरी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर गांधी रणधीर चौधरी प्रदेश अध्यक्ष कुमेश्वर महतो विमला देवी कारीनाथ महतो पंकज कुमार महतो, श्रीमती शांति महतो गोविन्द महतो रीता देवी डॉ राजेश कुमार डॉ धनंजय कुमार उपेन्द्र सिंह स्मृति करियार अरविद सिह अतीश महतो रीना रानी जय प्रमा महते हीरा देवी तथा सुनीता देवी ने भी विचार व्यक्त किए ।

त्याग और बलिदान का संदेश देता है मुहर्रम

करांजी में मुहर्रम मेला सह अस्त्र शस्त्र चालन प्रतियोगिता आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

अस्त्र-शस्त्र चलन प्रतियोगिता का उद्घाटन करते अतिथि।

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के करांजी गांव में रविवार को मुहर्रम के अवसर पर सेंट्रल मुहर्रम कमेटी करांजी-जराटोली के द्वारा मेला का आयोजन हुआ।इसमें अस्त्र-शस्त्र चलाने की प्रतियोगिता हुई। जिसका शुभारंभ पूर्व डीडीसी सह समाजसेवी डा परमेश्वर भगत व मुखिया फ्रांसिस्का मिंज ने किया। इसमें शेरे इस्लामियां मुहर्रम कमिटि करांजी, मिल्लन क्लब ईराकी मोहल्ला, मुहर्रम कमिटि रहमत नगर, मुहर्रम अखाड़ा चांदनी चौक जराटोली, कर्बला चौक जराटोली से अखाड़ा पहुंचे। जहां लाठी, डंडे से खेल दिखाया। वहीं उत्कृष्ट खेल दिखाने वाले अखाड़ा को सम्मानित किया गया। इससे पहले आयोजकों द्वारा अतिथियों का स्वागत पगड़ी पहनाकर किया गया। साथ ही मुख्य अतिथि डा परमेश्वर भगत को तलवार देकर सम्मानित किया गया। मौके पर डा परमेश्वर भगत ने कहा कि मुहर्रम का पर्व त्याग, बलिदान का संदेश देता है। हमें इसे अपने जीवन में आत्मसात कर इस से सीख लेने की आवश्यकता है। वही गांव के सभी मुहर्रम कमेटियों द्वारा जुलूस निकाल कर पूरा गांव घुमाया गया। जहां अपने उत्साह व प्रदर्शन से मौजूद दर्शकों को रोमांचित किया। मौके पर पूर्व पंसस अमीन अंसारी, सदर सोएब, हाजी इस्माईल अंसारी, मंजूर अंसारी, आफताब खान, जाहिद आलम, जुलकरनैन अंसारी, तैयब अंसारी, ऐनुल अंसारी, तैबुल, साजिद सहित कई लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन कमेटी के नौशाद आलम, जाकिर अंसारी, हसीबुल अंसारी, अब्दुल मतीन अंसारी, शाहबान अंसारी, खालिद अंसारी, नईम अंसारी, सजाद अंसारी जमील अख्तर मो सनाउल्लाह बबलू खान, मुख्तार अंसारी, इमरान अंसारी, सगीर अंसारी, इबरार अंसारी, जुल्फान अंसारी, आजाद आलम, शमीम अंसारी, शहिद अंसारी, तैयब अंसारी, मुजीब अंसारी हारुन अंसारी रकीब अंसारी, अख्तर अंसारी, शोएब अंसारी, अब्दुल अंसारी,शकील अंसारी, तबरेज, शहबान, खालिद सहित कई लोगों ने सराहनीय योगदान दिया।

रातू के झिरी और काठीटांड़ में चलाया सफाई अभियान

जेसीबी से हटवाया गया कचरा

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। आजसू नेता भरत कांसी और जिप अध्यक्ष निर्मला भगत ने रविवार की शाम अनूठी पहल की। उन्होंने जेसीबी की मदद से झिरी स्थित रवि स्टील और काठीटांड़ चौक में बजबजाती नाली और दुर्गंध दे रहे कचरे को हटवा कर लोगों की दिलों में जगह बना ली। जलजमाव और कचरे की ढेर से यहां मलेरिया, डेंगू व डायरिया समेत कई संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका थी। इसके लिये ग्रामीण उनकी प्रशंसा करते थक नहीं रहे हैं। मौके पर चिंटू मिश्रा व विशाल कुमार आदि दर्जनों पार्टी कार्यकर्ता तथा ग्रामीण मौजूद थे। बताते चलें कि गंदगी की वजह से पिर्रा गांव डेंगू और मलेरिया की चपेट में है। लेकिन, स्थानीय सांसद और विधायक ने अब तक पीड़ित व संक्रमित परिवार की सुधि नहीं ली है। बीडीओ-सीओ ने भी प्रभावित गांव का दौरा नहीं किया है।

एक नजर में

जिला परिषद अध्यक्ष ने किसानों को दिये बीज

- पैंतालिश कृषक लाभांवित
- खिल उठे किसानों के चेहरे

रातू। जिप अध्यक्ष निर्मला भगत व प्रमुख संगीता तिर्की ने बीटीएम मुन्नी कुजूर की मौजूदगी में कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की ओर से चलायी जा रही फसल विस्तार योजना अंतर्गत प्रखंड के उषामातू एवं तारूप के 20 किसानों के बीच शत प्रतिशत अनुदान में प्रत्यक्षण के लिये ब्लॉकचेन के जरिये निबंधित कर मूंगफली के पांच-पांच पैकेट बीज का वितरण किया। जबकि, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत तारूप के 25 कृषकों को 50 किलो मक्का एवं इतनी ही मात्रा में अरहर बीज दिया गया। इससे उनके चेहरे खिल उठे। उन्होंने निर्मला और संगीता के प्रति आभार भी जताया। वहीं, श्रीमती कुजूर ने किसानों को बीज लगाने के विधि की जानकारी दी। उन्होंने लोगों से पीएम किसान व किसान समृद्धि योजना के तहत सोलर सिस्टम का लाभ उठाने की अपील की। मौके पर मुखिया अहिल्या कच्छप, पंचायत समिति सदस्य सलगी उरांव व उप मुखिया बंधू महतो समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

रातू : गुरु पूर्णिमा पर साईं मंदिर में उमड़ी भीड़

रातू। प्रखंड के टोंगरीटोली स्थित साईं पुरम की साईं मंदिर में रविवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विशेष अनुष्ठान आयोजित किया गया। महाभिषेक, पालकी यात्रा, हवन, महाआरती, धूपआरती, संध्या आरती, महाभंडारा व रंगारंग धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने बाबा के दर्शन-पूजन कर मन्नतें मांगी। सत्यनारायण पूजा भी हुयी। प्रसाद का भी वितरण किया गया। मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष वीरू सिंह, नितेश पाठक, रितेश पाठक, अभय सिंह, पंकज कुमार, सुनील गुप्ता, सूरज गुप्ता, संतोष सिंह, उर्मिला देवी, चिंता देवी, सीमा देवी, चंदन शाहदेव, शिव नारायण, सिद्धार्थ, शंभू झा, गणेश व भोला मौजूद थे।

बुढ़मू साईं मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना

बुढ़मू। रविवार को गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर स्थानीय साईं मंदिर में विशेष पूजा अर्चना, रुद्राभिषेक, हवन, महाआरती के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया। पूजा में यजमान के रूप में दर्शा शिवम व पंडित अजय मिश्रा सपत्नीक शामिल हुए। जबकि सभी धार्मिक अनुष्ठान पंडित आचार्य विनोद पाठक ने संपन्न कराया। मौके पर साईं सेवा ट्रस्ट के सचिव डॉ शिव कुमार तिवारी, गोपाल तिवारी, उमेश वैद्य, वैद्यनाथ ठाकुर, सुरेश ठाकुर, आदित्य कुशवाहा समेत अन्य साईं भक्त शामिल हुए।

कॉलेज निर्माण संघर्ष समिति का गठन

बुढमू। बुढ़मू प्रखंड में स्नातक स्तरीय शिक्षण संस्थान के निर्माण की मांग करने के लिए रविवार को भगवान बिरसा मुंडा स्टेडियम परिसर में ग्रामीणों की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान कॉलेज निर्माण संघर्ष समिति का गठन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कमलेश राम ने कहा कि बुढ़मू और खलारी में कुल 28 पंचायत है जिसमें प्रत्येक वर्ष हजारों बच्चें मैट्रिक और इंटर की परीक्षा पास करते है लेकिन पैसा की कमी के कारण विद्यार्थी आगे की पढ़ाई के लिए रांची नहीं जा पाते है और उनका पढ़ाई करने का सपना टुट जाता है। बुढ़मू में डिग्री कॉलेज की स्थापना होने से यहां के बच्चों का भविष्य सवंरेगा। श्यामलाल पहान की अध्यक्षता में आयोजित बैठक का संचालन अभय प्रसाद ने किया। मौके पर दिलीप साहु, कामेश्वर यादव, दीपक यादव, शंकर महतो, तुलसी मुंडा, फुलेश्वर बैठा, सोनू मुंडा, आनंद राज, राजेश महतो, देवदर्शन उरांव, राजू उरांव, हीरालाल महतो, राजकिशोर महतो, अशोक गंझू, बिरसा मुंडा, धर्मेश भगत सहित अन्य मौजूद थे।

रातू : सुभाष मुंडा का 26 को मनेगा शहादत दिवस

रातू। सीपीआई (एम) और आदिवासी अधिकार मंच के लोकप्रिय नेता शहीद सुभाष मुंडा शुक्रवार को शहादत दिवस पर श्रद्धा के साथ याद किये जायेंगे। 26 जुलाई 2023 की रात दलादिली रिंग रोड स्थित कार्यालय में अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उनकी स्मृति में सुभाष मुंडा चौक, दलादिली में होने वाली श्रद्धांजलि सह संकल्प सभा में पत्नी डॉ कीर्ति सिंह मुंडा, मां छोटन देवी, पिता ललित मुंडा समेत हजारों कार्यकर्त्ता शिरकत करेंगे। यह जानकारी पार्टी लोकल कमेटी के सचिव और नगड़ी प्रमुख मधुआ कच्छप ने दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की तैयारी की जा रही है।

मंडल कारा में लगा जेल अदालत तीन बंदी रिहा

धनबाद। झालसा के दिशा निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार राम शर्मा के आदेशानुसार आज मंडल कारा धनबाद मे जेल अदालत का आयोजन किया गया। इस बाबत जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार राकेश रोशन ने बताया कि अदालत में रेलवे मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में जेलर दिनेश वर्मा द्वारा चिन्हित 4 बंदियों को पीठासीन न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष हाजिर कराया गया।

श्रीराम को स्मरण कर संपन्न हुई रामार्चा पूजा, जाम्बवंत, हनुमान जी भी हुई पूजा

प्रत्यक्ष-परोक्ष रुप से प्रभु का साथ देने वालों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित, आज रामार्चा मैदान में दोपहर एक बजे से महाप्रसाद का वितरण

आज रुद्राभिषेक का आयोजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय की प्रमुख यजमानी में गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर रविवार को बारीडीह कार्यालय परिसर में रामार्चा पूजा विधि-विधान के साथ संपन्न हुई। रामार्चा पूजा का यह 24वां साल था। इस पूजा में प्रभु श्री राम, उनके परिजनों और उन सभी की पूजा की गई, जिन्होंने भगवान श्री राम का प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से साथ दिया था।

उनके सबके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर, उनका पूजन कर समस्त मानव की मंगलकामना के साथ पूजा संपन्न हुई। अब सोमवार को प्रातः 8 बजे से रुद्राभिषेक प्रारंभ होगा और दोपहर एक बजे से महाप्रसाद वितरण होगा। रविवार की सुबह पूजा नियत समय पर प्रारंभ हुई। सबसे पहले वेदी एवं स्थल पवित्रिकरण किया गया। फिर शांतिपाठ हुआ। इसके बाद संकल्पपूर्वक गौरी-गणेश, वरुण देवता का पूजन हुआ।

फिर रक्षा विधान, ब्राह्मण वरण हुआ। इसके बाद वेदी पर चार आवरण में भगवान श्रीराम सहित उनके पूरे परिवार, वीर बजरंग बली, नवग्रह, दस दिगपाल, भगवान शिव, सप्तऋषि, अष्ट वसु, वास्तु, शक्तियों की पूजा और पवित्र नदियों की पूजा इत्यादि की गई। पूजा चार आवरण में हुई।

रामार्चा पूजा करते विधायक सरयू राय व मधु जी, अन्य परिजन व भाजमो परिवार के लोग। बेदी की आरती करते विधायक सरयू राय।

प्रथम आवरण में माता गौरी और भगवान शिव की पूजा की गई। इनके अतिरिक्त तेरह देवताओं का आवाहन, स्थापन और पूजन किया गया।

दूसरे आवरण में श्री अयोध्या जी से लेकर अष्ठमंत्रियों तक कुल 21 देवताओं का आवाहन, स्थापन और पूजन किया गया। तृतीय आवरण में महाराज श्री दशरथ जी से लेकर भाईयों लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान जी तथा लक्ष्मण जी की पत्नी, भरत जी की पत्नी और शत्रुघ्न जी की पत्नी का आवाहन, स्थापन और पूजन किया गया। चतुर्थ आवरण में सीता माता संग भगवान श्रीराम का आवाहन, स्थापन और पूजन किया गया। इसके बाद यह बताया गया कि रामार्चा पूजा का महत्व क्या है, इसका इतिहास क्या रहा और इसे करने से कैसे इंसान पुण्य का भागी बनता है और बैकुंठ प्राप्त करता है। संध्या काल में हवन, पूणार्हुति, आरती, पुष्पांजलि, विसर्जन और प्रसाद वितरण का भक्तों के बीच किया गया। पूजा में प्रमुख यजमान सरयू राय के अलावा आशुतोष राय, पारूल सिंह, धर्मेंद्र तिवारी, सुबोध श्रीवास्तव, मंजू सिंह आदि बैठे थे। पूजन कार्य विनोद पांडेय, धनजी पांडेय, घनश्याम मिश्रा आदि ने संपन्न कराया। समस्त पूजन कार्य बेगूसराय से पधारे गौरीकांत ठाकुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

आज महाप्रसाद वितरण : रामार्चा मैदान में पंडाल तैयार हो गया है। सोमवार, 22 जुलाई को इसी मैदान में महाप्रसाद का वितरण होगा। पिछले कई वर्षों से हजारों की संख्या में श्रद्धालुगण यहीं प्रसाद पाते रहे हैं। इस साल भी लोगों को महाप्रसाद में बक्सर के मशहूर कारीगरों द्वारा बनाए गए हाथी कान पूड़ी खाने का अवसर मिलेगा।

देखते ही बन रही है वेदी की सुंदरता : रामार्चा पूजा में वेदी का स्थान सबसे अहम होता है। वेदी के चारों तरफ लोग बैठते हैं और पूजन विधि में हिस्सा लेते हैं। रामार्चा पूजा हेतु तैयार वेदी को केला के थंभ, तैयार फलों और चांदनी से सजाया गया था। वेदी के चारों तरफ, केले के चार थंभ लगाए गए थे और उन्हें चारों तरफ से गेंदा फूलों से सजाया गया था। वेदी के हर हिस्से को गेंदे की माला से सजाया गया था। वेदी के बीचोबीच कलश की स्थापना होती है और फिर समस्त पूजन का केंद्रबिंदु यही वेदी होता है।

स्पीड न्यूज

भ्रष्टाचार के आरोप में गुड़ाबांधा थाने के दो एएसआई और मुंशी सस्पेंड

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम के सीनियर एसपी किशोर कौशल ने गुड़ाबांधा थाने के दो एएसआई और मुंशी को सस्पेंड कर दिया है। तीनों पर एक व्यक्ति को थाने में बुला कर मारपीट करने और छोड़ने के एवज में 35 हजार रुपये रिश्वत लेने का आरोप है। इस मामले की शिकायत सांसद बिद्युतबरण महतो और पूर्व विधायक कुणाल षाडंगी तक पहुंची और तब मामला सीनियर एसपी तक पहुंचाया गया। सीनियर एसपी ने इस मामले की जांच डीएसपी स्तर के पदाधिकारी से करायी जिसमें शिकायत सही पाये जाने पर तीनों पुलिसकर्मियों क्रमशः एएसआई अजय सिंह, एएसआई जितेंद्र कुमार और मुंशी मुनी कुमार को निलंबित कर दिया गया। बनमाकड़ी गांव के रहने वाले सुभाष बेरा ने शिकायत की थी कि गत 15 जुलाई को उक्त पुलिसकर्मियों ने थाने बुलाकर बुरी तरह पीटा और छोड़ने के एवज में 35 हजार रुपये वसूल किए।

करणी सेना ने देवघर में श्रावण सेवा शिविर का किया शुभारंभ

जमशेदपुर। क्षत्रिय करणी सेना परिवार, झारखंड के प्रदेश संयोजक प्रेम सिंह के नेतृत्व में देवघर के रांगा मोड़ स्थित श्रावण महीने को देखते हुए पैदल चलने वाले लाखों शिव भक्तों के लिए निशुल्क सेवा शिविर का उदघाटन रविवार को मुख्य अतिथि युवराज सुधीर सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बिनय सिंह, प्रदेश संयोजक प्रेम सिंह और प्रदेश संरक्षक ध्रुव सिंह द्वारा फीता काट कर और दीप प्रज्योलित कर किया गया,अतिथियों का सम्मान तलवार भेंट कर और पुष्प गुच्छ देकर किया गया। अतिथी सम्मान के बाद सभी लोगों ने कावरियों के बीच फल का वितरण किया। प्रदेश संयोजक प्रेम सिंह ने बताया कि सेवा शिविर पूरे सावन भर चलेगा जिसमे श्रद्धालुओं को नि:शुल्क फल,चाय,शर्बत,मेडिकल से जुड़ी मदद व अन्य जरूरत की समाग्री का वितरण किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में पूरे झारखंड प्रदेश के हर जिले से पदाधिकारी मौजूद थे। मौके पर रूपेश सिंह, हरि सिंह राजपूत, रंजन सिंह, मोहित सिंह,लवकेश सिंह,हिमांशु सिंह, राजू रंजन व अन्य मौजूद थे।

रामकृष्णा फोर्जिंग लिमिटेड के प्लांट नंबर-5 में 477 यूनिट रक्तदान

गम्हरिया/जमशेदपुर। औद्योगिक क्षेत्र कोलाबिरा स्थित रामकृष्णा फोर्जिंग्स लिमिटेड के प्लांट 5 में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जमशेदपुर ब्लड डोनर एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस शिविर का उदघाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कंपनी के कार्यकारी निदेशक (वित्त) राहुल बगाड़िया ने विधिवत फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर किया। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है। एक व्यक्ति द्वारा दान किया गया रक्त दूसरे व्यक्ति को जीवन प्रदान करता है। ऐसे पुण्य कार्यों में सभी लोगों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। मौके पर उपस्थित सुरक्षा पदाधिकारी नवीन सिन्हा ने कहा कि रक्त का निर्माण किसी मशीन द्वारा नहीं किया जा सकता है। इसकी कमी को रक्तदान करके ही पूरा करना सम्भव है। उन्होंने बताया कि कंपनी की ओर से समय समय पर ऐसे शिविरों का आयोजन किया जाता है जिसे आपातकालीन स्थिति में कर्मचारियों, उनके परिवारों तथा आसपास के ग्रामीणों को जरूरत पड़ने पर उपलब्ध हो सके। इस शिविर में कंपनी के कर्मचारियों व पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

महिलाओ के प्रति सरकार का कोई विजन नहीं है : कन्हैया सिंह

आजसू पार्टी का मिलन समारोह संपन्न

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। आजसू पार्टी द्वारा आयोजित मिलन समारोह का आयोजिए जुगसलाई नगर परिषद के द्वारा पार्वती घाट बस्ती मे हुई जिसमे सैकड़ो महिलाये झामुमो छोड़ आजसू पार्टी का दामन थामा। मिलन समारोह की अध्यक्षता नगर परिषद के अध्यक्ष तनवीर आलम ने किया जबकि संचालन स्वरूप मल्लिक ने किया वही धन्यबाद प्रवीण प्रसाद ने किया।

मिलन समारोह मे बतौर अतिथि पार्टी के जिला अध्यक्ष कन्हैया सिँह ने कहा कि राज्य की सरकार को 5 वर्ष पुरे होने को है और पुनः वही लोग आप के पास आएंगे और नये माये जुमलों से फिर रिझायेंगे और तरह तरह के प्रलोभन देकर आपको गुमराह करेंगे। लेकिन आप माताओं -बहनो से गुजारिश करूँगा की आप उन वायदाखिलाफी करने वाले से सवाल करियेगा कि आप के पूर्व किये वायदे का क्या हुआ। कन्हैया सिंह ने कहा कि राज्य सरकार लूट खसोट के लिए सत्ता मे आई है और सत्ता मे बैठ मलाई खाएंगे और झूठ बोलकर आपके उम्मीदो को आपके अरमानो का गला घोटने का कार्य करेंगे।

मिलन समारोह में उपस्थित जिला अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी।

राज्य सरकार महिलाओ के साथ अबतक न्याय नहीं कर पा रही है जब देखिये अत्यचार और भ्रस्टचार सरकार की नियत बन गई है और नियत एयर नीति को नाकाम करने का कार्य आजसू पार्टी करेगी। पार्टी मे शामिल होने वाले मुख्य रूप से झामुमो नेत्री सपना टोप्पो, गुड़िया देवी, चैती देवी, भरत सरदार, धुर्व मल्लर, शरद सरदार, मोहित कालिंदी, देवदास सरदार, चम्पा मुखर्जी, किशन मुखर्जी, केशर मुखर्जी, प्रदीप मुखर्जी, मुखर्जी, विजय साव, गुड़िया देवी, धीरज प्रसाद, सुनिया कर्मकर, ज्योत्स्ना लोहार, सुनीता महतो, दुर्गा कालिंदी, सोना जी, आशा लोहार फातिया खातून, मुकेश, मो अनवर, सतीश कोहली, नीरज सह, विनीता गुप्ता, सीमा गुप्ता, दीपाली महतो, रिंकी मलहार, गुरवारी महतो, लिली प्रधान, बिभास प्रधान, सबना हांसदा, सबीना बेगम, आशा देवी समेत सैकड़ो महिलाये और युबा साथी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम मे अन्य वक्तओ मे जिला प्रवक्ता अप्पू तिवारी, अरुप मल्लिक, राजेंद्र सोनकर, रानी देवी, अमित मदने मौजूद रहे।

पतंजलि योग परिवार ने वैदिक यज्ञ हवन के साथ मनाया गुरु पूर्णिमा

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के तत्वावधान में भारत स्वाभिमान न्यास, पतंजलि योग समिति एवं समस्त जिला पतंजलि योग परिवार ने मिलकर बड़ा हनुमान मंदिर परिसर मानगो में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रजनन से हुई जिसमें पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के प्रसिद्ध आयुर्वेद चिकित्सक डॉ मनीष डूडिया, पतंजलि योग समिति पूर्वी सिंहभूम के जिला प्रभारी कृष्ण कुमार, बड़ा हनुमान मंदिर के अध्यक्ष रामाश्रय प्रसाद सिंह, सहसचिव उमेश चंद्र सिंह पतंजलि भारतीय शिक्षा समिति के समन्वयक अर्जुन शर्मा, पतंजलि युवा भारत के जिला प्रभारी रवि नंदन और पतंजलि किसान सेवा समिति के जिला प्रभारी बिहारी लाल उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में योग और ध्यान का सत्र हुआ जिसका संचालन पतंजलि योग शिक्षिका बबीता देवी और योग प्रशिक्षक विपिन कुमार ने किया।

टाटा मोटर्स की टीम आरके सिंह के नेतृत्व में बोलबम रवाना

रविवार को टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष गुरमीत सिंह और महामंत्री आर के सिंह के नेतृत्व में यूनियन के बम देवघर के लिए बस सेवा द्वारा टीम रवाना हुए। बाबा धाम जलाभिषेक करने गए दल में यूनियन के पदाधिकारी, कमिटी मेम्बर्स, ऐक्टिव मेम्बर, आर के सिंह फैंस क्लब के सदस्य शामिल हैं।

प्रधानमंत्री के सपने को साकार कर रहें नीरज सिंह, 300 लोगों के बीच बांटी आयुष्मान कार्ड

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने के लिए भाजपा नेता निरज सिंह दिन रात जुटे हुए हैं। इसी क्रम में रविवार को उनके द्वारा बिष्टुपुर स्थित बेलड़ी ग्राम (कॉलेज भट्टा) में 300 लोगों के बीच आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। पूर्व में ही भाजपा नेता नीरज सिंह के चलित कार्यालय 'सेवा रथ' के माध्यम से जमशेदपुर महानगर के पश्चिम विधानसभा के पूरे क्षेत्र में लाभुक आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, आधार कार्ड, श्रम कार्ड, वृद्धा पेंशन जैसे केंद्र की महत्वपूर्ण योजनाओं का पंजीकरण किया जाता रहा है। ऐसे में आज बेलड़ी ग्राम बस्ती में लोगों के बीच 300 आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। वितरण समारोह के दौरान भाजपा नेता नीरज सिंह ने कहा कि आयुष्मान केंद्र सरकार की एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है, जिसका देश भर में लोगों को लाभ मिल रहा है। राज्य सरकार इन योजनाओं की प्रशंसा नहीं करती, न ही प्रदेश में सही तरीके से लागू हो पाया है। उन्होंने स्थानीय विधायक और राज्य में मंत्री बन्ना गुप्ता की कार्यशैली को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि बस्ती में साफ-सफाई नहीं होती है और अगर होता भी है तो 15 दिन में एक बार ही होती है। जिसके कारण गंदगी बिखरी रहती है।

डॉ दिनेशानंद गोस्वामी ने राइट्स लि. के सहयोग से बाईनेगला गांव में लगाया मेगा मेडिकल कैंप

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर/चाकुलिया। गुरूपूर्णिमा के पावन अवसर पर चाकुलिया प्रखंड के बड़कला गांव में आज निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुआ। भारत सरकार के प्रमुख उद्यम राइट्स लिमिटेड के सहयोग से प्रमुख स्वंयसेवी संस्था सिटिजन्स फाऊंडेशन के द्वारा यह स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुआ। डॉ गोस्वामी विगत 2 वर्षों में अबतक 55 स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करा चुके हैं। आज स्वास्थ्य शिविर में 9 डॉक्टरों ने 437 मरीजों का स्वास्थ्य जांच किया तथा डॉक्टरों की सलाह पर मरीजों को दवाईयां भी प्रदान किया गया। स्वास्थ्य शिविर को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ गोस्वामी ने कहा कि चाकुलिया प्रखंड स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में काफी पिछड़ा है। पैसे के अभाव में गांवों के गरीब अपने बिमारी का इलाज करा नहीं पाते। कार्यक्रम को मालकुंडी पंचायत के मुखिया मंजुला मुर्मू, शतदल महतो, रंगलाल महतो, शशांक पाल, दुर्गा गिरी, विश्वनाथ सोरेन, श्याम हांसदा, दिलीप महतो, करन किस्कू, चंचल दास, देवाशीष मंडल, रामस्वरूप यादव, बंकिम महतो, विजय महतो,चंडी चरण मुंडा, सचिन पाल, इंद्रजीत महतो, अमूल्य रतन महतो, धनपति मंडल ने भी संबोधित किया।

ग्रामीण क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन तैयार करना चुनौती से कम नहीं : विजय आनंद मुनका

नारायण आईटीआई के दीक्षांत समारोह में 110 छात्रों को मिला प्रमाणपत्र

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर चांडिल स्थित नारायण आईटीआई की ओर से रविवार को बिष्टुपुर स्थित चैंबर भवन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन सेफ्टी मैनेजमेंट के पासआउट विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन विजय आनंद मुनका थे। सम्मानित अतिथि एसिया के दशरथ उपाध्याय, सीएमडीसी के मनोज सिंह, स्वदेशी जागरण मंच के बंदे शंकर सिंह एवं टाटा स्टील सेफ्टी प्रोफेशनल संजय कुमार थे। समारोह की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक एवं चेयरमैन डॉ जटाशंकर पांडेय ने की। अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर समारोह की शुरूआत की। तत्पश्चात संस्थान की ओर से अतिथियों को बुके भेंट कर उनका स्वागत किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि विजय आनंद मूनका ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर दीक्षांत समारोह छात्र-छात्राओं के लिए बड़ा सुअवसर है। अपने संबोधन के क्रम में मौजूदा दौर में औद्योगिक शिक्षा एवं कौशल विकास की महत्ता पर प्रकाश डाला। साथ ही कहा कि यह संस्थान ग्रामीण क्षेत्र में औद्योगिक शिक्षा की अलख जगा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों का कौशल विकास कर उन्हें रोजगार से जोड़ना किसी चुनौती के कम नहीं है। समारोह में दशरथ उपाध्याय ने छात्र-छात्राओं को संस्थान से प्राप्त शिक्षा व ज्ञान का जीवन में समुचित उपयोग कर करियर संवारने एवं अपने क्षेत्र, राज्य व देश के विकास में सहभागी बनने की सीख दी। मनोज सिंह ने भी विदायर्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अपने ज्ञान का सदुपयोग कर अपने परिवार समेत समाज के उत्थान की दिशा में कार्य करने की सीख दी। वहीं संजय कुमार ने औद्योगिर समेत जीवन के हर क्षेत्र में सेफ्टी की आवश्यकता व महत्ता पर प्रकाश डाला। बंदे शंकर सिंह ने समारोह में प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

एक नजर में

मंगल कालिंदी के यहां सत्यनारायण पूजा का प्रसाद लेने पहुंचे मंत्री बन्ना समेत कई विशिष्ट

जमशेदपुर। गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी के आवासीय कार्यालय में भगवान सत्यनारायण जी की पूजा का आयोजन किया गाया। विधायक मंगल कालिंदी ने पूजा अर्चना कर झारखंड वासियों के सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पूजा के बाद प्रसाद ग्रहण करने मंत्री बन्ना गुप्ता, पूर्व सांसद डॉ अजय कुमार, विधायक समीर मोहंती, जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रामाश्रेय प्रसाद, जिला परिषद के उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, जिप सदस्य परितोष सिंह, जिप सदस्य पूर्णिमा मलिक, किशोर यादव, मानिक मलिक, अमित श्रीवास्तव, पल्टन मुर्मू, जितेंद्र सिंह आदि गणमान्य लोग और महिलाओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

कल चैम्बर भवन में आम बजट का सीधा प्रसारण

जमशेदपुर। सिंहभूम चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के द्वारा मंगलवार को पूर्वाह्न 10 .30 बजे से चैम्बर भवन में 18वीं लोकसभा चुनाव के बाद भारत सरकार के यूनियन बजट-2024 का सीधा प्रसारण का आयोजन किया जायेगा। इस दौरान वित्त एवं कर विशेषज्ञ इस बजट से व्यापार, उद्योग एवं आम आदमी पर पड़ने वाले असर पर चर्चा कर अपनी राय देंगे। यह जानकारी अध्यक्ष विजय आनंद मूनका एवं मानद महासचिव मानव केडिया ने दी। उपाध्यक्ष, वित्त एवं कराधान अधिवक्ता राजीव अग्रवाल एवं सचिव अधिवक्ता अंशुल रिंगसिया ने बताया कि सिंहभूम चैम्बर के द्वारा प्रत्येक आम बजट पर इसका सीधा प्रसारण वित्तीय एवं कर विषय के विशेषज्ञों की उपस्थिति में किया जाता रहा है। इसी कड़ी में इस बार भी इसका आयोजन 23 जुलाई को चैम्बर भवन में किया गया है। जिसमें चैम्बर सदस्यों के अलावा व्यवसायियों, उद्यमी एवं प्रोफेशनल्स को आमंत्रित किया गया है।

रांची में लायंस क्लब के अवार्ड सेरेमनी में जमशेदपुर को मिले 13 अवार्ड

जमशेदपुर। लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक 322A का इमिडिएट पूर्व जिलापाल पी एम जे एफ लायंस कमल जैन ने अपना कार्यकाल पूरा होने पर 21 जुलाई 2024 को रांची में एक होटल में अवाड्र्स सेरेमनी प्रशंसा का आयोजन किए थे। पूरे जिला से 100 क्लब ने इस अवाड्र्स सेरेमनी में शिरकत किया। इसमें लायंस क्लब ऑफ जमशेदपुर को कुल 13 प्राइज मिला। जिसमे क्लब के पूर्व अध्यक्ष पी एम जे एफ लायंस अशोक खंडेलवाल जी को आउटस्टैंडिंग प्रेसिडेंट अवार्ड मिला और पूर्व सेक्रेटरी लायंस मदन केशरी को हीरो क्लब अवार्ड से नवाजा गया। कोषाध्यक्ष रूद्र प्रमाणिक को मेलबिन जॉन फेलो (एम जे एफ) अवाड्र्स मिला। पूर्व जोन चेयरपर्सन एम जे एफ लायंस शिव शंकर गाडियां को आउटस्टैंडिंग जोन चेयरपर्सन और फर्स्ट प्राइज मिला जोन चेयरपर्सन इवेल्यूएशन में एम जे एफ लायंस पूरबी घोष को आउटस्टैंडिंग डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन का अवार्ड मिला और लायंस तारा शंकर विश्वास को आउट स्टैंडिंग डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन थर्ड क्वार्टर का मिला। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में क्लब को थर्ड प्राइज मिला। सदस्यता ग्रोथ के लिए क्लब को अवार्ड मिला। नया लियो क्लब खोलने के लिए लायंस क्लब ऑफ जमशेदपुर को अवार्ड मिला। पूर्व जिलापाल पी एम जे एफ लायंस आनंद चौधरी को रीजन 1 को विशेष योगदान के लिए सम्मानीय पुरस्कार से नवाजा गया। पूरे क्लब के सदस्य ने पूर्व जिलापाल और फर्स्ट लेडी मंजुला जैन को हृदय से आभार वक्त किया है।

मृत कर्मचारी को कंपनी ने दिया 5 लाख मुआवजा

गम्हरिया। औद्योगिक क्षेत्र स्थित फर्स्ट चॉइस रेडी मिक्स कंपनी के वाहन से बीते छह जुलाई को टक्कर से मृत रामचंद्रपुर निवासी फाल्गुनी मंडल (62) के परिजनों को पांच लाख रुपए बतौर मुआवजा मिलेगा। बीते शनिवार को देर रात तक कंपनी परिसर में हुई वार्ता के बाद इसपर दोनों पक्षो में सहमति बनी। समझौता वार्ता के बाद प्रबंधन द्वारा तत्काल मृतक की पत्नी को ढाई लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया, जबकि शेष राशि तीन किस्तों में दिया जाएगा। वार्ता सफल होने के बाद देर रात परिजनों व ग्रामीणों द्वारा गेट जाम वापस ले लिया गया।

सत्यम संजीवन ट्रस्ट ने महिलाओं को दी सरकारी योजनाओं की जानकारी

जमशेदपुर। बिरसानगर 1 बी में सत्यम संजीवन ट्रस्ट के बैनर तले लोगों को सरकारी योजनाओं से एवं साथ ही महिला सशक्तिकरण गरीबी रेखा से नीचे छात्र एवं छात्राओं के लिए सावित्रीबाई फुले किशोरी सुधीर योजना , छोटे बच्चों के लिए शिक्षा माता एवं बहनों के लिए जिनकी आयु 22 साल से 50 साल के अंदर है। उनको सत्यम संजीवन ट्रस्ट की अध्यक्ष कंचन सिंह ने बिरसानगर की महिलाओं को जागरूक किया।

भारत ने यूएई को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची

महिला एशिया कप 2024

ऋचा बनीं प्लेयर ऑफ द मैच

एजेंसी

डांबुला। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस वक्त प्रचंड फॉर्म में चल रही है। उन्होंने महिला एशिया कप के अपने दूसरे मैच में अब यूएई को भी चारों खाने चित कर दिया और 78 रन से हरा डाला। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने आई भारतीय टीम ने तूफानी बल्लेबाजी की और अपना टी20 में सबसे बड़ा स्कोर बना डाला। भारत ने 5 विकेट पर 201 रन ठोके। इसके जवाब में यूएई निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 123 रन ही बना पाई।

भारतीय गेंदबाजों ने किया कमाल

202 रन के टारगेट का पीछा करते हुए यूएई की बल्लेबाजी पूरी तरह से फ्लॉप हो गई। भारतीय महिला गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी की और यूएई को सिर्फ 123 रन के स्कोर पर ही रोक दिया। भारतीय टीम की ओर से सर्वाधिक 2 विकेट दीप्ति शर्मा ने लिए। इसके अलावा रेणुका ठाकुर सिंह, तनुजा कंवर, पूजा वस्त्राकार और राधा यादव को 1-1 सफलता मिली। यूएई की तरफ से सर्वाधिक नाबाद 40 रन कविशा ने बनाए। उन्होंने अपनी पारी नें 3 चौके और 1 छक्का भी लगाया। इसके अलावा यूएई की कप्तान ईशा रोहित ओजा ने भी 38 रन बनाए थे।

हरमनप्रीत और ऋचा घोष ने खेली तूफानी पाड़ी

टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के इरादे साफ थे। टीम इंडिया शुरू से ही तेज गति से बल्लेबाजी कर रही थी और बड़े स्कोर की तरफ देख रही थी। पहले तो शैफाली वर्मा ने पावरप्ले का फायदा उठाया और 18 गेंद में 5 चौके और 1 छक्के की मदद से 37 रन ठोक डाले। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर और विकेटकीपर ऋचा घोष ने मोर्चा संभाला। दोनों ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 140 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंद में सर्वाधिक 66 रन बनाए, जिसमें 7 चौके और 1 छक्का भी शामिल थे। इसके अलावा ऋचा घोष ने तो यूएई के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दी। उन्होंने 220 के तूफानी स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंद में नाबाद 64 रन बनाए। उनकी पारी में 12 चौके और 1 छक्का शामिल था। यूएई के लिए सबसे ज्यादा 2 विकेट कविशा ने लिए। वहीं समाइरा और हीना होतचंदानी को 1-1 सफलता हाथ लगी। भारत की दाएं हाथ की धाकड़ विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने 29 गेंद में 64 रनों की तूफानी पारी खेली और भारत की ओर से चौथा सबसे तेज अर्धशतक जड़ा। इस तूफानी पारी के लिए ऋचा को प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार से नवाजा गया।

चोटिल श्रेयंका पाटिल हुई एशिया कप से बाहर

दांबुला। भारतीय ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल बाएं हाथ की उंगली में चोट के कारण महिला एशिया कप से बाहर हो गई हैं। 21 वर्षीय श्रेयंका के अपने बाएं हाथ की चौथी उंगली में फ्रैक्चर हुआ है। उन्होंने एशिया कप में अब तक पाकिस्तान के साथ हुये मैच में 3.2 ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लिये थे। भारतीय टीम ने यह मुकाबला आसानी से जीत लिया था।

भारत को टी20 द्विपक्षीय सीरीज के लिए आमंत्रित करेगा पाकिस्तान

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी 2025 में भारत को तटस्थ स्थल पर टी20 द्विपक्षीय सीरीज के लिए आमंत्रित कर सकते हैं। हालांकि बोर्ड चैंपियंस ट्रॉफी के मैचों को पाकिस्तान से बाहर स्थानांतरित करने की अनुमति नहीं देने पर अड़ा हुआ है। पीसीबी सूत्रों ने यह भी बताया कि नकवी 2025 के दौरान भारत को तटस्थ स्थल पर टी20 सीरीज के लिए आमंत्रित करेंगे, जब वह 19-22 जुलाई को श्रीलंका के कोलंबो में होने वाले आइसीसी वार्षिक सम्मेलन में बीसीसीआइ सचिव जय शाह से मिलेंगे। पीसीबी सूत्र ने कहा, 'मोहसिन नकवी और जय शाह की बैठक के दौरान इस प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी, जिसमें चैंपियंस ट्रॉफी के बाद दोनों टीमों के खाली दिनों के दौरान मैच संभावित रूप से निर्धारित किए जाएंगे। यह चर्चा वार्षिक सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होने जा रही है। एजेंडे में चैंपियंस ट्रॉफी के मैचों को किसी तटस्थ स्थान पर स्थानांतरित करने की संभावना शामिल है, खासकर भारत सरकार और बीसीसीआइ द्वारा उठाई गई चिंताओं के बाद, जिसमें संकेत दिया गया था कि सुरक्षा और राजनीतिक चिंताओं के कारण मेन-इन-ब्लू को पाकिस्तान की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। पाकिस्तान ने कहा है कि वह सुनिश्चित करेगा कि भारतीय क्रिकेट टीम के सभी मैच (सीटी) लाहौर में खेले जाएं और भारतीय टीम पूरी श्रृंखला के दौरान एक ही होटल में रुकेगी। इसने यह भी कहा कि एक शहर में होने से मेहमान टीम को पूरी सुरक्षा प्रदान करना आसान हो जाएगा। इसके अलावा पीसीबी ने हाल ही में घोषणा की कि उसने लाहौर में गद्दाफी क्रिकेट स्टेडियम के बगल में एक 5-सितारा होटल बनाने के लिए जमीन खरीदी है।

भांबरी और ओलिवेट की जोड़ी ने जीता स्विस ओपन पुरुष युगल खिताब

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के उनके जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को उगो हम्बर्ट और फैब्रिस मार्टिन को फाइनल में हराकर स्विस ओपन एटीपी टूर टेनिस टूनार्मेंट के पुरुष युगल वर्ग का खिताब जीत लिया। भांबरी-ओलिवेट की जोड़ी ने खिताबी मुकाबले में हम्बर्ट और मार्टिन की जोड़ी को तीन सेट तक चले मैच में हराया। भांबरी और ओलिवेट की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने इस एटीपी 250 क्ले कोर्ट टूनार्मेंट में अपने फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वियों को 3-6, 6-3, 10-6 से पराजित किया। फाइनल मैच एक घंटे छह मिनट तक चला जिसमें दोनों जोड़ियों ने एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी लेकिन आखिर में भांबरी और ओलिवेट की जोड़ी विजेता बनी।

बीसीसीआइ भारतीय एथलीट्स के लिए देगा 8.5 करोड़ रुपए

अन्य खेलों को भी देश में बढ़ावा देना चाहती है बीसीसीआइ

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने पेरिस ओलिंपिक के लिए जाने वाले भारतीय खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए आइओए को 8.5 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। पेरिस ओलिंपिक 26 जुलाई से शुरू होंगे। बीसीसीआइ सचिव जय शाह ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि बीसीसीआइ 2024 पेरिस ओलिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले हमारे अविश्वसनीय एथलीटों का समर्थन करेगा। हम इस अभियान के लिए आइओए को 8.5 करोड़ रुपये प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम पूरे दल को शुभकामनाएं देते हैं।

भारत को गौरवान्वित करें। जय हिंद। पेरिस ओलिंपिक में 117 खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों के साथ भारतीय दल में सहयोगी स्टाफ भी है। बीसीसीआइ के इस सहयोग से पेरिस ओलिंपिक की तैयारियों में एथलीटों को काफी मदद मिलेगी। इसके अलावा बीसीसीआइ का अन्य खेलों के प्रति उठाया गया यह कदम काफी सराहनीय है।

दुनिया का सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड है बीसीसीआइ

बता दें कि मौजूदा समय में भारतीय क्रिकेट बोर्ड दुनिया के सबसे अमीर बोर्ड में से एक है। क्रिकेट वर्ल्ड में बीसीसीआई का वर्चस्व है। यहां तक की आइसीसी को सबसे ज्यादा रेवेन्यू बीसीसीआई की तरफ से मिलता है। सिर्फ इतना ही नहीं, बीसीसीआइ उन क्रिकेट नेशन के लिए भी मदद के लिए आगे रहता है जिसके पास संसाधनों की कमी है। यही कारण है कि विश्व क्रिकेट में बीसीसीआइ की अपनी एक अलग धाक है।

पाकिस्तान ने नेपाल को नौ विकेट से हराया

दांबुला। गुल फिरोजा (57) और मुनीबा अली नाबाद (46) रनों की आतिशी पारियों की बदौलत पाकिस्तान ने रविवार को महिला एशिया कप के छठे मुकाबले में नेपाल को नौ विकेट से हरा दिया हैं। 109 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की गुल फिरोजा और मुनीबा अली की सलामी जोड़ी ने आतिशी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के रिकार्ड 105 रनों की साझेदारी की। 12वें ओवर की दूसरी गेंद पर कबिता जोशी ने गुल फिरोजा को कबिता कुंवर के हाथों कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। लेकिन तब तक गुल फिरोजा अपना टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचा चुकी थी। उन्होंने 35 गेंदों में 10 चौकों की मदद से (57) रन बनाये। मुनीबा अली 34 गेंदों में (46) रन बनाकर नाबाद रही। पाकिस्तान ने 11.5 ओवर में एक विकेट पर 110 रन बनाकर नौ विकेट से मुकाबला जीत लिया।

मार्टिरोसयान बने रैपिड के विजेता , प्रज्ञानन्दा को दूसरा स्थान

बील, स्विट्जरलैंड। बील शतरंज महोत्सव के 57वां संस्करण के रैपिड शतरंज में अर्मेनिया के हाइक मार्टिरोसयान ने कुल 10 राउंड में से 7 अंक बनाते हुए रैपिड का खिताब अपने नाम कर लिया। भारत के आर प्रज्ञानन्दा, जर्मनी के विंसेंट केमर और वियतनाम के लिएम क्वांग ली ने प्रत्येक 10 में से 5 अंक बनाए पर बेहतर टाई-ब्रेक के अनुसार वह क्रमश: दूसरे से चौथे स्थान पर रहे। प्रज्ञानन्दा के लिए रैपिड अच्छा नहीं बीता और वह केवल विन्सेंट केमर के खिलाफ जीत दर्ज कर सके उन्होंने और उन्हे एकमात्र हार यूएसए के सैम शैंकलैंड खिलाफ मिली जबकि अन्य आठ बाजियां उन्होने ड्रॉ खेली। वही जर्मनी के ग्रांडमास्टर अलेक्जेंडर डोंचेंको ने 7 अंक बनाकर चैलेंजर्स वर्ग का खिताब जीता। भारत की आर वैशाली ने 5 अंक के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया। उन्होंने इहोर समुनेन्खोव (यूक्रेन) और मार्क एंड्रिया मौरिजी (फ्रांस) को हराया।

चैलेंजर में वैशाली नें बनाई एकल बढ़त

बील, स्विट्जरलैंड। बील शतरंज महोत्सव के 57वां संस्करण के चैलेंजर वर्ग में भारत की ग्रांड मास्टर स्विट्जरलैंड आर. वैशाली ने लगातार तीन जीत हासिल कर चैलेंजर्स श्रेणी में बढ़त बना ली है है।

बोर्गेस ने नडाल को हराकर स्वीडिश ओपन जीता

एजेंसी

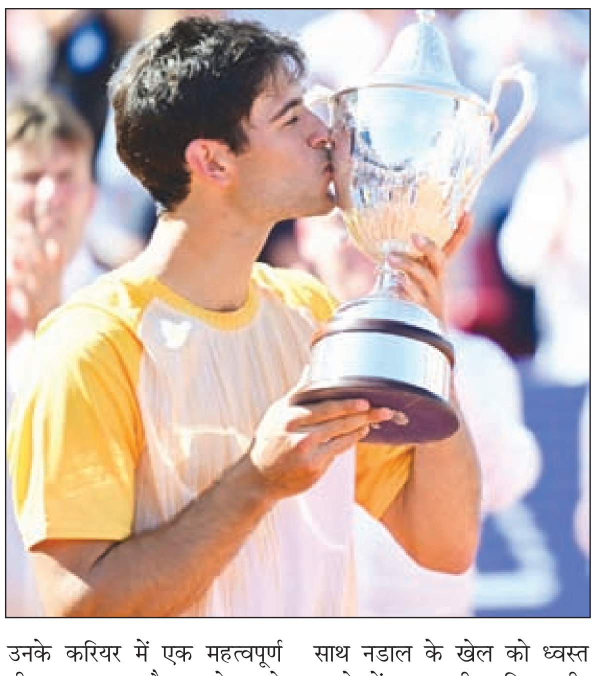

बस्ताद। दुनिया के 51वें नंबर के खिलाड़ी नूनो बोर्गेस ने स्वीडिश ओपन में राफेल नडाल को 6-3, 6-2 से हराकर अपना पहला एटीपी खिताब हासिल किया। यह शानदार जीत 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन के खिलाफ मिली, जो 2022 के बाद से अपना पहला फाइनल खेल रहे थे। नडाल, जो अब 38 वर्ष के हैं, पिछले कुछ वर्षों से चोटों से जूझ रहे हैं, जिसके कारण उनकी रैंकिंग 261 पर आ गई है। ओलंपिक के लिए अपनी फिटनेस को प्राथमिकता देने के लिए एक रणनीतिक कदम के तहत, नडाल ने इस साल विंबलडन छोड़ने का फैसला किया। अपने शानदार करियर और विशाल अनुभव के बावजूद, नडाल 27 वर्षीय पुर्तगाली खिलाड़ी की ऊर्जा और दृढ़ संकल्प की बराबरी नहीं कर सके। बोर्गेस के लिए, यह जीत उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अपने पहले एटीपी फाइनल में खेलते हुए, बोर्गेस ने उल्लेखनीय संयम के साथ नडाल के खेल को ध्वस्त करने में कामयाबी हासिल की। उन्होंने पहला सेट 46 मिनट में जीत लिया और दूसरे सेट में लगातार तीन गेम जीतकर अपनी जीत पक्की कर ली। नडाल पर उनकी जीत, जो अपने 131वें फाइनल में प्रतिस्पर्धा कर रहे थे, ने दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया। मैच के बाद बोर्गेस ने कहा, यह पागलपन है। मुझे पता है कि हम सभी चाहते थे कि राफा जीते-मेरा एक हिस्सा भी यही चाहता था-लेकिन मेरे अंदर कुछ और भी बड़ा था जिसने आज वास्तव में जीत दिलाई। मैं इस पल का इंतजार काफी समय से कर रहा था। मैं कुल मिलाकर बहुत खुश हूं। मुझे वास्तव में नहीं पता कि क्या कहना है। मैं बहुत भावुक हूं। हार के बावजूद, नडाल इस साल के अपने मुख्य लक्ष्य पर केंद्रित हैं: 27 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक टेनिस टूनार्मेंट के लिए रोलैंड गैरोस में खेलना। पेरिस के क्ले कोर्ट नडाल के लिए एक मजबूत गढ़ रहे हैं, जहां उन्होंने 14 फ्रेंच ओपन खिताब जीते हैं।

पेस और अमृतराज अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल

एजेंसी

नयी दिल्ली। युगल में दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी लिएंडर पेस और टेनिस प्रसारक अभिनेता और खिलाड़ी विजय अमृतराज को अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले पहले एशियाई पुरुष खिलाड़ी बन गए। यह दोनों दिग्गज ब्रिटिश टेनिस पत्रकार और लेखक रिचर्ड इवांस के साथ हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए। पेस ने टेनिस को बतौर करियर चुनने से पहले फुटबॉल और हॉकी में भी हाथ आजमाया था और अंततः ओलंपिक पदक विजेता के रूप में अपने हॉकी-कप्तान पिता का अनुसरण किया।

पेस बोले- मेरे लिए सम्मान की बात

पेस ने कहा, इस मंच पर सिर्फ खेल के दिग्गजों के साथ ही नहीं, जिंदगी के हर दिन मुझे प्रेरित करने वाले लोगों के साथ होना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। इसलिए नहीं कि आपने सिर्फ ग्रैंडस्लैम जीते हैं, इसलिए नहीं कि आपने हमारे खेल को आकार दिया बल्कि इनमें से हरेक व्यक्ति ने उस दुनिया को आकार दिया जिसमें हम रहते हैं। पेस ने करियर में 18 ग्रैंडस्लैम जीते पेस युगल और मिश्रित युगल में 18 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रहे हैं। उन्हें अमृतराज युवा अकादमी में खेलने के बाद खिलाड़ी वर्ग में चुना गया था। पेस और अमृतराज ने भारत को हॉल ऑफ फेम में प्रतिनिधित्व करने वाला 28वां राष्ट्र बनाया। पेस ने कहा, मैं अपने हर एक देशवासियों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मेरा समर्थन किया, जो उतार-चढ़ाव में मेरे साथ खड़े रहे। आप सभी मेरे लिए प्रेरणा थे, समर्थन थे, मेरा मार्गदर्शन करने की ताकत थे जब मुझे खुद पर विश्वास नहीं था।

पेज एक का शेष

विश्व प्रसिद्ध श्रावणी ...

उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त विशाल सागर के साथ-साथ देवघर एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग, पर्यटन सचिव मनोज कुमार, डीडीसी नवीन कुमार, सिविल सर्जन रंजन सिन्हा विधायक नारायण दास समेत जिले के कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

दुमका में उदघाटन समारोह में मंत्री मिथिलेश ठाकुर के साथ विधायक बादल पत्रलेख समेत संथाल परगना प्रमंडल के कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। श्री ठाकुर रविवार को बाबा बासुकीनाथ धाम पहुंचे। यहां उन्होंने पूरे विधि-विधान से पूजा अर्चना कर एक माह तक चलने वाले श्रावणी मेले का उद्घाटन किया। मंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार ने इस राजकीय मेला को काफी भव्य स्वरूप प्रदान की है। उन्होंने कहा कि बासुकीनाथ फौजदारी बाबा हैं, यहां जो भी श्रद्धालु पूजा अर्चना करने आते हैं, उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। ऐसे में भक्तों की अटूट श्रद्धा बाबा बासुकीनाथ के प्रति है।

झारखंड में खुलेगा ...

उसी समय झारखंड में भी किस्स की शाखा खोलने पर सकारात्मक चर्चा भी हुई थी। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि वर्ष 2025 में कलिंगा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस के यूनिट की स्थापना राज्य में हो। इस निमित्त एक बेहतर कार्य योजना बनाकर इस शिक्षण संस्थान की स्थापना को उनकी सरकार मूर्त रूप देगी। मुख्यमंत्री ने केआईआईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

विश्व धरोहर समिति...

यह स्पष्ट है कि भारत की विरासत सिर्फ इतिहास नहीं है, भारत की विरासत विज्ञान भी है। भारत की विरासत टॉप इंजीनियरिंग की गौरवशाली यात्रा को भी दर्शाती है। यह पहला मौका है, जब भारत विश्व धरोहर समिति की बैठक की मेजबानी कर रहा है। उद्घाटन समारोह में यूनेस्को की महानिदेशक ऑड्रे अजोले भी मौजूद रहीं। इस मौके पर पीएम ने कहा कि भारत, यूनेस्को विश्व धरोहर केंद्र के लिए 1 मिलियन डॉलर का योगदान देगा।

संसद के बजट ...

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से पीएम की बात के बीच में टोका टोकी संसदीय परंपरा के अनुरूप नहीं है। रक्षा मंत्री ने कहा कि जब प्रधानमंत्री सदन में बोलते हैं तो सदस्यों तथा देश को उनकी बात को ध्यान से सुनना चाहिए।

इंडिया गठबंधन सरकार को घेरेगा : कांग्रेस नेता के सुरेश ने कहा कि परंपरा के अनुसार लोकसभा उपाध्यक्ष का पद मांगने में 'इंडिया' गठबंधन के अन्य सदस्यों के साथ उनकी पार्टी भी शामिल हुई। उन्होंने जम्मू कश्मीर में आतंकवादी हमलों, मणिपुर की स्थिति, रेल दुर्घटनाओं, बेरोजगारी और महंगाई सहित कई अन्य मुद्दों पर संसद में चर्चा की जरूरत पर भी जोर दिया। कांग्रेस, द्रमुक और आप सहित कई विपक्षी दलों के रुख से यह स्पष्ट है कि वे इन मुद्दों पर सरकार को तो घेरेंगे ही। सपा के राम गोपाल यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सांप्रदायिक रूप से विभाजनकारी राजनीति कर रही है। द्रमुक नीट परीक्षा मामले में सरकार की आलोचना की और इस मुद्दे पर चर्चा कराने पर जोर दिया।

केन्द्र की मोदी...

भीड़ के हमले की घटनाओं पर ममता बनर्जी ने कहा अन्याय न करें और न ही इसे बर्दाश्त करें, दोषी पाए जाने पर हम तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों को भी नहीं छोड़ेंगे।

कुछ ताकतें हर हाल में सत्ता में रहना चाहती हैं : रैली में शामिल यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा, सांप्रदायिक ताकतें किसी भी कीमत पर सत्ता में रहना चाहती हैं। केंद्र में भाजपा नीत राजग सरकार लंबे समय तक नहीं टिकेगी, यह जल्द ही गिर जायेगी। वहीं तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा, जिन्होंने कहा था अबकी बार 400 पार, वे 240 पर ही रुक गये। जिन्होंने बंगाल में कहा अबकी बार 200 पार उन्हें जनता और तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने 70 पर रोक दिया है।

ओलंपिक के लिए भारतीय तीरंदाजी दल में 'दागी' फिजियो की मौजूदगी पर विवाद

एजेंसी

पेरिस। ओलंपिक एक्रिडिटेशन नहीं मिलने के कारण मुख्य कोच कोरिया के बाक वूंग के यहां से लौटने के बाद भारतीय तीरंदाजी दल 'दागी' फिजियो की मौजूदगी के कारण एक बार फिर से विवादों में फंस गया है। भारतीय तीरंदाजी दल में वूंग और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता हाई परफार्मेंस निदेशक संजीव सिंह को एक्रिडिटेशन नहीं मिला। भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआइ) के एक शीर्ष अधिकारी ने खुलासा किया कि इन दोनों की जगह फिजियो अरविंद यादव को दल में शामिल किया गया है। यादव पर पिछले साल नवंबर में आयरलैंड के लिमरिक में युवा विश्व चैंपियनशिप के दौरान कनाडा की एक किशोर खिलाड़ी के साथ अनुचित व्यवहार का आरोप लगा था। इस अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'विश्व तीरंदाजी प्रतियोगिता प्रबंधक थॉमस ऑबर्ट की शिकायत के अनुसार, यादव ने सोशल मीडिया पर कनाडा की एक किशोर तीरंदाज के साथ अनुचित व्यवहार किया था। यादव से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, यह मुझे बदनाम करने की साजिश है। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। तब एएआइ ने मेरे खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की? अगर ऐसा था तो किसी तीरंदाज को मेरी नियुक्ति पर आपत्ति क्यों नहीं की। एएआइ सूत्र ने दावा किया कि यादव संस्था के महासचिव वीरेंद्र सचदेवा के बहुत करीबी हैं। उन्होंने कहा, 'जब भी कोई शीर्ष प्रतियोगिता होती है तो वह इस तरह से दल में जगह बना लेता है। वह रियो ओलंपिक में भी दल में शामिल था। वह पिछले साल एशियाई खेलों के दौरान टीम के साथ नहीं था। सूत्र ने कहा, इस बार

भी वह तीन महीने पहले ही राष्ट्रीय शिविर से जुड़ा और उसे एक्रिडिटेशन मिल गया। एएआइ चाहता तो उसके नाम को हटा कर मुख्य कोच को दल में शामिल कर सकता था। एएआइ अध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने दागी फिजियो के बारे में बात करने से इनकार कर दिया। यादव को शामिल किए जाने और पिछले साल की घटना के बारे में पूछे जाने पर मुंडा ने कहा, आप इसे क्यों उछाल रहे हैं? इस समय इसके बारे में बात न करें। अब एक और विवाद पैदा न करें। मुंडा ने जोर देकर कहा कि तीरंदाज ही उन्हें सहयोगी स्टाफ का हिस्सा बनाना चाहते थे। मुंडा ने कहा, यह एक मुश्किल निर्णय है जो खिलाड़ियों की सुविधा और वे टीम में किसे चाहते हैं इस पर निर्भर करता है और महासंघ इसे प्राथमिकता देता है। एएआइ इसमें हस्तक्षेप नहीं करता है, हम टीम में किसी को मजबूर नहीं करना चाहते हैं।

ओलंपिक में वेटलिफ्टिंग का इतिहास

एजेंसी

नयी दिल्ली। देखने के लिए सबसे दिलचस्प खेलों में से एक, वेटलिफ्टिंग अक्सर मानव शरीर की शारीरिक शक्ति और साहस की गहराई को उजागर करता है। यह खेल जो कच्ची शक्ति और तकनीक का एक संयोजन है, अक्सर एथलीटों को अपने शरीर के वजन से दोगुना या तिगुना वजन उठाते हुए देखा जाता है। यह खेल मुश्किल भी है और एक गलत लिफ्ट खिलाड़ियों को चोट पहुंचा सकती है। इस ऐतिहासिक खेल की जड़ें अफ्रीका, दक्षिण एशिया और आधुनिक ग्रीस से जुड़ी हुई हैं। खेल के लिए शासी निकाय- अंतर्राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग महासंघ का गठन 1905 में किया गया था और इसने वेटलिफ्टिंग को ओलंपिक में एक स्थायी स्थिरता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वेटलिफ्टिंग ने 1896 में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज की, लेकिन उस समय जिस तरह से यह खेल खेला जाता था और आज जिस तरह से यह खेला जाता है, उसमें बहुत अंतर है। 1896 के ओलंपिक में वेटलिफ्टिंग की दो स्पधाएं शामिल थीं-एक हाथ से उठाना और दो हाथों से उठाना। ग्रेट ब्रिटेन के लाउंसेस्टन इलियट एक हाथ से उठाने वाले चैंपियन थे, जबकि डेनमार्क के विगो जेन्सन दो हाथों से उठाने वाले चैंपियन थे। उसके बाद 1920 तक यह खेल शामिल नहीं था, लेकिन जब यह वापस आया तो यह ओलंपिक कार्यक्रम में एक नियमित विशेषता बन गया।

स्पीड न्यूज

केंद्र ने दिये निपाह वायरस पर सतर्कता बरतने के निर्देश

नयी दिल्ली । केंद्र सरकार ने केरल में निपाह वायरस के सामने आने पर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं और एक केंद्रीय दल के तैनाती की है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने रविवार को यहां बताया कि केरल के मलप्पुरम जिले में निपाह वायरस का एक मामला सामने आया है, जिसमें प्रभावित की बाद में मृत्यु हो गई। केंद्र ने राज्य सरकार को तत्काल सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय करने की सलाह दी है। प्रभावित के परिवार, पड़ोस और क्षेत्र में सक्रिय मामले की खोज की जानी चाहिए। पिछले 12 दिनों के दौरान संपर्क में आने वाले लोगों को सख्ती से पृथक तथा संदिग्धों को अलग रखा जाना चाहिए।

राहुल-प्रियंका ने खड़गे को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी वाड्रा ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को जन्मदिन पर बधाई देते हुए रविवार को उन्हें मिठाई खिलाई और दीर्घायु होने की शुभकामनाएं दी। श्री गांधी ने कहा जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आपके अथक सेवा और लोगों के हित के लिए आपका समर्पण एक प्रेरणा है। आपको ढेर सारा प्यार और अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनाएं।

डोनाल्ड ट्रंप ने जेलेंस्की से रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाने का किया वादा

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से फोन पर बात कर रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाने का वादा किया। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से फोन पर बात हुई। उन्होंने मुझे बेहद सफल रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन और अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने पर बधाई दी। यह कॉल इसलिए महत्व रखती है, क्योंकि आधिकारिक तौर पर रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने के बाद किसी विदेशी नेता के साथ यह उनकी पहली बातचीत है। यह पांच नवंबर के चुनावों में उनकी जीत की संभावनाओं के बारे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच बढ़ती जागरूकता को भी दर्शाता है।

यूक्रेन के पूर्व सांसद की गोली मारकर हत्या

कीव। यूक्रेन की पूर्व सांसद इरीना फेरियन (60) की एक अज्ञात हमलावर द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई। इरीना को यूक्रेनी भाषा को बढ़ावा देने के अपने अभियान के लिए जानी जाती हैं। इरीना फेरियन पर शुक्रवार को पश्चिमी शहर ल्वीव में हमले में गंभीर रूप से घायल हो चुकी पूर्व सांसद की अस्पताल में मौत हो गई। यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल हमलावर की तलाश जारी है उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार को अपने आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर कहा, सभी उपलब्ध निगरानी कैमरों की जांच की जा रही है और गवाहों से पूछताछ की जा रही है।

संसद सत्र के पहले नीतीश ने बढ़ायी भाजपा की टेंशन

सर्वदलीय बैठक में उठाया बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देन का मुद्दा

खबर मन्त्र ब्यूरो

पटना, नयी दिल्ली। संसद के बजट सत्र से पहले सरकार की ओर से बलायी गयी सर्वदलीय बैठक में जदयू ने भाजपा की टेंशन बढ़ा दी है। बैठक में जदयू ने बिहार के लिए स्पेशल स्टेटस का मद्दा उठाया। यह जदयू की काफी पुरानी मांग है। बिहार की लगभग सभी पार्टियां इसका समर्थन करती हैं। जदयू के साथ-साथ एसआरसीपी ने भी आंध्र प्रदेश के लिए विशेष दर्जा की मांग की। हालांकि, चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी ने इस मुद्दे पर फिलहाल चुप्पी साध ली है।

तब तक अतिरिक्त फंड दे केंद्र : जदयू नेता और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव राजीव रंजन ने डिमांड की है कि बिहार को विशेष राज्य देने से पहले स्पेशल फंड दिया जाये। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार 2005 से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं। केंद्र सरकार को उस पर विचार करना चाहिए, जब तक दर्जा नहीं मिलता, उससे पहले फंड दिया जाये, ताकि बिहार का विकास हो सके। बजट सत्र से एक दिन पहले रविवार को केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक में विशेष तौर पर जदयू ने बिहार के लिए विशेष दर्जे की मांग की। राजीव रंजन ने कहा कि नीतीश कुमार 2005 से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं। विशेष राज्य का दर्जा मिलने पर केंद्र सरकार की ओर से उस राज्य को विकास कार्यों पर होने वाले खर्चों में अच्छी राशि मिलती है।

जदयू नेता की मांग

उन्होंने कहा कि हम लोगों की ओर से बार-बार विशेष राज्य की मांग रहेगी, लेकिन, जब तक विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलता है, तब तक हमें अतिरिक्त फंड दिया जाये। उन्होंने कहा कि तीन साल पहले केंद्र सरकार ने हमें 1 लाख 25 करोड़ रुपये दिए थे। हम लोगों ने आग्रह किया है कि जब तक विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलता है, तब तक यह अतिरिक्त फंड दिया जाए। इससे राज्य का विकास बाधित नहीं होगा।

कांग्रेस ने दी नसीहत

बिहार प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने भी रविवार को कहा कि संसद के बजट सत्र में राज्य के एनडीए नेताओं को बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे की मांग करनी चाहिए। साथ ही पटना विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाया जाना चाहिए। महंगाई कम होनी चाहिए, टैक्स कम होने चाहिए, गैस सिलेंडर के दाम कम होने चाहिए।

शरद पवार देश में भ्रष्टाचार के सरगना : अमित शाह

आगामी विस चुनाव में भाजपा जीत के बाद राहुल का अहंकार चूर-चूर हो जायेगा

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को विपक्षी नेता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार पर तीखा हमला किया। उन्हें देश में भ्रष्टाचार का सरगना करार दिया। शरद पवार ने भ्रष्टाचार को संस्थागत बनाया। श्री शाह रविवार को पुणे में भाजपा के राज्य सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर 2024 के लोकसभा चुनाव में हार के बावजूद अहंकार प्रदर्शित करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद राहुल गांधी का अहंकार चूर-चूर हो जायेगा।

ठाकरे औरंगजेब फैन क्लब के प्रमुख : अमित शाह ने शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को औरंगजेब फैन क्लब का प्रमुख करार दिया। साथ ही कहा कि वह 1993 के मुंबई श्रृंखलाबद्ध बम धमाकों के दोषी याकूब मेमन के लिए क्षमादान मांगने वाले लोगों के साथ बैठे हैं। शाह ने कहा कि भाजपा नीत महायुति महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 2014 और 2019 के चुनावों से बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि भारत की जनता ने हाल के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर अपनी मुहर लगायी है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, उद्धव ठाकरे उन लोगों के साथ बैठे हैं, जिन्होंने 1993 के मुंबई सिलसिलेवार बम धमाकों के दोषी याकूब मेमन के लिए क्षमादान मांगा था। उन्होंने कहा, औरंगजेब फैन क्लब क्या है? जो (26/11 आतंकी हमले के दोषी) कसाब को बिरयानी खिलाते हैं, जो याकूब मेमन के लिए क्षमादान मांगते हैं, जो (विवादित इस्लामी उपदेशक) जाकिर नाइक को शांति दूत पुरस्कार देते हैं और जो (प्रतिबंधित इस्लामी संगठन) पीएफआई का समर्थन करते हैं। उद्धव ठाकरे को इन लोगों के साथ बैठने में शर्म आनी चाहिए।' भाजपा कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए शाह ने कहा कि उन्हें महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों से परेशान नहीं होना चाहिए।

हरिद्वार में गुरु पूर्णिमा पर गंगा स्नान के लिए उमड़ा आस्था का सैलाब

हरिद्वार में गुरु पूर्णिमा 2024 के मौके पर श्रद्धालु गंगा स्नान कर रहे हैं तो वहीं काफी संख्या में कांवड़िए भी जल भरने पहुंचे हुए हैं। ऐसे में हरिद्वार का एक अलग ही नजारा देखने को मिल रहा है। ज्योतिषाचार्य पंडित मनोज त्रिपाठी का कहना है कि आषाढ़ मास की पूर्णमासी को गुरु पूर्णिमा या व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। जिसे महर्षि वेद व्यास के जन्मदिन के उपलक्ष्य में ही मनाई जाती है। उन्होंने बताया कि गुरु का अर्थ अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला व्यक्ति होता है। हमारे जीवन की दिशा दिखाने वाला व्यक्ति गुरु के अलावा कोई नहीं होता है।

सीतारमण लगातार 7 वें बजट के साथ इतिहास रचने को तैयार

मोरारजी देसाई का टूट जायेगा ये रिकॉर्ड

एजेंसी

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपना लगातार सातवां बजट पेश करके इतिहास रचने वाली हैं। इस तरह वह पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई का रिकॉर्ड तोड़ देंगी। हालांकि, सबसे अधिक बार बजट पेश करने का रिकॉर्ड अब भी देसाई के पास ही है। सीतारमण अगले महीने 65 वर्ष की हो जायेंगी। उन्हें 2019 में भारत की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री बनाया गया था।

लगातार छह बजट पेश कर चुकी हैं

इसी साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र में लगातार दूसरी बार सरकार बनायी थी, तब से सीतारमण ने इस साल फरवरी में एक अंतरिम सहित लगातार छह बजट पेश किये हैं। वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025) का पूर्ण बजट उनका लगातार सातवां बजट होगा। वह देसाई के रिकॉर्ड से आगे निकल जाएंगी, जिन्होंने 1959 से 1964 के बीच लगातार पांच पूर्ण बजट और एक अंतरिम बजट पेश किया था।

2020 में सीतारमण ने पढ़ा था सबसे लंबा भाषण

सबसे लंबा बजट भाषण सीतारमण ने एक फरवरी, 2020 को दो घंटे 40 मिनट का दिया। वर्ष 1977 में हीरूभाई मुलजीभाई पटेल का अंतरिम बजट भाषण अबतक का सबसे छोटा भाषण है, जिसमें केवल 800 शब्द हैं। बजट पारंपरिक रूप से फरवरी के आखिरी दिन शाम पांच बजे पेश किया जाता है। वर्ष 1999 में समय बदला गया था और अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में तत्कालीन वित्त मंत्री यशवंत सिंह ने सुबह 11 बजे बजट पेश किया। तब से बजट सुबह 11 बजे पेश किया जाता है। इसके बाद 2017 में बजट पेश करने की तिथि बदलकर एक फरवरी कर दी गई थी, ताकि सरकार मार्च के अंत तक संसदीय अनुमोदन प्रक्रिया पूरी कर सके।

बजट से जुड़े कुछ रोचक तथ्य

स्वतंत्र भारत में बजट पेश करने से जुड़े कुछ तथ्य इस प्रकार हैं। स्वतंत्र भारत का पहला आम बजट 26 नवंबर, 1947 को देश के पहले वित्त मंत्री आर के शनमुखम चेट्टी ने पेश किया था। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और बाद में प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कार्यकाल में वित्त मंत्री के तौर पर कुल 10 बजट पेश किए हैं। पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने नौ मौकों पर बजट पेश किया। प्रणब मुखर्जी ने वित्त मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान आठ बजट पेश किए। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 1991 से 1995 के बीच लगातार पांच बार बजट पेश किया, जब वह पी वी नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्री थे।

केदारनाथ रूट पर तीन शिव भक्तों की दर्दनाक मौत

एजेंसी

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ रूट पर एक दर्दनाक हादसा हुआ है। पहाड़ी से भारी पत्थर गिरने से तीन शिव भक्तों की मौत हो गई है। हादसे में पांच यात्री भी घायल हुए हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस-प्रशासन की ओर से राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया है। केदारनाथ पैदल रूट पर यात्रा जारी है। बारिश के अलर्ट के बाद प्रशासन की ओर से यात्रियों से सतर्क रहने की अपील की जा रही है। जिला आपदा प्रबंधनअधिकारी नन्दन सिंह रजवार ने बताया कि आपदा कन्ट्रोल को रविवार सुबह सूचना प्राप्त हुई कि केदारनाथ यात्रा मार्ग चीरबासा के पास पहाड़ी से मलबा व भारी पत्थर आने से कुछ यात्रियों की मलबे में दबे होने की आशंका है। सूचना मिलते ही यात्रा मार्ग में तैनात सुरक्षा कर्मी जिसमें एनडीआरएफ, डीडीआर, प्रशासन की टीम मौके पर है राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई। रेस्क्यू टीम द्वारा मलबे से तीन व्यक्तियों को निकाल लिया गया है। तीनों यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में पांच यात्री भी घायल हुए हैं। घायलों को रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौसम विभाग की ओर से बारिश पर अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने कुमाऊं के निचले इलाकों में रविवार और सोमवार को भारी से बहुत भारी बारिश के साथ ही कुछ स्थानों पर अतिवृष्टि की चेतावनी दी है। खासतौर पर नैनीताल, चंपावत, ऊधमसिंहनगर जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। गढ़वाल क्षेत्र में भी 23 और 24 को ऐसी स्थिति रहेगी। देहरादून स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि कुमाऊं के लिए दो दिन बारिश के लिहाज से संवेदनशील हैं। निचले इलाकों में अतिवृष्टि से बाढ़, भू-कटाव और भू-धंसाव जैसे हालात पैदा हो सकते हैं।

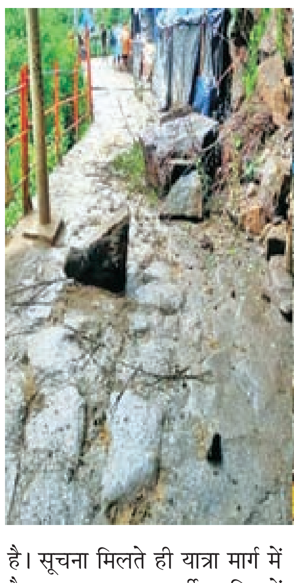

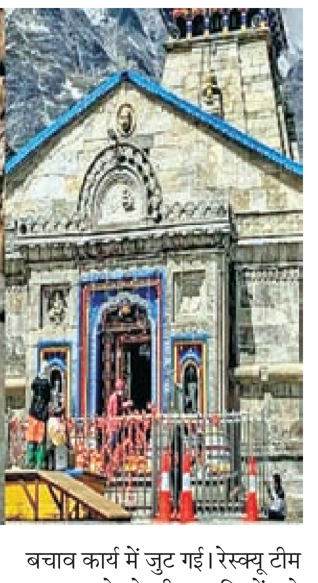

बांग्लादेश में संकट में फंसे लोगों की मदद को आगे आयीं ममता बनर्जी

एजेंसी

कोलकाता। बांग्लादेश में जारी हिंसा को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि वह पड़ोसी देश में संकट में फंसे लोगों के लिए अपने राज्य के दरवाजे खुले रखेंगी और उन्हें शरण देंगी। बनर्जी ने संभावित मानवीय संकट पर अपने रुख को न्यायोचित ठहराने के लिए शरणार्थियों पर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का हवाला दिया। उन्होंने कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की 'शहीद दिवस' रैली में कहा, "मुझे बांग्लादेश के मामलों पर नहीं बोलना चाहिए क्योंकि वह एक संप्रभु राष्ट्र है और इस मुद्दे पर जो कुछ भी कहा जाना चाहिए वह केंद्र का विषय है। लेकिन मैं आपको यह बता सकती हूं कि यदि संकट में फंसे लोग बंगाल के दरवाजे खटखटाएंगे तो हम उन्हें शरण जरूर देंगे। ममता बनर्जी ने कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि अशांत क्षेत्रों के आसपास के क्षेत्रों में शरणार्थियों को समायोजित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र का एक प्रस्ताव है। उन्होंने बंगाल के उन निवासियों को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया जिनके रिश्तेदार अंतरराष्ट्रीय सीमा के पूर्वी हिस्से में बढ़ती हिंसा के कारण फंस गए हैं। उन्होंने उन बांग्लादेशियों को भी सहायता प्रदान करने की बात कही जो बंगाल आए थे, लेकिन घर लौटने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं। बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के लोगों से बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति से संबंधित मामलों पर उत्तेजित न होने की भी अपील की। उन्होंने कहा, "हमें संयम बरतना चाहिए और इस मुद्दे पर किसी भी उकसावे या उत्तेजना में नहीं आना चाहिए। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने पड़ोसी देश में जारी हिंसा का शिकार बने लोगों के साथ अपनी एकजुटता भी व्यक्त की।

नूंह में इंटरनेट बंद, ब्रजमंडल यात्रा आज, जलाभिषेक को लेकर सुरक्षा सख्त

चप्पे-चप्पे पर पुलिस

एजेंसी

नूंह। हरियाणा के नूंह प्रशासन ने इलाके में 24 घंटे तक इंटरनेट सेवा बंद रखने का फैसला किया है। इसकी वजह भी सामने आई है। पिछले साल ब्रजमंडल यात्रा के दौरान यहां हिंसा हो गई थी। सोमवार को एक बार फिर से यह यात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान एहतियात के तौर पर प्रशासन ने इलाके में 24 घंटे के लिए इंटरनेट सेवा बंद रखने का फैसला लिया है। इस दौरान यात्रा के रूट और नूंह के कई इलाकों में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। हरियाणा गृह मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक नूंह में रविवार शाम 6 बजे से सोमवार शाम 6 बजे तक इंटरनेट सेवा बंद रहेगी। प्रशासन के आदेश के मुताबिक इस दौरान ज्यादा संख्या में मैसेज भेजने पर भी पाबंदी रहेगी। हालांकि, कॉलिंग की सुविधा पर किसी तरह की पाबंदी नहीं रहेगी। इस आदेश का नोटिस सभी टेलीकॉम और इंटरनेट प्रदान करने वाली कंपनियों को भेज दिया गया है। अब इलाके में रविवार 6 बजे से लेकर सोमवार को 6 बजे तक इंटरनेट सेवा बंद रहेगी। बीते साल नूंह में बृजमंडल यात्रा के दौरान दो समुदायों के बीच हिंसा भड़क गई थी। इस हिंसा में 5 लोगों की मौत हो गई थी। हिंसा में कई कारों सहित बाइक को भी जला दिया गया था। इस तरह की किसी भी स्थिति के दोबारा बनने से रोकने के लिए हरियाणा के गृह मंत्रालय ने इलाके में 24 घंटों तक इंटरनेट सेवा बंद रखने का निर्णय लिया है। इस बारे में आदेश जारी करते हुए गृह विभाग ने सभी इंटरनेट सेवा प्रदान करने वाली कंपनियों को भी निर्देश दे दिया है। नूंह प्रशासन ने इलाके में इंटरनेट सेवा बंद करने के साथ-साथ भारी पुलिस फोर्स भी तैनात किया है। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं। किसी तरह की स्थिति से निबटने के लिए हजारों की संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। प्रशासन के अनुसार, सोमवार को यात्रा के दौरान रूट की निगरानी ड्रोन के माध्यम से की जाएगी। इंटरनेट सेवा 24 घंटों के लिए बंद करने वाला आदेश जारी करते हुए प्रशासन ने कहा कि बृजमंडल यात्रा के दौरान हिंसा होने की संभावना को रोकने के लिए यह फैसला लिया गया है। ऐसे में अफवाह फैलाने से यात्रा के दौरान हिंसा होने पर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की पूरी संभावना भी रहती है। इस दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने और अफवाहों को रोकने के लिए, हरियाणा सरकार द्वारा यह आदेश जारी किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि यात्रा के दौरान सुरक्षा की कड़ी और मजबूत व्यवस्था की गई है। जिले में दंगा रोधी दस्ता की दो कंपनी तैनात की गई है। इसके अलावा दो हजार से अधिक पुलिस कर्मी, अर्ध सैनिक बल आदि तैनात किए गए हैं। यात्रा के दौरान डीजे, साउंड बॉक्स, लाउडस्पीकर आदि को बजाने पर प्रतिबंध रहेगा। पुलिस की टीम अरावली की पहाड़ी पर भी तैनात रहेंगे और ड्रोन उड़ाकर हर गतिविधियों पर नजर रखेंगे। पहाड़ी पर मौजूद पुलिस कर्मी असमाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए दूरबीन का भी इस्तेमाल करेंगे।

जानकारी के अनुसार यात्रा सोमवार सुबह करीब 10 बजे अरावली की वादियों में बसे प्राचीन नलहेश्वर शिव मंदिर से शुरू होगी, जो करीब 40 किलोमीटर दूर फिरोजपुर झिरका के झिर स्थित शिव मंदिर पहुंचेगी। वहां हरिद्वार-ऋषिकेश से लाए गए गंगाजल से जलाभिषेक कर, श्रद्धालु 44 किलोमीटर का सफर और तय करेंगे। पुन्हाना खंड के सिंगार गांव स्थित राधा-कृष्ण, शिव मंदिर पर शाम करीब पांच बजे जलाभिषेक यात्रा को समाप्त किया जाएगा।

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची

VERMA PRESS

Verma's Today

शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi - B	₹ 140	Hindi - B	₹ 80
Hindi Vyakaran- II	₹ 120	Hindi Vyakaran- II	₹ 120
English Grammar - II	₹ 120	English Grammar - II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran-II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran-II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 170
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !